फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 300 प्रभात जयपुर, बुधवार 3 जून, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

She Was Superb
She Was Suman Kalyanpur

'Tumne pukaara aur hum chale aaye' (Rajkumar, 1964), 'Dil ek mandir hai' (Dil Ek Mandir, 1963), 'Ajahoon na aaye baalma' (Saanjh Aur Savera, 1964), 'Dil ne phir yaad kiya' (Dil Ne Phir Yaad Kiya, 1966)

Does Honey Really Never Expire?

टीएमसी में नेतृत्व के खिलाफ विद्रोह फैलता ही जा रहा है

विद्रोहियों का कहना है कि टीएमसी के 80 विधायकों में से 50 उनके साथ हैं, अगर यह दावा सही है तो ममता बनर्जी एवं अभिषेक बनर्जी का गुट पार्टी के प्रतीक चिन्हों का उपयोग भी नहीं कर पाएगा

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 जून। तृणमूल कांग्रेस में बगावत लगातार बढ़ती जा रही है। इसकी शुरुआत तब हुई, जब पार्टी के दो विधायकों ने विपक्ष के नेता के चुनाव में उनके जाली हस्ताक्षर इस्तेमाल किए जाने की शिकायत की।

पार्टी के एक वरिष्ठ नेता और कोलकाता नगर निगम के पार्षद तारक सिंह ने आज अपने सभी पदों से इस्तीफा दे दिया और पार्टी नेतृत्व में बदलाव की मांग की। उनके इस्तीफे के गहरे राजनीतिक मायने हैं।

ताज़ा आकलन के अनुसार, बागी गुट का दावा है कि नव-निर्वाचित 80 विधायकों में से कम से कम 50 उनके साथ हैं। यदि यह दावा सही साबित होता है, तो ममता बनर्जी-अभिषेक बनर्जी गुट शायद पार्टी का चुनाव चिह्न भी खो सकता है।

चुने हुए असंतुष्ट जनप्रतिनिधियों की लगातार अलग-अलग बैठकें हो रही हैं। तृणमूल के सदस्य अब खुलकर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की आलोचना कर रहे हैं। हालांकि अधिकांश आलोचकों का मानना है कि चुनावी हार की मुख्य जिम्मेदारी अभिषेक बनर्जी पर है।

- टीएमसी के भ्रष्टाचार की भी नित नई कहानियाँ सामने आ रही हैं। भ्रष्टाचार टीएमसी दफ्तरों तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि कॉलेजों व कॉलेज यूनियनों में भी फैला है। यहाँ हर साल एडमीशन के समय करोड़ों की हेराफेरी होती थी।
- सुरेन्द्रनाथ कॉलेज के छात्र संघ ऑफिस में भारी मात्रा में नकदी मिली है। इस यूनियन पर छात्र नेता देबाशीष बनर्जी (देबू कनकटा) का कब्जा था, कॉलेज के सभी मामलों पर उसी का नियंत्रण था। वो सुदीप बंदोपाध्याय व उनकी पत्नी का करीबी बताया जाता है। उसके कमरे से दो लगेज ट्रॉली में नोट भरे हुए मिले हैं, जिनमें से अधिकांश को दीमक खा गई है। इनमें पुराने नोट भी हैं।
- इस छात्रसंघ ऑफिस से सटे दो पूर्ण सुसज्जित बैडरूम भी मिले हैं, जिन्हें किराए पर दिया जाता था।
- कालना के पूर्व टीएमसी विधायक के महल जैसे आवास से एक चुराई गई एम्बुलैंस भी मिली है।

ये बागी विधायक अब वर्षों की चुप्पी के बाद अपनी आवाज़ उठा रहे हैं। जब उनसे पूछा जाता है कि वे पहले क्यों नहीं बोले, तो उनका एक ही जवाब होता है कि पिछली व्यवस्था में असहमति जताना संभव नहीं था। उन्हें अपनी और अपने परिवार की जान का खतरा था।

मौजूदा स्थिति में पार्टी पूरे बंगाल में बचाव की मुद्रा में दिखाई दे रही है। आम लोग सड़कों पर उतर आए हैं और तृणमूल कार्यकर्ताओं तथा पंचायत प्रधानों, नगर पार्षदों और यहां तक कि विधायकों को भी खदेड़ रहे हैं। लोग बड़ी संख्या में तृणमूल के दफ्तरों की ओर दौड़ लगा रहे हैं और वहां से लगातार नई-नई चीजें बरामद हो रही हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बंदी की मौत पर विरोधाभासी रिपोर्ट

जयपुर, 2 जून। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट महानगर प्रथम ने कथित रूप से पुलिस हिरासत में हुई बंदी की मौत के मामले में पुलिस की ओर से विरोधाभासी तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश करने पर आईओ से स्पष्टीकरण मांगा है। कोर्ट ने आईओ से पूछा है कि जब पूर्व आईओ ने मामले में आरोपियों का जुर्म प्रमाणित मान लिया है तो फिर उन्होंने अपनी रिपोर्ट में अनुसंधान जारी होना क्यों बताया है।

मामले से जुड़े अधिवक्ता रामप्रकाश कुमावत ने बताया कि परिवादी रामस्वरूप कुमावत ने अपने भाई सुनील की पुलिस हिरासत में हुई मौत की रिपोर्ट 2022 में एसएमएस पुलिस थाने में दर्ज कराई थी, जिस पर सीआईडी सीबी ने तीन पुलिसकर्मियों व तीन निजी व्यक्तियों को मृतक बंदी की हत्या का दोषी मान लिया, लेकिन आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो पाई। इस पर उन्होंने सीजेएम कोर्ट में आरोपियों को गिरफ्तार करने व निष्पक्ष जांच कराए जाने के संबंध में डीजीपी, पुलिस कमिश्नर व अन्य अफसरों को पक्षकार बनाते हुए प्रार्थना पत्र दायर किया। प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए

- अदालत ने कहा, जब पूर्व आईओ ने जुर्म प्रमाणित मान लिया तो आईओ ने रिपोर्ट में अनुसंधान जारी होना कैसे बताया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'मैं नहीं होता तो तुम जेल में होते'

इज़रायल के बेरुत पर भीषण हमले से नाराज़ ट्रंप ने नेतन्याहू को फोन कर खूब खरी-खोटी सुनाई

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 जून। इज़रायल द्वारा बेरुत पर हमलों को रोकने से इनकार करने से नाराज़ अमेरिकन राष्ट्रपति ट्रंप ने कथित तौर पर इज़रायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू से कहा कि "अगर मैं नहीं होता तो तुम जेल में होते।" यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब अमेरिका ईरान के साथ शांति वार्ता को आगे बढ़ाने के लिए युद्धविराम सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहा है। इससे अमेरिका व इज़रायल में मतभेद उजागर हो गए है।

ट्रंप ने सोमवार को कहा कि उन्होंने इज़रायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू को बेरुत पर योजनाबद्ध हमले को रद्द करने के लिए मनाने की कोशिश की थी। अमेरिकी मीडिया आउटलेट एक्सियोस ने बताया कि दोनों नेताओं के बीच फोन पर बातचीत तनावपूर्ण हो गई, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति ने कथित तौर पर सैन्य कार्यवाही को लेकर इज़रायली नेता को खरी-खोटी सुनाई।

ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में दावा किया कि बातचीत के बाद नेतन्याहू ने अपना रुख बदल दिया और हिज़बुल्लाह के प्रतिनिधियों ने भी इज़रायल पर हमले रोकने पर सहमति जताई, जिससे इज़रायल-लेबनान सीमा पर तनाव कम होने की उम्मीद जगी।

ट्रंप ने कहा, "आज (सोमवार) मेरी बिबी नेतन्याहू से बातचीत हुई, जिसमें मैंने उनसे कहा कि बेरुत पर बड़ा हमला न करें, और उन्होंने अपनी सेनाओं को वापस मोड़ दिया। धन्यवाद बिबी," ट्रंप अक्सर इज़रायली प्रधानमंत्री के लोकप्रिय उपनाम का इस्तेमाल करते है।

ट्रंप की नेतन्याहू से फोन कॉल की बात उस समय आई, जब ईरान ने इज़रायल के लेबनान पर हमलों के कारण अमेरिका के साथ वार्ता समाप्त करने की धमकी दी थी। नेतन्याहू ने कहा था कि अगर हिज़बुल्लाह इज़रायल पर

- एक अमेरिकन मीडिया कंपनी एक्सियोस ने अनाम अमेरिकन अफसर के हवाले से ट्रंप व इज़रायल के प्र.मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच हुई तीखी बातचीत की जानकारी दी। फोन पर बातचीत के दौरान, लेबनान पर इज़रायल के हमले पर भारी नाराज़गी जताई और नेतन्याहू से कहा कि तुमसे सब नफरत करते हैं और तुम्हारी वजह से इज़रायल से।
- समझा जाता है कि लेबनान पर इज़रायल के हमले के बाद ईरान ने शांति वार्ता से हटने के संकेत दिए थे, इसके बाद ट्रंप ने नेतन्याहू से फोन पर बातचीत की। हालांकि, ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि नेतन्याहू और हिजबुल्लाह के प्रतिनिधि एक-दूसरे पर हमला रोकने के लिए मान गए हैं, पर कुछ अमेरिकन अधिकारियों ने नाम गोपनीय रखने की शर्त पर असल बात उजागर की।
- अभी यह स्पष्ट नहीं है कि ट्रंप का यह कथित गुस्सा अमेरिका के लोगों को यह दिखाने का चतुर मीडिया दांव है कि सब कुछ उनके काबू में है या वास्तव में वे नेतन्याहू पर लगाम कसने की कोशिश कर रहे हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सिद्धारमैया 2028 तक सीएम हाउस में ही रहेंगे

समझा जाता है कि नए मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने सिद्धारमैया को सरकारी मुख्यमंत्री आवास "कावेरी" में रहने की सहमति दी है

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 2 जून। कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन के बीच एक अनोखी आवास व्यवस्था सामने आई है। राज्य के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे सिद्धारमैया पद छोड़कर, डी.के. शिवकुमार मुख्यमंत्री बनने के लिए रास्ता बना रहे हैं, लेकिन परंपरागत रूप से मुख्यमंत्री को आवंटित किए जाने वाले आधिकारिक आवास 'कावेरी' के उपयोग में कोई बदलाव नहीं होगा।

सूत्रों के अनुसार, दोनों शीर्ष नेताओं ने आधिकारिक आवास को लेकर आपसी सहमति से एक सौहार्दपूर्ण समझौता किया है। इस समझौते के तहत, निवर्तमान मुख्यमंत्री सिद्धारमैया वर्ष 2028 तक औपचारिक रूप से कावेरी बंगले को अपने पास रखेंगे और वहीं निवास करते रहेंगे।

इसके परिणामस्वरूप, नए मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार शुरूआत में अपने निजी आवास से ही कामकाज करेंगे और वहीं रहेंगे। बाद में वे किसी अन्य उपयुक्त सरकारी आवास को अपना आधिकारिक निवास बनाएंगे, बजाय इसके कि वे पारंपरिक मुख्यमंत्री आवास में जाएँ।

लंबे इंतजार के बाद, डी.के. शिवकुमार 3 जून को लोक भवन में राज्य के 25वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेंगे।

मुख्यमंत्री पद के लिए नामित शिवकुमार ने पहले ही घोषणा कर दी है कि शपथ ग्रहण समारोह सादगीपूर्ण

- शिवकुमार नए सरकारी भवन से अपना कामकाज करेंगे। ज्ञातव्य है कि वे 3 जून को शपथ लेंगे, जिसके लिए उन्हें लंबा इंतजार करना पड़ा।
- डीके शिवकुमार ने कहा, शपथ ग्रहण सादा समारोह में होगा, क्योंकि उस दिन वर्किंग डे है। उन्होंने यह भी बताया कि पार्टी कार्यकर्ताओं व समर्थकों को लाने के लिए 17,000 से ज्यादा वाहन बुक किए गए हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लोखंडे सीताराम सीबीएसई के चेयरमैन, भारद्वाज सचिव नियुक्त

नई दिल्ली, 02 जून। बाहरवीं के छात्रों की ऑन-स्क्रीन मार्किंग मूल्यांकन में बड़े पैमाने पर गड़बड़ियों को लेकर विवादों में घिरी सीबीएसई के खिलाफ सरकार मंगलवार को एक्शन में दिखी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्देश के बाद सीबीएसई के चेयरमैन राहुल सिंह और सचिव हिमांशु गुप्ता को तत्काल प्रभाव से हटा दिया गया। यही नहीं, आन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) से जुड़े टेंडर मामले की जांच के लिए भी एक सदस्यीय कमेटी गठित की गई है। इसका जिम्मा कैपेसिटी बिल्डिंग कमीशन की अध्यक्ष एस. राधा चौहान

- ऑन स्क्रीन मार्किंग के टेंडर से जुड़े विवाद की जांच कैपेसिटी बिल्डिंग कॉरपोरेशन की अध्यक्ष एस. राधा चौहान करेंगे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा में भी छाया राजनैतिक वंशवाद

पार्टी के नेताओं की अपनी संतानों को चुनाव लड़ाने की महत्वाकांक्षा ने नेतृत्व को त्रस्त कर दिया है

- श्रीनंद झा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 2 जून। राजनैतिक परिवारवाद के कारण भाजपा की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं, क्योंकि उत्तर प्रदेश के महत्वपूर्ण विधानसभा चुनावों के लिए दर्जनों स्थापित नेताओं के बच्चे टिकट के लिए कतार में हैं।

संख्या के मामले में कांग्रेस की तुलना में भाजपा में वंशवादी राजनीतिज्ञ कम हैं, लेकिन सत्ता में व्यापक उपस्थिति के कारण, इसके पास वास्तविक संख्या काफी ज्यादा है। वर्तमान में, कुल मिलाकर 5204 सांसद, विधायक और विधान परिषद सदस्यों में से 21 प्रतिशत सदस्य राजनीतिक परिवारों से आते हैं, जिसमें 31 प्रतिशत कांग्रेस से और लगभग 18 प्रतिशत भाजपा से हैं, जैसा कि डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स एसोसिएशन के आंकड़े बताते हैं। भाजपा ने अन्य पार्टियों के राजनैतिक परिवारों को भी अपने साथ जोड़ा है (जैसे, ज्योतिरादित्य सिंधिया) और अपने ही नेताओं के परिवारों को आगे बढ़ाया है (अनुराग ठाकुर, पीयूष गोयल, पूनम महाजन, दुष्यंत सिंह आदि)। हालांकि, पार्टी का शीर्ष नेतृत्व वंशवादी नहीं है।

हाल के वर्षों में, राजनीतिक उत्तराधिकारियों की महत्वाकांक्षाएँ स्पष्ट रूप से बढ़ गई हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बड़े पुत्र पंकज यूपी विधानसभा में विधायक हैं। बताया जाता है कि अब उनके छोटे बेटे नीरज लखनऊ ईस्ट विधानसभा सीट पर चुनाव लड़ने के लिए पूरी मेहनत कर रहे हैं। जम्मू और कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा के पुत्र अभिनव ने 2024 के चुनावों में गाज़ीपुर सदर सीट से चुनाव लड़ने की कोशिश की थी; अब वे विधानसभा के लिए वही सीट हासिल करने में जुटे हैं। यूपी विधानसभा के स्पीकर सतीश महाना के पुत्र करण महाराजपुर में

- एसोसिएशन फॉर डैमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने बताया कि कुल 5204 मौजूदा सांसदों, विधायकों में से 21 प्रतिशत राजनैतिक परिवारों से हैं। इनमें से 31 प्रतिशत कांग्रेस के हैं और 18 प्रतिशत भाजपा से हैं।
- रिपोर्ट के अनुसार, भाजपा ने कुछ राजनैतिक परिवार कांग्रेस से ग्रहण किए हैं, जैसे ज्योतिरादित्य सिंधिया। कुछ को उसने खुद पाला-पोसा है, जिनमें राजनाथ सिंह, अनुराग ठाकुर, पीयूष गोयल, दुष्यंत सिंह, पूनम महाजन, बृजभूषण शरण सिंह आदि प्रमुख हैं।
- राजनाथ सिंह के बड़े पुत्र पंकज पहले से विधायक हैं और अब छोटे पुत्र नीरज भी मैदान में कूद पड़े हैं। जम्मू-कश्मीर के गवर्नर मनोज सिन्हा के पुत्र अभिनव भी चुनाव लड़ना चाहते हैं, बृजभूषण शरण सिंह का एक बेटा विधायक है, दूसरा सांसद है और अब वे अपनी बेटी को भी चुनाव लड़ाना चाहते हैं।
- ऐसे नेताओं की तादाद बढ़ती जा रही है, जो अपने बच्चों को चुनाव लड़ाना चाहते हैं।

पेपर लीक आरोपी को आगामी नीट परीक्षा के लिए पुस्तकें मिलेंगी

नई दिल्ली, 02 जून। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने नीट पेपर लीक के एक आरोपी को आगामी नीट की परीक्षा की तैयारी के लिए किताबें उपलब्ध कराने की अनुमति दे दी है। स्पेशल जज अजय गुप्ता ने इस मामले के पांच आरोपियों की न्यायिक हिरासत 15 जून तक बढ़ ाने का भी आदेश दिया।

कोर्ट ने आरोपी यश यादव को 21 जून को होने वाले नीट की परीक्षा की तैयारी के लिए पुस्तकें उपलब्ध कराने की अनुमति दे दी। पेशी के दौरान यश

- अदालत ने 21 जून की परीक्षा के लिए यह अनुमति दी तथा न्यायिक हिरासत 15 जून तक बढ़ाई।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत में ब्लू कॉलर वर्कर्स (नलवाला, बिजली वाला, खाती आदि) की भारी कमी आ सकती है

कैनडा की मैक्रो ट्रैड्ंस रिसर्च फर्म "पाइन ट्री" के संस्थापक रितेश जैन ने यह भविष्यवाणी करते हुए कहा कि विश्व की विकसित अर्थव्यवस्थाओं में ब्लू कॉलर वर्कर्स की भारी मांग है, जिसकी आपूर्ति वे भारत से कर रहे हैं।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 जून। यह चेतावनी कैनडा की एक मैक्रो ट्रेंड्स रिसर्च फर्म, पाइनट्री के संस्थापक रितेश जैन ने दी है। उनका कहना है कि विकसित देशों में बढ़ते जनसांख्यिकीय संकट के कारण वैश्विक श्रम बाजार में एक नया रुझान उभर रहा है, जिसमें भारतीय ब्लू-कॉलर (शारीरिक श्रम करने वाले) कर्मचारियों की मांग तेजी से बढ़ेगी।

जैन का मानना है कि अगले पांच वर्षों में भारत में प्लंबर, इलेक्ट्रिशियन, बढ़ई, ड्राइवर, नर्स और देखभाल करने वालों (केयर गिवर्स) की कमी हो सकती है, क्योंकि अमीर देश उन श्रमिकों की आक्रामक तरीके से भर्ती करेंगे, जिनकी उन्हें अपने यहां कमी पड़ रही है।

उन्होंने लिंक्डइन पर एक पोस्ट में लिखा, "दुनिया में ब्लू-कॉलर श्रमिकों की कमी है और वाइट-कॉलर (दफ्ततरी काम करने वाले) कर्मचारियों की अधिकता है।" उनके अनुसार, यह वैश्विक श्रम बाजार में उभर रहा सबसे बड़ा असंतुलन है।

- जैन ने बताया कि दुनिया में भारी "लेबर मार्केट" असंतुलन पैदा हो रहा है। यूरोप व विश्व के अन्य विकसित देशों की आबादी कम हो रही है, बुजुर्गों की संख्या बढ़ रही है, साथ ही इलैक्ट्रिशियन, प्लम्बर, खाती, नर्स, ड्राइवर जैसे कुशल कामगारों की संख्या घटी है और इसका जवाब इन देशों ने भारत में ढूंढा है, जहाँ से बड़ी तादात में कुशल कामगार आयात किए जा रहे हैं।
- जैन ने कहा, विडम्बना यह है कि विश्व में कुशल कामगारों की मांग बढ़ी है, पर भारत में बेरोजगार स्नातकों की तादाद बढ़ती जा रही है। एक सर्वे में पता चला है कि उच्च शिक्षित युवा वर्ग में बेरोजगारी, कम शिक्षित युवा वर्ग की तुलना में 40 प्रतिशत अधिक है।

यह चेतावनी ऐसे समय आई है, जब यूरोप और अन्य विकसित अर्थव्यवस्थाएं बूढ़ी होती आबादी, घटती जन्म दर और विभिन्न क्षेत्रों में लगातार बनी हुई श्रमिकों की कमी से जूझ रही हैं।

संयुक्त राष्ट्र के जनसंख्या अनुमानों के अनुसार, 1970 के दशक के बाद से 65 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों की हिस्सेदारी दुनिया भर में लगभग दोगुनी हो चुकी है और 2070 के दशक तक इसके फिर से लगभग दोगुना होने की संभावना है। वहीं, संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष का अनुमान है कि अब दुनिया की 60 प्रतिशत से अधिक आबादी ऐसे देशों में रहती है, जहां जन्म दर जनसंख्या को स्थिर रखने के लिए आवश्यक स्तर से नीचे है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुप्रीम कोर्ट के 5 नये न्यायाधीशों ने शपथ ली

नई दिल्ली, 02 जून। सुप्रीम कोर्ट के पांच नवनियुक्त जजों ने मंगलवार को अपने पद की शपथ ली, जिससे कोर्ट अपनी स्वीकृत संख्या 38 जजों तक पहुंच गया है। भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने सुप्रीम कोर्ट में आयोजित एक समारोह में जस्टिस शील नागू, जस्टिस श्री चंद्रशेखर, जस्टिस संजीव सचदेवा, जस्टिस अरुण पल्ली और सीनियर एडवोकेट वी. मोहना को शपथ दिलाई। केन्द्र सरकार ने कल सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम द्वारा 22 मई और 27 मई को हुई बैठकों में की गई सिफारिशों के बाद इनकी नियुक्तियों को अधिसूचित किया था।

नए नियुक्त लोगों में हाई कोर्ट के चार मौजूदा मुख्य न्यायाधीश शामिल

- अब सर्वोच्च न्यायालय में स्वीकृत संख्या सभी 38 स्थान भर गये हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

बुद्धि से विचार कर किए गए कर्म ही सफल होते हैं। –महाभारत

वर्तमान समय मीडिया का अब तक का श्रेष्ठ युग!

पिछले शुक्रवार को हिन्दी पत्रकारिता दिवस पर अनेकों जगह पत्रकारिता की वर्तमान दशा और दिशा पर चर्चाएं आयोजित की गईं। यह दिवस पहले हिन्दी समाचार पत्र 'उदन्त मार्तंड' की प्रकाशन तिथि 30 मई को प्रतिवर्ष मनाया जाता है। इस बार 'उदन्त मार्तंड' के निकलने की तिथि के 200 वर्ष होने के कारण आयोजनों का महत्व बढ़ गया था। इन दो सौ वर्षों में पत्रकारिता ने अनेक बदलाव देखे हैं। उन पर नज़र डालें तो हम पाते हैं कि आज की पीढ़ी के लिये पत्रकारिता करने के लिये मौजूदा समय से बेहतर समय नहीं हो सकता। बस उन्हें नये युग की जरूरतों को पूरा करना पड़ेगा। पुराने लोगों की बातों पर कान नहीं देना होगा। पुरानों का ज़माना बीत चुका। वे नए जमाने के साथ चाल न मिला पाने के कारण पीछे छूट गए हैं। परिवर्तन इतनी तेज गति से हुए हैं कि मीडिया के दिग्गज समझ ही नहीं पाये हैं कि क्या हो गया है। उन्हें लगता है उनका सब कुछ खो गया है। उनका रुतबा खो गया। वे पीछे छूट गये और वह नौजवान पीढ़ी आगे निकल गई है, जो नई प्रौद्योगिकी में दक्ष है। अब 24 घंटों में एक बार, अथवा नियमित समय पर खबरों का प्रकाशन-प्रसारण इतिहास की बात है। अब रियल टाइम में खबर का ज़माना है, जिसके लिये हरदम सतर्क और उद्यमशील रहना पड़ता है। अब राहत के क्षण नहीं हैं। हर वक़्त तैयारी रखनी पड़ती है। अब ऑफिस पहुंच कर खबर तैयार करने का अवकाश भी नहीं है। प्रिन्ट, ऑडियो, विज़ुअल और विडिओ का अलग-अलग वर्गीकरण समाप्त हो चुका है। सब कुछ ऑनलाइन है। तेजी से बदलती प्रौद्योगिकी आज पल-पल मीडिया को आकार दे रही है। जो इसे नहीं साध पा रहा है उसके लिये मीडिया में कोई ठीक-ठाक स्थान नहीं है। इसीलिए पुराने लोग समस्या में हैं,और युवा आगे बढ़ रहे हैं। मीडिया का इतिहास, कई मायनों में, प्रौद्योगिकी का ही इतिहास है। प्रिंटिंग प्रेस के आविष्कार से लेकर रेडियो प्रसारण तक, ब्लैक-एंड-व्हाइट टेलीविज़न से लेकर स्मार्टफ़ोन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तक, हर तकनीकी क्रांति ने पत्रकारों के समाज के साथ संवाद करने के तरीके को बदला है। आज, हम पेशेवर संचार के इतिहास में शायद सबसे गतिशील और सशक्त दौर के गवाह बन रहे हैं। तकनीक ने न केवल समाचार पहुंचाने की गति को तेज़ किया है, बल्कि मीडियाकर्मियों के लिए पहुंच, प्रभाव, रचनात्मकता और उपलब्ध अवसरों का भी विस्तार किया है। इसलिए यह कहना कोई अतिशयोक्ति नहीं है कि आधुनिक युग में मीडिया पेशेवरों के लिए यह सबसे बेहतरीन समय है।

मीडिया परिदृश्य में यह बदलाव डिजिटल प्रौद्योगिकी के कारण आया है। आज, एक रिपोर्टर के हाथ में मौजूद स्मार्टफोन, बीते ज़माने के पूरे न्यूज़रूम से कहीं ज़्यादा शक्तिशाली है। एक पत्रकार हाई-डेफ़िनिशन वीडियो शूट कर सकता है, इंटरव्यू रिकॉर्ड कर सकता है, कंटेंट एडिट कर सकता है, खबरें लिख सकता है और दुनिया में लगभग कहीं से भी उन्हें तुरंत प्रसारित कर सकता है। सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म डिजिटल न्यूज़रूम बन गए हैं, जहां जानकारी का निरंतर प्रवाह होता रहता है। खबर देने वाला और खबर लेने वाले के बीच संवाद है। कई बार खबर लेने और देने वालों की भूमिकाएं भी बदल जाती हैं। तकनीकी बदलाव ने मीडिया का लोकतंत्रीकरण किया है और लोगों को ऐसे अभूतपूर्व तरीकों से सशक्त बनाया है, जिनकी पहले कभी कल्पना भी नहीं थी।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पत्रकारिता में एक बड़ी क्रांति ला रहा है। एआई-पावर्ड टूल्स रिपोर्टर्स को इंटरव्यू ट्रांसक्राइब करने, बड़े डेटा सेट्स का विश्लेषण करने, सबटाइटल बनाने, अनुवाद बेहतर करने और ट्रेंड्स का तेज़ी से पता लगाने में मदद करते हैं। समाचार संस्थानों को भी अपने वज़ूद को बनाये रखने के लिये अब 'पर्सनलाइज़्ड कंटेंट रिकमेंडेशन' और 'ऑडियंस विश्लेषण' के लिए एआई का इस्तेमाल करना पड़ रहा है। इसमें पिछड़ रहे संस्थान बाज़ार से बाहर होते जा रहे हैं। ऐसी भी चिंता व्यक्त की जा रही है कि एआई पत्रकारों की जगह ले लेगा, मगर असलियत यह है कि यह उनका एक महत्वपूर्ण सहायक टूल बन कर उभर रहा है और उनकी कार्यक्षमता और उत्पादकता को बढ़ा रहा है। पत्रकार अब दोहराए जाने वाले कामों पर ज़्यादा समय खर्च करने के बजाय खोज और विश्लेषण करने पर ज़्यादा ध्यान दे सकते हैं।

> **मीडिया का इतिहास, कई मायनों में, प्रौद्योगिकी का ही इतिहास है। प्रिंटिंग प्रेस के आविष्कार से लेकर रेडियो प्रसारण तक, ब्लैक-एंड-व्हाइट टेलीविज़न से लेकर स्मार्टफ़ोन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तक, हर तकनीकी क्रांति ने पत्रकारों के समाज के साथ संवाद करने के तरीके को बदला है। आज, हम पेशेवर संचार के इतिहास में शायद सबसे गतिशील और सशक्त दौर के गवाह बन रहे हैं।**

टेक्नोलॉजी ने खोजी पत्रकारिता को मज़बूत बनाया है। डिजिटल आर्काइव, ऑनलाइन डेटाबेस, सैटेलाइट इमेज, ओपन-सोर्स इंटेलिजेंस और डेटा एनालिसिस टूल्स ने छिपे हुए सच को सामने लाना आसान बना दिया है। खोजी पत्रकार वित्तीय रिकॉर्ड का विश्लेषण कर सच्चाई का पता लगा सकते हैं, गलत जानकारी की पुष्टि कर सकते हैं। डिजिटल संचार टूल्स की वजह से अलग-अलग देशों के बीच मिलकर पत्रकारिता करना संभव हो पाया है। पनामा पेपर्स जैसी अंतर्राष्ट्रीय जांचों ने यह दिखाया कि कैसे टेक्नोलॉजी दुनिया भर के पत्रकारों को एक साथ लाकर असरदार रिपोर्टिंग करने में मदद कर सकती है।सोशल मीडिया ने पत्रकारों और दर्शकों के बीच के रिश्ते को पूरी तरह बदल दिया है। पारंपरिक मीडिया में, बातचीत ज़्यादातर एकतरफ़ा होती थी। दर्शक व पाठक आज कमेंट्स, शेर्य चर्चाओं और लाइव बातचीत के ज़रिए मीडिया से जुड़े लोगों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ते हैं। इससे पत्रकारिता ज़्यादा सहभागी बनगई है। रिपोर्टर जनता की प्रतिक्रियाओं को तुरंत जान सकते हैं और समाज की चिंताओं को ज़्यादा गहराई से समझ सकते हैं।

नई प्रौद्योगिकी ने मीडिया से जुड़े लोगों के लिए आर्थिक अवसर भी बहुत बढ़ा दिए हैं। पहले, करियर के विकल्प सिर्फ़ अख़बारों, रेडियो और टेलीविज़न चैनलों तक ही सीमित थे। आज, मीडिया पेशेवर स्वतंत्र क्रिएटर, पॉडकास्टर, यूट्यूबर, डिजिटल मार्केटर, डॉक्यूमेंट्री फ़िल्म मेकर, ब्लॉगर या सोशल मीडिया इन्फ़्लुएंसर बन सकते हैं। सब्सक्रिप्शन प्लेटफ़ॉर्म, विज्ञापनदाताओं, स्पॉन्सरशिप और क्राउडफ़ंडिंग ने आय के नए स्रोत खोल दिए हैं। कई पत्रकार अब स्वतंत्र रूप से अपने निजी ब्रांड और दर्शक वर्ग बनाते हैं, जिससे उन्हें ज़्यादा रचनात्मक आज़ादी मिलती है। टेक्नोलॉजी ने पत्रकारिता की शिक्षा और ट्रेनिंग की क्वालिटी को भी बेहतर बनाया है। अब पत्रकारिता और जनसंचार के विश्वविद्यालय जैसे उच्च शिक्षा के संस्थान अधिकतर अप्रासंगिक होते जा रहे हैं। वहां छात्र सिर्फ डिग्री लेने जाते हैं, कक्षाएं अटेन्ड करने नहीं। मीडिया के क्षेत्र में आने के इच्छुक लोग ऑनलाइन कोर्स और ट्यूटोरियल के ज़रिए वीडियो एडिटिंग, फोटोग्राफी, स्क्रिप्ट राइटिंग, पब्लिक स्पीकिंग, एनिमेशन और डिजिटल मार्केटिंग सीख सकते हैं। छोटे शहरों और गांवों के युवाओं को भी अब मीडिया के क्षेत्र में नई-नई चीज़ें सीखने और अपनी प्रतिभा को पूरी दुनिया के सामने दिखाने के मौके मिल रहे हैं। प्रौद्योगिकी ने जहां पत्रकारों को ज़्यादा तेज़, ज़्यादा स्मार्ट, ज़्यादा रचनात्मक और ज़्यादा स्वतंत्र बनने की ताक़त दी है, वहीं भूगोल, भाषा और लागत की बाधाओं को भी तोड़ दिया है। सबसे अहम बात यह है कि इसने आम लोगों की आवाज़ को बुलंद किया है और लोकतांत्रिक भागीदारी को मज़बूत बनाया है।भारत जैसे देशों में, टेक्नोलॉजी ने बदलाव लाने वाली भूमिका निभाई है। डिजिटल मीडिया प्लेटफॉर्म्स ने क्षेत्रीय भाषाओं को एक नई ज़िंदगी दी है। पत्रकार अब हिंदी, मराठी, तमिल, बंगाली, राजस्थानी और कई दूसरी भाषाओं में बड़े ऑनलाइन दर्शकों के लिए कंटेंट बना सकते हैं। गांव-देहात की वो कहानियां, जिन्हें कभी मुख्यधारा का मीडिया नज़रअंदाज़ कर देता था, अब डिजिटल स्टोरीटेलिंग के ज़रिए राष्ट्रीय स्तर पर ध्यान खींच सकती हैं। इसलिए यह स्वीकार करना होगा कि यह दौर पत्रकारों और मीडिया कंटेंट बनाने वालों के लिए एक सुनहरा मौका है। टेक्नोलॉजी ने मीडिया को एक सीमित पेशे से बदलकर रचनात्मकता और संचार के एक विशाल तंत्र में बदल दिया है। यह स्पष्ट है कि मीडिया का भविष्य वर्चुअल रियलिटी, ऑगमेंटेड रियलिटी, एआई-जेनरेटेड कंटेंट और इमर्सिव स्टोरीटेलिंग जैसे नए-नए आविष्कारों के साथ लगातार बदलता रहेगा।

भविष्य के न्यूज़रूम आज के न्यूज़रूम से बहुत अलग दिख सकते हैं। फिर भी, एक चीज़ हमेशा एक जैसी रहेगी। वह है मानवीय विवेक, नैतिकता, सहानुभूति और सच्चाई का महत्व। टेक्नोलॉजी हमें साधन दे सकती है, लेकिन समाज की भलाई के लिए उनका समझदारी से इस्तेमाल करना मीडिया से जुड़े लोगों की ज़िम्मेदारी है। जहां प्रौद्योगिकी ने असाधारण अवसर पैदा किए हैं, वहीं इसने गंभीर चुनौतियां भी खड़ी की हैं। मगर चुनौतियां कब नहीं थी? पुराने जमाने की अपनी चुनौतियां थी तो आज के जमाने की नई चुनौतियां है। फ़ेक न्यूज़ और गलत जानकारी का तेज़ी से फैलना आज मीडिया के सामने सबसे बड़े खतरों में से एक बताया जाता है। फेक न्यूज़ पुराने प्रिन्ट मीडिया के जमाने में भी थी, आज भी है। बस वह ज़माना धीमा था और आज ज़माना तेज है। अब अफ़वाहें और छेड़छाड़ की हुई सामग्री फैलने में देर नहीं लगती। डीपफ़ेक टेक्नोलॉजी ने असली और मनगढ़ंत वीडियो के बीच फ़र्क करना मुश्किल बना दिया है। नतीजतन, पत्रकारों को जानकारी की पुष्टि करने और अपनी विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए ज़्यादा मेहनत करनी पड़ेगी तथा अधिक सतर्क होकर काम करना पड़ेगा। प्रौद्योगिकी सिर्फ़ पत्रकारिता को ही नहीं बदल रही है; बल्कि यह संचार के असल मतलब को ही नए सिरे से परिभाषित कर रही है। आज का मीडियाकर्मी इस क्रांति के केंद्र में खड़ा है – दुनिया से जुड़ा हुआ, डिजिटल साधनों से सशक्त, और असल समय में लोगों की राय को आकार देने में सक्षम। असली चुनौती यह नहीं है कि टेक्नोलॉजी मीडिया को बदलना जारी रखेगी या नहीं, बल्कि यह है कि क्या मीडिया पेशेवर इस शक्तिशाली दौर का ज़िम्मेदारी से इस्तेमाल करके सच्चाई, लोकतंत्र और मानवता को मज़बूत करेंगे।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(स्वतंत्र पत्रकार एवं विश्लेषक)

राष्ट्रीय पुरुष आयोग: समय की पुकार और न्याय की आवश्यकता

सुमित यादव

प्रस्तावना

भारतीय समाज में सदियों से स्त्री और पुरुष दोनों ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाते आए हैं। भारतीय समाज और न्याय व्यवस्था में संतुलन बनाए रखने के लिए समय-समय पर विभिन्न आयोगों का गठन किया गया है। जिस प्रकार महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए **राष्ट्रीय महिला आयोग (NCW)** कार्यरत है, उसी तर्ज पर पिछले कुछ वर्षों से भारत में **राष्ट्रीय पुरुष आयोग** के गठन की मांग तेजी से उठी है। यह मांग केवल एक जेंडर के पक्ष की नहीं, बल्कि समान न्याय और लिंग-तटस्थ (Gender-Neutral) कानूनों की स्थापना के लिए है। यह विषय सामाजिक, कानूनी और नैतिक दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण बन गया है।

पृष्ठभूमि और वर्तमान स्थिति

वर्तमान में भारत में महिलाओं, बच्चों, पिछड़ी जातियों और अल्प संख्यकों के लिए विशेष संवैधानिक निकाय हैं। हालांकि, पुरुषों के लिए ऐसी कोई समर्पित संस्था नहीं है जहाँ वे अपनी प्रताड़ना या पक्षपात की शिकायत कर सकें। सांख्यिकीय आँकड़े बताते हैं कि पारिवारिक विवादों और झूठे मुकदमों के कारण पुरुषों में आत्महत्या की दर महिलाओं की तुलना में काफी अधिक है।

पुरुष आयोग की आवश्यकता क्यों?

आज के समय में यह माना जाता है कि समाज में महिलाओं के साथ अन्याय होता रहा है, जिसके लिए कई सशक्त कानून बनाए गए हैं। लेकिन कुछ मामलों में इन कानूनों का दुरुपयोग भी देखने को मिला है। जैसे कि दहेज उत्पीड़न (IPC 498A) या घरेलू हिंसा कानून, जिनमें कई बार पुरुषों को बिना पर्याप्त जांच के आरोपी बना दिया जाता है।

ऐसी परिस्थितियों में कुछ पुरुषों का कहना है कि उनके साथ भी मानसिक, सामाजिक और कानूनी अन्याय होता है, लेकिन उनकी सुनवाई के लिए कोई विशेष संस्था नहीं है। इसलिए एक ऐसे आयोग की आवश्यकता महसूस की जा रही है जो पुरुषों की समस्याओं को सुने, उनका समाधान करे और उन्हें न्याय दिलाने में सहायता करे।

1. कानूनों का दुरुपयोग (Misuse of Laws): भारतीय दंड संहिता (अब भारतीय न्याय संहिता) की धारा 498ए (दहेज उत्पीड़न) और दुष्कर्म से संबंधित कानूनों का दुरुपयोग एक गंभीर समस्या बन चुका है। कई मामलों में इन कानूनों का उपयोग हथियार के रूप में निर्दोष पुरुषों और उनके परिवारों को फंसाने के लिए किया जाता है। एक पुरुष आयोग इन झूठे मामलों की जांच और पीड़ितों को कानूनी सहायता प्रदान करने में सहायक हो सकता है।

2. घरेलू हिंसा का शिकार पुरुष: समाज में यह धारणा व्याप्त है कि केवल महिलाएँ ही घरेलू हिंसा का शिकार होती हैं, लेकिन, एनडीटीवी की रिपोर्ट के अनुसार, पुरुषों के खिलाफ मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना के मामले भी बड़ी संख्या में सामने आ रहे हैं। पुरुष सामाजिक लोकलाज के कारण अपनी बात नहीं कह पाते।

3. उच्च आत्महत्या दर और मानसिक स्वास्थ्य: GShindi.com के लेख के अनुसार, भारत में प्रतिवर्ष आत्महत्या करने वाले पुरुषों की संख्या महिलाओं से अधिक है। इसके पीछे मुख्य कारण पारिवारिक विवाद, झूठे कानूनी केस और आर्थिक दबाव होते हैं। एक समर्पित आयोग उनके मानसिक स्वास्थ्य और काउंसलिंग के लिए मंच प्रदान कर सकता है।

4. लिंग-तटस्थ न्याय (Gender Neutral Justice): संविधान का अनुच्छेद 14 समानता का अधिकार देता है। यदि अपराध का कोई जेंडर नहीं होता, तो न्याय का भी नहीं होना चाहिए। पुरुष आयोग का उद्देश्य किसी के अधिकारों को कम करना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि किसी निर्दोष को केवल पुरुष होने के कारण सजा न मिले।

यदि पुरुष आयोग का गठन होता है, तो उसके कई महत्वपूर्ण कार्य हो सकते हैं:-

1. शिकायतों का निवारण:- पुरुषों से जुड़े मामलों जैसे झूठे आरोप, पारिवारिक विवाद, मानसिक उत्पीड़न आदि की सुनवाई करना।

2. कानूनी सहायता:- जिन पुरुषों को न्यायिक प्रक्रिया में सहायता की आवश्यकता हो, उन्हें मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करना।

3. जागरूकता फैलाना:- समाज में यह जागरूकता फैलाना कि पुरुष भी मानसिक तनाव, घरेलू हिंसा और सामाजिक दबाव का सामना करते हैं।

4. नीतिगत सुझाव देना:- सरकार को ऐसे सुझाव देना जिससे कानूनों का संतुलित उपयोग हो और किसी के साथ अन्याय न हो।

5. आंकड़ा एकत्रीकरण: पुरुषों के खिलाफ होने वाले अपराधों और उनके सामाजिक-आर्थिक स्थिति पर शोध करना।

6. कानूनी सुधार: मौजूदा कानूनों में व्याप्त कमियों को दूर करने के लिए सरकार को सुझाव देना ताकि उनका दुरुपयोग रोका जा सके।

समाज में पुरुषों की समस्याएँ

आमतौर पर यह माना जाता है कि पुरुष मजबूत होते हैं और उन्हें भावनात्मक या मानसिक समर्थन की आवश्यकता नहीं होती। लेकिन वास्तविकता इससे भिन्न है। पुरुष भी अवसाद, तनाव, पारिवारिक दबाव और सामाजिक अपेक्षाओं से जूझते हैं।

आत्महत्या के मामले:–आंकड़ों के अनुसार, आत्महत्या करने वालों में पुरुषों की संख्या अधिक होती है। इसका एक कारण मानसिक दबाव और सहायता की कमी है।

झूठे आरोपों का खतरा:–कुछ मामलों में पुरुषों पर झूठे आरोप लगाकर उन्हें कानूनी और सामाजिक रूप से बदनाम किया जाता है।

भावनात्मक उपेक्षा:–

पुरुषों की भावनाओं को अक्सर नजरअंदाज किया जाता है, जिससे वे अपनी समस्याएँ खुलकर व्यक्त नहीं कर पाते।

विरोध और समर्थन के तर्क

समर्थन में तर्क:– पुरुष आयोग से समाज में संतुलन आएगा। यह पुरुषों को भी न्याय और सुरक्षा प्रदान करेगा। कानूनों के दुरुपयोग को रोका जा सकेगा।

विरोध में तर्क:–कुछ लोगों का मानना है कि इससे महिलाओं के अधिकार कमजोर हो सकते हैं। यह भी तर्क दिया जाता है कि पहले से ही कई संस्थाएँ मौजूद हैं जहाँ पुरुष अपनी शिकायत दर्ज कर सकते हैं।

महत्वपूर्ण कानूनी संदर्भ और केस स्टडीज

1. सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक निर्णय

अर्नेश कुमार बनाम बिहार राज्य (2014): इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने माना कि धारा 498ए का इस्तेमाल पतियों और उनके रिश्तेदारों को परेशान करने के लिए एक 'हथियार' के रूप में किया जा रहा है। कोर्ट ने निर्देश दिया कि इस धारा के तहत पुलिस को सीधे गिरफ्तारी नहीं करनी चाहिए।

सुशील कुमार शर्मा बनाम भारत संघ (2005): न्यायालय ने धारा 498 के दुरुपयोग को 'कानूनी आतंकवाद' (Legal Terrorism) करार दिया। कोर्ट ने कहा कि कानून का उद्देश्य महिलाओं की रक्षा करना है, न कि निर्दोष पुरुषों को प्रताड़ित करना।

राजेश शर्मा बनाम उत्तर प्रदेश राज्य (2017): कोर्ट ने दहेज उत्पीड़न के मामलों की जांच के लिए हर जिले में परिवार कल्याण समितियों (Family Welfare Committees) के गठन का सुझाव दिया था, ताकि गिरफ्तारी से पहले मामले की सच्चाई जांची जा सके।

2. सांख्यिकीय डेटा (NCRB के अनुसार)

श्रेणी आंकड़े / विवरण

आत्महत्या दर– भारत में प्रतिवर्ष आत्महत्या करने वालों में लगभग 70% पुरुष होते हैं।

मुख्य कारण– पारिवारिक समस्याएँ और वैवाहिक विवाद पुरुषों में मानसिक तनाव के सबसे बड़े कारण पाए गए हैं।

झूठे मामले– एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार, 498ए के तहत दर्ज लगभग 10-12% मामले जांच के बाद 'झूठे या गलती' के रूप में पाए जाते हैं।

संतुलित दृष्टिकोण की आवश्यकता

इस विषय पर सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इसे पुरुष बनाम महिला के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। समाज में दोनों के अधिकार समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। यदि महिलाओं के लिए आयोग आवश्यक है, तो पुरुषों के लिए भी एक मंच होना चाहिए जहाँ वे अपनी समस्याएँ रख सकें। सही मायनों में एक ऐसा तंत्र विकसित होना चाहिए जहाँ किसी भी व्यक्ति के साथ अन्याय न हो, चाहे वह स्त्री हो या पुरुष। कानूनों का उद्देश्य न्याय होना चाहिए, न कि किसी एक पक्ष को अधिक शक्ति देना।

निष्कर्ष– पुरुष आयोग का गठन एक संवेदनशील और महत्वपूर्ण विषय है। यह न केवल पुरुषों के अधिकारों की रक्षा के लिए आवश्यक हो सकता है, बल्कि समाज में न्याय और समानता को बनाए रखने के लिए भी उपयोगी साबित हो सकता है। हालांकि, इसका गठन सोच-समझकर और संतुलित तरीके से किया जाना चाहिए ताकि किसी भी वर्ग के साथ अन्याय न हो।हाल ही में राज्यसभा में राष्ट्रीय पुरुष आयोग विधेयक, 2025 पेश किया गया है, जो इस दिशा में एक सकारात्मक कदम है। एक सभ्य समाज वही है जहाँ न्याय लिंग के आधार पर नहीं, बल्कि तथ्यों के आधार पर मिले। राष्ट्रीय पुरुष आयोग का गठन न केवल पुरुषों को सुरक्षा देगा, बल्कि भारतीय न्याय व्यवस्था के लैंगिक संतुलन को भी सुदृढ़ करेगा।

अंततः, एक स्वस्थ समाज वही होता है जहाँ स्त्री और पुरुष दोनों को समान सम्मान, अधिकार और न्याय मिले। पुरुष आयोग इसी दिशा में एक संभावित कदम हो सकता है।

–सुमित यादव, सहायक लेखा अधिकारी (ऑडिट), विद्युत विभाग, उदयपुर)

रेगिस्तान के जहाज "ऊँट" के संरक्षण और संवर्द्धन का प्रयास

रचना सिद्धा

> **वर्तमान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सरकार ने न केवल इस योजना के तहत सहायता राशि में वृद्धि कर दी, बल्कि इसके लिए पशुपालन विभाग में कई तरह के कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं**

राजस्थान का नाम लेते ही आंखों के सामने अपने आप ही ऊँटों की कतार का दृश्य सामने आ जाता है। ऊँट राजस्थान की संस्कृति का अभिन्न अंग हैं। ऊँट रेतीले प्रदेश में बहुत कम पानी में भी बहुत दिनों तक रह लेते हैं और लंबी दूरी तय कर लेते हैं इसीलिए इन्हें रेगिस्तान का जहाज कहा जाता है। पश्चिमी राजस्थान के रेतीले इलाकों में ऊँट न केवल आवागमन का बल्कि खेती का भी प्रमुख साधन रहे हैं। राजस्थान के इतिहास में ऊँटों की कई गौरव गाथाएं सुनने को मिलती हैं।

यही कारण है कि पश्चिमी राजस्थान के सामाजिक और आर्थिक व्यवस्था में ऊँटों का विशेष स्थान है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों से आवागमन की बढ़ती सुविधाओं और आधुनिक साधनों के कारण ऊँटों की इस क्षेत्र में उपयोगिता कम हो गई है। खेती में भी नए नए तरीके काम में लिए जाने लगे जिसकी वजह से राजस्थान में ऊँटों की स्थिति में ही नहीं बल्कि इनकी संख्या में भी लगातार गिरावट दर्ज की गई है। आंकड़ों के अनुसार वर्ष 1983 में ऊँटों की संख्या 7.56 लाख थी लेकिन कृषि एवं परिवहन में बढ़ते मशीनीकरण तथा ऊँटों की उपयोगिता में निरंतर आती कमी के कारण वर्ष 2019 में इनकी संख्या घटकर 2.13 लाख रह गई। इस दौरान राजस्थान ही नहीं पूरे देश में ऊँटों की संख्या में 37 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है।

पश्चिमी राजस्थान की आर्थिक व्यवस्था का आधार और इतिहास में अपनी गौरव गाथा दर्ज कराने वाले इस पशु को वर्तमान में संरक्षण और संवर्द्धन की आवश्यकता है। राज्य में ऊँटों की लगातार घटती संख्या को रोकने और ऊँट प्रजनन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इसके संरक्षण और संवर्द्धन के लिए तत्कालीन सरकार ने वर्ष 2014 में ऊँट को राज्य पशु घोषित करते हुए उष्ट्र संरक्षण योजना की शुरुआत की। वर्तमान में संवेदनशील मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सरकार ने न केवल इस योजना के तहत सहायता राशि में वृद्धि कर दी बल्कि इसके लिए पशुपालन विभाग में कई तरह के कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

उष्ट्र संरक्षण योजना: राज्य में उष्ट्र संरक्षण एवं विकास मिशन के तहत ऊँटों में प्रजनन को प्रोत्साहित किए जाने के उद्देश्य से उष्ट्र संरक्षण योजना संचालित की जा रही है। योजना के तहत ऊँटपालकों को टोडियों के जन्म पर दो किश्तों में कुल बीस हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि के रूप में आर्थिक सहायता ऊँट पालन के लिए दी जा रही है। पूर्व में यह राशि दस हजार रुपये थी। वर्तमान सरकार ने ऊँटों के संरक्षण और संवर्द्धन तथा ऊँटपालकों को ऊँटपालन के प्रति प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से यह राशि बढ़ाकर बीस हजार रुपये कर दी। एक वित्तीय वर्ष में एक जनाधार से अधिकतम पांच टोडियों के लिए यह प्रोत्साहन राशि दी जाती है।

राजस्थान का कोई भी मूल निवासी इस योजना का लाभ ले सकता है। आवेदक को टोडिया के जन्म से दो माह पूरे होने की अवधि में आई ओ एम एम एस पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। योग्य आवेदकों को प्रोत्साहन राशि दस हजार रुपये के दो किश्तों में उनके बैंक खाते में सीधे हस्तांतरित कर दी जाएगी। दूसरी किश्त टोडिया के एक साल की आयु पूर्ण कर लेने के बाद वेरिफिकेशन के पश्चात दी जाएगी जिसके लिए आवेदक को पुनः आवेदन करना होगा। आवेदन करते समय ऊँटपालकों को वांछित दस्तावेज देने जरूरी होंगे जिससे उन्हें प्रोत्साहन राशि बिना किसी रुकावट के समय पर मिल जाए। राज्य सरकार की इस योजना से ऊँटपालकों को आर्थिक संबल और प्रोत्साहन तो मिलेगा ही साथ ही निश्चित रूप से ऊँटों के संरक्षण और संवर्द्धन को नई दिशा मिलेगी।

वर्ष 2024-25 में 5963 ऊंटपालकों को 15 हजार 894 टोडियों के लिए 876.10 लाख रुपये की राशि का भुगतान किया गया। जबकि वर्ष 2025-26 में 6564 ऊंटपालकों को 18 हजार 862 टोडियों के लिए 1698.15 लाख रुपये की राशि का भुगतान किया गया है। जबकि वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 2हजार लाख रुपये का बजट प्रावधान प्रस्तावित किया गया है।

राजस्थान ऊंट अधिनियम: ऊंटों के अवैध परिवहन, तस्करी तथा उनके वध को रोकने के लिए राज्य में राजस्थान ऊंट (वध का प्रतिषेध और अस्थायी प्रवजन या निर्यात का विनियमन) अधिनियम 2015 तथा राजस्थान ऊंट (वध का प्रतिषेध और अस्थायी प्रवजन या निर्यात का विनियमन) नियम, 2025 प्रभावी है जिसके अंतर्गत ऊंट के वध को राज्य में प्रतिबंधित किया गया है तथा वध के प्रयोजन से राजस्थान से बाहर ले जाने पर भी रोक है। साथ ही ऊंटों को चराई, कृषि या डेयरी उद्योग अथवा किसी पशु मेले में भाग लेने के लिए सक्षम स्तर से परमिट लेकर ही राज्य से बाहर ले जाया जा सकता है।

ऊँट रोग निदान एवं उपचार शिविर का आयोजन: ऊँटों के स्वास्थ्य की दृष्टि से विशेष ऊंट रोग निदान एवं उपचार शिविरों का आयोजन प्रदेश भर में किया जाता है जिनमें ऊंटों में होने वाले रोगों का उपचार किया जाता है। ये शिविर प्रत्येक तिमाही पर यथासम्भव ऊंटपालकों के झुंड वाले स्थानों पर लगवाए जाते हैं। वर्ष 2025-26 में 542 शिविरों के माध्यम से 6316 ऊंटपालकों के 64 हजार 439 ऊंटों का उपचार किया किया गया।

मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा के तहत ऊंटों का बीमा: राज्य में मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के तहत प्रति ऊंट अधिकतम 40 हजार रुपये का बीमा निःशुल्क किया जाता है। एक जनाधार पर अधिकतम 10 ऊंटों का बीमा किया जाता है। अब तक 11 हजार 846 ऊंटपालकों के 18 हजार 448 ऊंटों का बीमा किया जा चुका है तथा ऊंटपालकों को मृत बीमित ऊंटों के लिए 118 लाख से अधिक की बीमा राशि का भुतान किया जा चुका है।

प्रतियोगिताओं का आयोजन: ऊंटों को आमजन में लोकप्रिय बनाने तथा ऊंटपालन को बढ़ावा दिए जाने के उद्देश्य से राजस्थान में प्रति वर्ष आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय एवं जिला स्तरीय पशु मेलों में ऊंटों से संबंधित विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। इनमें मुख्य रूप से उत्कृष्ट टोडिये का चयन, उन्नत नस्ल, ऊंट दौड़, ऊंटों की सजावट, ऊंट के दूध उत्पादन की प्रतियोगिता आदि उल्लेखनीय हैं।

इसके अलावा सरकार ऊँट अभ्यारण्य बनाने, ऊँटों के लिए पुनर्वास केंद्र बनाने, ऊंटों को पर्यटन से जोड़ने, राष्ट्रीय ऊँट पालक प्रशिक्षण संस्थान बनाने, ऊँट बाहुल्य क्षेत्रों में ऊँट शालाओं का संचालन करने जैसी कई योजनाओं पर भी विचार कर रही है जिससे ऊँटों के संरक्षण और संवर्द्धन को गति और दिशा मिल सकेगी।

राजस्थान में ऊँट पालन का सांस्कृतिक और आर्थिक महत्व अत्यधिक है। यह न केवल पारंपरिक जीवनशैली और सांस्कृतिक धरोहर का हिस्सा है, बल्कि ग्रामीण और आदिवासी समुदायों के लिए आर्थिक रूप से भी लाभकारी है। ऊँटों के संरक्षण और संवर्द्धन के लिए सरकार के इन प्रयासों से इस पारंपरिक व्यवसाय को मजबूती मिल सकती है और राजस्थान के विकास में इसका योगदान बढ़ सकता है साथ ही राज्य पशु की घटती संख्या पर भी नियंत्रण पाया जा सकता है।

–रचना सिद्धा,
सहायक जनसंपर्क अधिकारी

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 3 जून, 2026

द्वितीय ज्येष्ठ मास (अधिक), कृष्ण पक्ष, तृतीया तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2083, पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र रात्रि 1:00 तक, शुभ योग प्रात: 8:12 तक, वणिज करण प्रात: 8:12 तक, चन्द्रमा आज धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृष, चन्द्रमा-धनु, मंगल-मेष, बुध-मिथुन, गुरू-कर्क, शुक्र-मिथुन, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज राजयोग रात्रि 9:22 तक है। आज भद्रा प्रात: 8:12 से 9:22 तक रहेगी। आज अधिक मास चतुरथी व्रत है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ अमृत सूर्योदय से 9:01 तक, शुभ 10:43 से 12:25 तक, चर 3:49 से 5:31 तक, लाभ 5:31 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 5:37, सूर्यास्त 7:13

मेष
परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

वृष
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। मित्रों/रिश्तेदारों के साथ वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

मिथुन
परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
व्यक्तिगत परेशानियां दूर होने लगेंगी। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

सिंह
आज आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। आपसी ईर्ष्या-वैमनस्यता के कारण परेशानी हो सकती है। व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा।

कन्या
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में चल रहे आपसी मतभेद दूर होने लगेंगे।

वृश्चिक
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

धनु
घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। आज मन में असंतोष बना रहेगा।

कुंभ
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा।

मीन
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

अजेय कुमार को राजस्थान का संगठन महामंत्री बनाकर भाजपा ने खेला "मास्टरस्ट्रोक"

चंद्रशेखर मिश्रा को तेलंगाना भेजने के बाद पिछले ढाई साल से खाली पद था यह पद

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । करीब ढाई साल के लंबे समय के बाद भाजपा ने अजेय कुमार को राजस्थान का संगठन महामंत्री बनाकर "मास्टरस्ट्रोक" खेला है। इससे पहले यह जिम्मेदारी चंद्रशेखर मिश्रा के पास थी। उन्हें करीब ढाई वर्ष पूर्व तेलंगाना भेजे जाने के बाद से यह पद रिक्त था। इस दौरान संगठन महामंत्री की नियुक्ति को लेकर कई नाम चर्चा में आए, लेकिन फैसला टलता रहा। अब संघ और भाजपा नेतृत्व के बीच सहमति बनने के बाद अजेय कुमार के नाम पर अंतिम मुहर लगी है। बुधवार को दिल्ली में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने अजेय कुमार से मुलाकात की।

चर्चाएं है कि संघ के अनुभवी प्रचारक अजेय कुमार को यह जिम्मेदारी राजस्थान में हर 5-5 साल में सरकार बदले की परिपाटी पर ब्रेक लगाने के लिए सौंपी गई है। ज्ञात रहे कि अजेय कुमार वर्ष 2019 से उत्तराखंड में संगठन महामंत्री थे और उनके नेतृत्व में पार्टी ने वहां बूथ स्तर तक मजबूती भी हासिल की। उन्हें कुशल संगठनात्मक प्रबंधन, अनुशासन और कार्यकर्ताओं के साथ मजबूत संवाद के लिए पहचाना जाता हैं। अजेय कुमार को उत्तराखंड की जिम्मेदारी मिलने के बाद संगठन में अभूतपूर्व मजबूती देखने को मिली। इसी का परिणाम रहा कि उत्तराखंड में भाजपा ने इस परंपरा को तोड़ते हुए लगातार दूसरी बार सरकार बनाने का

संगठन महामंत्री अजेय कुमार

- चर्चाएं हैं कि, संघ के अनुभवी प्रचारक अजेय कुमार को यह जिम्मेदारी राजस्थान में हर 5-5 साल में सरकार बदले की परिपाटी पर ब्रेक लगाने के लिए सौंपी गई है।
- जानकारों की मानें तो अजेय कुमार वर्ष 2019 से उत्तराखंड में संगठन महामंत्री थे और उनके नेतृत्वमें पार्टी ने वहां बूथ स्तर तक मजबूती भी हासिल की
- राजस्थान में आगामी पंचायत और निकाय चुनावों से पहले पार्टी को बूथ स्तर तक मजबूत करना उनके लिए बड़ी चुनौती रहेगी

इतिहास रचा और उसके पश्चात प्रत्येक चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने प्रचंड बहुमत के साथ विजय प्राप्त की है। चाहे वो वर्ष 2022 का विधानसभा चुनाव हो, वर्ष 2024 का लोकसभा चुनाव हो, निकाय एवं पंचायत चुनाव हों या हाल ही में संपन्न सहकारिता चुनाव, प्रत्येक चुनाव में भाजपा ने उम्मीदों से कहीं बेहतर प्रदर्शन करते हुए एकतरफा जीत दर्ज की है। राजनीतिक विश्लेषकों को राजस्थान में उनकी नियुक्ति भी एक बड़े गेम चेंजर के रूप में नजर आ रही है।

जिस तरह उत्तराखंड में उन्होंने संगठन को मजबूती देकर सत्ता की पुनरावृत्ति का मार्ग प्रशस्त किया, उसी तर्ज पर अब राजस्थान में भी भाजपा हर पांच साल में सरकार बदलने की परिपाटी को समाप्त करने का प्लान पर कार्य करने वाली है।

राजस्थान जैसे बड़े और राजनीतिक रूप से संवेदनशील राज्य में उनकी नियुक्ति इस बात का भी संकेत है कि भाजपा अब केवल चुनाव जीतने की रणनीति पर नहीं, बल्कि स्थायी राजनीतिक पकड़ बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। राज्य में वर्षों से सत्ता परिवर्तन के इस चक्र को तोड़कर एक स्थिर शासन का मॉडल प्रस्तुत करना चाहती है। अजेय कुमार की कार्यशैली और उनके अनुभव का लाभ यदि राजस्थान में उसी तरह मिलता है, जैसा उत्तराखंड में मिला, तो यह राज्य की राजनीति में एक नए युग की शुरुआत हो सकती है। हालांकि अब राजस्थान में आगामी पंचायत और निकाय चुनावों से पहले पार्टी को बूथ स्तर तक मजबूत करना अजेय कुमार के लिए बड़ी चुनौती रहेगी।

गौरतलब है कि, भाजपा संगठन में आने से पहले वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्णकालिक प्रचारक रहे हैं। संघ में उन्होंने श्रीनगर नगर प्रचारक, हरिद्वार जिला प्रचारक, ऊधम सिंह नगर जिला प्रचारक और अल्मोड़ा विभाग प्रचारक जैसे महत्वपूर्ण दायित्व निभाए। संगठन में उनकी पहचान मेहनती, अनुशासित और परिणाम देने वाले कार्यकर्ता की रही है।

उत्तराखंड जाने से पहले अजेय कुमार पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मेरठ क्षेत्र में संगठन महामंत्री रहे। इस दौरान उन्होंने मेरठ, बिजनौर और मुरादाबाद सहित कई जिलों में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का कार्य किया। उनकी कार्यशैली का मुख्य आधार कार्यकर्ता आधारित संगठन निर्माण और जमीनी नेटवर्क को सशक्त करना माना जाता है। अजेय कुमार 2023 के विधानसभा चुनाव में पूर्वी राजस्थान के जिलों की चुनावी कमान संभाली थी। गत 14 सितंबर 2019 को तत्कालीन भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह की मंजूरी के बाद उन्हें उत्तराखंड भाजपा का प्रदेश महामंत्री (संगठन) बनाया गया था।

संगठन में अजेय कुमार की छवि एक शांत, संयमित और रणनीतिक सोच वाले नेता की रही है। उन्हें भाजपा के राष्ट्रीय सह महामंत्री (संगठन) शिव प्रकाश का करीबी माना जाता है। संघ और भाजपा दोनों संगठनों में लंबे अनुभव के कारण उन्हें राजस्थान जैसे राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राज्य की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

हालांकि राजस्थान भाजपा के नए संगठन महामंत्री अजेय कुमार के सामने कई अहम चुनौतियां होंगी। पंचायत और नगरीय निकाय चुनावों की तैयारी, बूथ समितियों को सक्रिय करना, कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना और संगठन को गांव-ढाणी स्तर तक मजबूत बनाना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा ने आगामी चुनावी तैयारियों को ध्यान में रखते हुए संगठनात्मक अनुभव और संघ पृष्ठभूमि वाले चेहरे को जिम्मेदारी देकर स्पष्ट संदेश दिया है कि पार्टी अब जमीनी स्तर पर संगठन को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में तेजी से काम करेगी।

अजेय कुमार की नियुक्ति को राजस्थान भाजपा के लिए एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बदलाव और नई ऊर्जा के रूप में देखा जा रहा है।

कांस्टेबल भर्ती परीक्षा-2017 के पेपर लीक मामले में मुख्य आरोपी गिरफ्तार

परीक्षा केन्द्र पर सांठगांठ कर रिमोट एक्सेस से पेपर हल करवाता था बदमाश

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा-2017 में ऑनलाइन परीक्षा प्रणाली से छेड़छाड़ कर अभ्यर्थियों को अनुचित लाभ पहुंचाने वाले हाईटेक नकल गिरोह के खिलाफ स्पेशल ऑपरेशन्स ग्रुप (एसओजी) ने कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपित कानाराम निवासी को गिरफ्तार किया है। आरोपित पर परीक्षा केंद्र पर सांठगांठ कर रिमोट एक्सेस तकनीक के जरिए परीक्षार्थियों के प्रश्न पत्र हल करवाने का आरोप है। इस मामले में अब तक कुल 34 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। फिलहाल गिरफ्तार आरोपित से एसओजी की टीम पूछताछ करने में जुटी है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक पुलिस (एसओजी) विशाल बंसल ने बताया कि वर्ष 2018 में राजस्थान पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा-2017 कंप्यूटर आधारित प्रणाली से आयोजित की गई थी। परीक्षा संचालन की जिम्मेदारी एपटेक कंपनी को दी गई थी। 12 मार्च 2018 को एपटेक कंपनी के कर्मचारी रोहन कपूर ने एसओजी थाने में परीक्षा में गडबडी और कंप्यूटर हैकिंग का मामला दर्ज कराया था। जहां एसओजी की जांच में सामने आया कि जयपुर स्थित सरस्वती इन्फोटेक परीक्षा केंद्र के संचालकों और अन्य आरोपितों ने मिलकर संगठित गिरोह बनाया था। गिरोह ने चुनिंदा अभ्यर्थियों को लाभ

आरोपी कानाराम

- इस मामले में एसओजी अब तक 34 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी

पहुंचाने के लिए परीक्षा केंद्र के कंप्यूटर सिस्टम में रिमोट एक्सेस सॉफ्टवेयर के माध्यम से अवैध हस्तक्षेप किया।

वहीं जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों से खुलासा हुआ कि 9 मार्च 2018 को परीक्षा की दूसरी पारी में लाभार्थी अभ्यर्थी हीरालाल को पहले सीट नंबर 53 पर बैठाया गया था। बाद में आरोपित विकास और अमोल महाजन ने उसे उसकी निर्धारित सीट से हटाकर सीट नंबर 66 पर स्थानांतरित कर दिया। जहां सीट नंबर 66 पर मौजूद कंप्यूटर को आरोपित अमोल महाजन ने लॉगऑफ और पुन: लॉग ऑन करने के बाद पेन ड्राइव की सहायता से डार्क कॉमेट नामक रिमोट एक्सेस सॉफ्टवेयर इंस्टॉल किया। इस सॉफ्टवेयर के जरिए कंप्यूटर का नियंत्रण परीक्षा केंद्र से बाहर बैठे गिरोह के सदस्यों को सौंप दिया गया।

जांच में सामने आया कि जयपुर स्थित किंग विंग बिल्डिंग के कमरा नंबर 204 से बैठे आरोपियों ने रिमोट एक्सेस के माध्यम से अभ्यर्थी हीरालाल का पूरा प्रश्न पत्र ऑनलाइन हल किया और उसे अनुचित लाभ पहुंचाया।

एसओजी के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी कानाराम इस पूरे नेटवर्क का महत्वपूर्ण सदस्य था। उसने परीक्षा केंद्र पर व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर लाभार्थी अभ्यर्थी को गिरोह से जोड़ने और पूरी प्रक्रिया को अंजाम देने में अहम भूमिका निभाई थी। एसओजी अब आरोपी कानाराम से गहन पूछताछ कर रही है। अधिकारियों का मानना है कि पूछताछ में गिरोह के अन्य सदस्यों, आर्थिक लेन-देन, परीक्षा में लाभ पाने वाले अन्य अभ्यर्थियों तथा नेटवर्क से जुड़े लोगों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आ सकती हैं। एसओजी अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच जारी है और पेपर लीक एवं ऑनलाइन परीक्षा में धांधली से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश भी की जा रही है।

झूठी रिपोर्ट दर्ज कराने पर पूर्व विधायक परम नवदीप सिंह के खिलाफ प्रसंज्ञान

अदालत ने मामले को आपराधिक तौर पर दर्ज करने के निर्देश दिए हैं

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम-7 महानगर द्वितीय ने पुलिस में गलत तथ्यों पर रिपोर्ट दर्ज कराने के आरोप में पूर्व विधायक परम नवदीप सिंह के खिलाफ प्रसंज्ञान लेते हुए मामले को आपराधिक तौर पर दर्ज करने के लिए कहा है। इसके साथ ही अदालत ने परम नवदीप को समन जारी कर 24 जुलाई को तलब किया है। अदालत ने यह आदेश अभियोजन अधिकारी की ओर से पेश परिवाद पर दिए।मामले के अनुसार अभियोजन की

- साथ ही कोर्ट ने परम नवदीप को समन जारी कर 24 जुलाई को तलब किया है

ओर से परम नवदीप बनाम सरकार मामले में कोर्ट के 17 अप्रैल 2026 के आदेश और पुलिस की एफआर रिपोर्ट पेश की गई। कोर्ट ने 17 अप्रैल के आदेश में कहा था कि परिवादी परम नवदीप सिंह ने मुख्तयार सिंह के खिलाफ बनीपार्क पुलिस थाने में धोखाधड़ी व फर्जी दस्तावेज की एफआईआर दर्ज कराई थी, लेकिन उसकी एफआईआर में आरोपी के खिलाफ प्रसंज्ञान लेने का आधार ही नहीं था।

वहीं पुलिस ने भी अपनी एफआर में मामले को झूठा बताकर परिवादी के खिलाफ ही आईपीसी की धारा 182 व 211 के तहत कोर्ट से कार्रवाई का आग्रह किया। जिस पर कोर्ट ने कहा कि मौजूदा समय में झूठे केस दर्ज कराने की घटनाएं बढ़ रही हैं। ऐसे में अभियोजन परिवादी के खिलाफ कार्रवाई के लिए स्वतंत्र है। कोर्ट के आदेश के बाद अभियोजन अधिकारी ने परम नवदीप के खिलाफ झूठे तथ्यों पर रिपोर्ट दर्ज कराने के संबंध में कोर्ट में इस्तगासा दायर किया था।

जानकारी के अनुसार परम नवदीप सिंह ने बनीपार्क पुलिस थाने में 12 जनवरी 2021 को दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा था कि मुख्तयार सिंह ने बनीपार्क स्थित 2000 वर्गगज के मकान संख्या डी-86 को हड़पन के लिए और उसे नुकसान पहुंचाने के लिए उसके पिता की फर्जी व बनावटी वसीयत बनाकर उसका इस्तेमाल किया है। इसलिए मामले में कार्रवाई की जाए।

137 सड़क निर्माण कार्यों के लिए 882 करोड़ रु. मंजूर

जयपुर । राज्य सरकार ने विभिन्न जिलों में 137 सड़क निर्माण एवं सुदृढ़ीकरण कार्यों के लिए 882.54 करोड़ रुपये की वित्तीय सहमति प्रदान की है। इनके लिए जल्द ही निविदा प्रक्रिया प्रारम्भ की जाएगी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा के अनुसार बजट घोषणाओं को धरातल पर उतारा जा रहा है। मंजूरी के अनुसार फलौदी, जोधपुर, ब्यावर, अलवर, बाड़मेर, बालोतरा, दौसा, डूंगरपुर, हनुमानगढ़, झुंझुनूं, करौली, नागौर, पाली, सवाई माधोपुर, सीकर, सलूम्बर, चूरू, डीडवाना-कुचामन, जालोर, बारां, श्रीगंगानगर, झालावाड़, जयपुर, भरतपुर, प्रतापगढ़, बांसवाड़ा, खैरथल-तिजारा, कोटपूतली-बहरोड़ और धौलपुर में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार को नई गति मिलेगी।

उद्योगों की सरकारी अनुमति और प्रक्रियाओं को सरल बनाने पर चर्चा

उन्होंने संबंधित विभागों का 20 जून तक कार्य पूरा करने के दिए निर्देश

जयपुर (कासं)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने मंगलवार को सचिवालय में 'कंप्लायंस रिडक्शन एंड डी-रेगुलेशन फेज-2' की समीक्षा की। उन्होंने चिकित्सा-स्वास्थ्य, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, राजस्व, वन एवं पर्यावरण, शहरी विकास, श्रम, विधिक माप विज्ञान, न्याय और उद्योग विभाग को संबंधित कार्य 20 जून तक संपन्न कर पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिए। बैठक में इन विभागों में किए जाने वाले सुधारों पर विस्तृत चर्चा की गई।

मुख्य सचिव ने बताया कि राज्य में व्यापार में सुगमता और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल बनाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे 'कंप्लायंस रिडक्शन एंड डी-रेगुलेशन फेज-2' के तहत 16 विभागों से जुड़े कुल 28 प्राथमिकता क्षेत्र निर्धारित किए गए हैं।

इसमें भूमि उपयोग, भवन एवं निर्माण, यूटिलिटीज़ और विभिन्न अनुमतियां, विद्युत, पर्यावरण, पर्यटन, शिक्षा, स्वास्थ्य से जुड़े उद्योग स्थापित

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने मंगलवार को सचिवालय में कंप्लायंस रिडक्शन एंड डी-रेगुलेशन फेज-2 की समीक्षा बैठक ली।

करने से जुड़ी प्रक्रियाओं को और अधिक सरल बनाने पर जोर दिया गया है।उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस) शिखर अग्रवाल ने बैठक में बताया कि भारत सरकार द्वारा निर्धारित कुल 28 क्षेत्रों में से 8 को राज्य में लागू कर दिया गया है, जिसमें ऊर्जा, उच्च शिक्षा, स्कूल शिक्षा और उद्योग विभाग, रीको, बीआईपी तथा प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड शामिल हैं। साथ ही, 15 क्षेत्रों के लिए एक्शन प्लान बना लिया गया है, जिसमें 5 क्रियान्वित हो चुके हैं और 10 क्रियान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं। इन सुधारों से व्यवसायों को बार-बार अनुमति लेने, दस्तावेज़ जमा करने और निरीक्षण संबंधी जटिलताओं से राहत मिलेगी। इससे विशेष रूप से स्टार्टअप्स, एमएसएमई और नए उद्यिमयों को लाभ होगा तथा उनके समय, लागत और संसाधनों की बचत सुनिश्चित हो सकेगी। बैठक में संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन में 90 करोड़ 'आभा' खातों का रिकॉर्ड बना

जयपुर । आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन में 90 करोड़ 'आभा' खातों का ऐतिहासिक रिकॉर्ड बना है। राजस्थान ने इसमें से करीब 7 करोड़ 19 लाख खातों के साथ देश में दूसरे स्थान प्राप्त किया है। ज्ञात रहे कि मरीजों का डेटा यूनिक हैल्थ आभा आईडी के माध्यम से संधारित किया जा रहा है, जिससे प्रदेश के अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त करना आसान हुआ है और लोगों को अपना हैल्थ रिकॉर्ड मोबाइल पर उपलब्ध भी हो रहा है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक गत 5 वर्षों में आभा खाते बनाने में लगातार बढ़ोतरी हुई है। वर्ष 2021 में आभा आई की संख्या 14.7 करोड़ से बढकर 2022 में 30.4 करोड़, 2023 में 50.6 करोड़, 2024 में 72.2 करोड़ और 2025 में 84.5 करोड़ दर्ज हुई थी। उल्लेखनीय है कि आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन एक ऐसा प्लेटफॉर्म है, जहां मरीज, डॉक्टर और अस्पताल एक-दूसरे से डिजिटल रूप से जुड़े होते हैं। योजना के तहत पंजीकृत नागरिक की एक 14 अंकों की यूनिक आभा हैल्थ आईडी बनती है, जो रोगी की पहचान और मेडिकल रिकॉर्ड का आधार होती है। सभी लैब रिपोर्ट्स दवाइयों के पर्चे और पुरानी बीमारियों का डेटा इस आईडी में सुरक्षित रहता है, जिससे कागजों को साथ रखने की जरूरत खत्म हो जाती है। रोगी का पूरा डेटा सुरक्षित होता है और उसकी अनुमति के बिना कोई भी डॉक्टर या अस्पताल इसे नहीं देख सकता। इससे डॉक्टरों को मरीज की पुरानी मेडिकल हिस्ट्री समझने में आसानी होती है, जिससे सही समय पर सही इलाज मिल पाता है। इस तकनीकी नवाचार में आईएचएमएस की महत्वपूर्ण भूमिका है।

वीजा खत्म होने के बाद रह रहे दो विदेशी छात्रों को एनडीपीएस केस में जमानत नहीं

अदालत ने कहा कि ऐसे ही एक मामले में पूर्व में विदेशी नागरिक को जमानत दी गई थी, लेकिन वह निचली कोर्ट में पेश ही नहीं हुआ

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने वीजा अवधि पूरी होने के बाद अवैध रूप से रह रहे दो विदेशी छात्रों को मादक पदार्थ रखने के मामले में जमानत देने से इनकार कर दिया है। अदालत ने कहा कि ऐसे ही एक मामले में पूर्व में विदेशी नागरिक को जमानत दी गई थी, लेकिन वह जमानत मिलने के बाद निचली अदालत में पेश ही नहीं हुआ। इसके अलावा विदेशी नागरिकों के फरार होने की आशंका अधिक रहती है। जस्टिस रवि चिरानिया की एकलपीठ ने यह आदेश केन्या निवासी मागरिट काजुग व तंजानिया निवासी यूडो कोम्बा की जमानत याचिकाओं को खारिज करते हुए दिए।

जमानत याचिकाओं में कहा गया कि वे छात्र वीजा पर भारत आए थे और फिलहाल राजस्थान विश्वविद्यालय में

- सुनवाई के दौरान विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय के अधिकारी ने अदालत को बताया कि प्रदेश में करीब 15 हजार विदेशी अवैध रूप से रह रहे हैं और उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

अध्ययनरत हैं। पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर 3.94 ग्राम कोकीन बरामद की है, जबकि एनडीपीएस कानून के तहत कोकीन की व्यावसायिक मात्रा 100 ग्राम तय है। इसके अलावा याचिकाकर्ताओं का कोई आपराधिक इतिहास भी नहीं है। ऐसे में उन्हें जमानत दी जाए। जिसका विरोध करते हुए केन्द्र सरकार की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल भरत व्यास ने कहा कि एक ओर वे भारत में अवैध रूप से रह रहे थे और वीजा अवधि बढ़ाने के लिए भी कोई प्रक्रिया नहीं अपनाई थी। वहीं दूसरी ओर उनसे मादक पदार्थ बरामद हुआ है। ऐसे में उन्हें जमानत नहीं दी जा सकती। सुनवाई के दौरान विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय के अधिकारी ने अदालत को बताया कि प्रदेश में करीब 15 हजार विदेशी अवैध रूप से रह रहे हैं और उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने आरोपियों को जमानत पर रिहा करने से इनकार कर दिया है।

नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म करने वाले को सजा

जयपुर । पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-1, महानगर द्वितीय ने नाबालिग का अपहरण कर उसके साथ कई दिनों तक दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त शहनवाज अंसारी को बीस साल की कठोर सजा से दंडित किया है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर 1.16 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी विकास कुमार खंडेलवाल ने अपने आदेश में कहा कि इस तरह की घटनाएं दिन-प्रतिदिन बढ रही हैं। यदि ऐसे अभियुक्तों के प्रति सहानुभूति बरती गई तो इससे अपराधियों के हौसले बुलंद होंगे।अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक मातादीन शर्मा ने अदालत को बताया कि घटना को लेकर पीडिता की मां ने 7 मई, 2022 को करधनी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

जयपुर में स्पा सेंटर्स पर पुलिस ने छापेमारी की

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर में स्पा और मसाज सेंटर्स की आड़ में संचालित अनैतिक गतिविधियों पर बुधवार को पुलिस ने शिकंजा कसा। चित्रकूट इलाके में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 4 स्पा संचालकों को गिरफ्तार किया, वहीं जवाहर सर्किल क्षेत्र में स्पा सेंटर से 40 युवक-युवतियां भी गिरफ्तार किए गए।

पुलिस उपायुक्त (जयपुर पश्चिम) प्रशांत किरण ने बताया कि पुलिस टीम ने चित्रकूट क्षेत्र में संचालित संदिग्ध स्पा सेंटर्स पर दबिश देकर चार संचालकों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में गोविंद नगर मोड़ स्थित लक्की स्टार स्पा सेंटर का संचालक भीमराज उर्फ राज मीणा (35) निवासी जलोई, कालवाड़, विक्रम मान (47) निवासी श्रीराम नगर झोटवाड़ा, दा लीफ स्पा सेंटर का संचालक चेतन शर्मा (26) निवासी गणेश नगर विस्तार निवारू रोड तथा रिलैक्स इन स्पा सेंटर का संचालक प्रकाश जांगिड़ (41) निवासी खुड़ी, लक्ष्मणगढ़ (सीकर) शामिल हैं।

इसी प्रकार जवाहर सर्किल थानाधिकारी महेश चंद्र गुर्जर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने विभिन्न स्पा सेंटर्स और मसाज पार्लरों पर सघन जांच और छापेमारी की। पुलिस ने मौके से 40 युवक-युवतियों को हिरासत में लेकर गिरफ्तार किया तथा संदिग्ध गतिविधियों से जुड़े साक्ष्य भी जुटाए हैं। पुलिस अब गिरफ्तार लोगों और पार्लर संचालकों से पूछताछ कर पूरे नेटवर्क की जांच में जुटी है।

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी मंगलवार को देहरादून पहुंचे। जहां उन्होंने उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष रितु खंडूरी भूषण से शिष्टाचार भेंट की। मुख्यमंत्री धामी ने देवनानी का पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया। देवनानी ने उन्हें राजस्थान विधानसभा में किए गये नवाचारों पर आधारित पुस्तक की प्रति भेंट की, जिसे धामी ने सराहा।

मेगा नाकाबंदी : एक ही दिन में 15 हजार से अधिक चालान काटे

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान पुलिस ने अपराध नियंत्रण,असामाजिक तत्वों पर शिकंजा कसने और यातायात नियमों की कडाई से पालना सुनिश्चित करने के लिए पूरे प्रदेश में व्यापक नाकाबंदी अभियान चलाया गया। जहां एक ही दिन में 15 हजार से अधिक चालान कर 25.50 लाख की नगदी और अवैध हथियार बरामद किए है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (लॉ एंड ऑर्डर) वीके सिंह ने बताया कि इस अभियान के दौरान राज्य के सभी रेंज और कमिश्नरेट क्षेत्रों में कुल 1103 नाकाबंदी पॉइंट स्थापित किए गए। पुलिस टीमों ने मुस्तैदी दिखाते हुए कुल 39 हजार 984 दुपहिया और 34 हजार 888 चौपहिया वाहनों की सघन चेकिंग की जबकि 226 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। एडीजी सिंह ने बताया कि विशेष अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए कुल 15083 चालान बनाए गए। इनमें बिना हेलमेट वाहन

चलाने वाले 3234, बिना सीट बेल्ट 1648, मोबाइल फोन पर बात करते हुए वाहन चलाने वाले 184, नंबर प्लेट संबंधी नियमों का उल्लंघन करने वाले 1 जार 653, काली फिल्म लगे वाहनों के 1643 तथा अन्य श्रेणियों में 6433 चालान शामिल हैं। शराब पीकर वाहन चलाने वाले 385 वाहन चालकों के विरुद्ध भी कार्रवाई की गई।यातायात चेकिंग के साथ-साथ पुलिस ने संदिग्ध गतिविधियों पर भी कडी नजर रखी गई। जिसके परिणाम स्वरूप 11 वाहन जब्त किए गए तथा 73 प्रकरण दर्ज किए गए। जिनमें आर्म्स एक्ट के 4, आबकारी अधिनियम के 30,

- वाहनों से 25.50 लाख की नगदी और अवैध हथियार बरामद
- प्रदेश में 1103 पॉइंट्स पर तैनात रही पुलिस, 74 हजार वाहन जांचे
- शराब पीकर वाहन चलाने वाले 385 चालकों पर गिरी गाज

एनडीपीएस एक्ट के 2 तथा अन्य विशेष एवं स्थानीय कानूनों के 37 मामले शामिल हैं। इस अभियान के दौरान दर्ज प्रकरणों में 63 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर 163 व्यक्तियों को बीएनएस की धारा 170 के तहत गिरफ्तार किया गया।जांच और धरपकड के दौरान कई महत्वपूर्ण बरामदगियां भी हुईं। जयपुर रेंज में पांच वाहन और 25.50 लाख रुपये की नकदी जब्त की गई। भरतपुर रेंज में अवैध रेत परिवहन में प्रयुक्त ट्रैक्टर तथा बड़ी मात्रा में देशी शराब पकड़ी गई। कोटा रेंज में अवैध शराब, डोडा चूरा, वाहन और स्पीकर एम्प्लीफायर जब्त किए गए। बीकानेर रेंज में अवैध शराब और वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई की गई।एडीजी सिंह ने बताया कि नाकाबंदी अभियान में जयपुर रेंज सबसे आगे रही।

जहां 2 हजार 492 चालान बनाए गए। इसके बाद अजमेर रेंज में 2 हजार 229, भरतपुर रेंज में 2 हजार 145, उदयपुर रेंज में 2 हजार 51, कोटा रेंज में 1 हजार 796, बीकानेर रेंज में 1 हजार 572 तथा जोधपुर रेंज में 1 हजार 470 चालान बनाए गए। जयपुर और जोधपुर पुलिस कमिश्नरेट क्षेत्रों में क्रमश: 990 और 338 चालान किए गए। इसके अलावा वाहन जांच के मामले में भी जयपुर रेंज अग्रणी रही। जहां 13 हजार 589 वाहनों की जांच की गई। उदयपुर रेंज में 12 हजार 234, अजमेर में 10 हजार 205, भरतपुर में 9 हजार 081 तथा जोधपुर रेंज में 8 हजार 79 वाहनों की जांच की गई।

मनोहरपुर में भाजपा नेता की गला रेतकर हत्या, कबाड़ गोदाम में मिला शव

भाजपा अनु.जाति मोर्चा के पूर्व मंडल अध्यक्ष एवं सामाजिक कार्यकर्ता थे रामवतार असवाल

जयपुर/मनोहरपुर। जयपुर ग्रामीण जिले के मनोहरपुर थाना क्षेत्र में भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के पूर्व मंडल अध्यक्ष एवं स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता रामवतार असवाल उर्फ पप्पू की निर्मम हत्या से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। अज्ञात बदमाशों ने धारदार हथियार से गला रेतकर वारदात को अंजाम दिया। सोमवार देर रात वे मनोहरपुर बस स्टैंड के समीप स्थित अपने कबाड़ गोदाम में गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिले, जहां से उन्हें निम्स अस्पताल ले जाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रणवीर सिंह ने बताया कि मनोहरपुर निवासी रामवतार असवाल (52) कबाड़ व्यवसाय से जुड़े हुए थे और भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा में सक्रिय भूमिका निभा चुके थे। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि सोमवार शाम करीब 7.30 बजे एक व्यक्ति उनके गोदाम पर आया था। आशंका है कि उसी दौरान धारदार हथियार से हमला कर उनकी हत्या की गई। काफी देर तक घर नहीं लौटने पर परिजन गोदाम पहुंचे, जहां रामवतार खून से लथपथ पड़े मिले। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी। पुलिस का कहना है कि मृतक ने हमलावर से बचाव का प्रयास किया था, जिसके चलते उनकी कलाई पर भी गहरा घाव मिला है। वहीं इधर घटना की सूचना मिलते ही पूरे मनोहरपुर क्षेत्र में शोक और आक्रोश फैल गया। बड़ी संख्या में ग्रामीण, परिजन और भाजपा कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए। देर रात करीब 12.30 बजे एफएसएल टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने गोदाम और आसपास के क्षेत्रों को घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी है। साथ ही आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है तथा संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की जा रही है। फिलहाल हत्या के पीछे के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है।

इधर हत्या से आक्रोशित परिजन और ग्रामीण मंगलवार सुबह मनोहरपुर थाने के बाहर धरने पर बैठ गए। प्रदर्शनकारियों ने हत्यारों की शीघ्र

रामावतार असवाल

- प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि सोमवार शाम एक व्यक्ति उनके गोदाम पर आया था, आशंका है कि उसी दौरान धारदार हथियार से हमला कर हत्या की गई
- आक्रोशित परिजन और ग्रामीणों ने थाने के बाहर धरना देकर हत्यारों की शीघ्र गिरफ्तारी, एक करोड़ का मुआवजा तथा एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग रखी

गिरफ्तारी, मृतक के परिवार को एक करोड़ रुपए का मुआवजा तथा परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग रखी। परिजनों ने चेतावनी दी कि आरोपियों की गिरफ्तारी तक आंदोलन जारी रहेगा। धरने में शाहपुरा विधायक मनीष यादव, पूर्व विधायक आलोक बेनीवाल, भाजपा नेता उपेन यादव, दिगराज सिंह, प्रवीण व्यास, महेंद्र चौधरी और राजेश जांगिड़ सहित कई जनप्रतिनिधि भी पहुंचे और प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की मांग की।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मनोहरपुर कस्बे और थाने के बाहर भारी पुलिस बल तैनात किया गया। एसडीएम संजीव कुमार खेदड़, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रणवीर सिंह, डीएसपी रामावतार तथा थानाधिकारी सुरेंद्र सिंह ने प्रदर्शनकारियों से वार्ता कर समझाइश का प्रयास किया।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रणवीर सिंह ने बताया कि मामले की जांच के लिए चार विशेष टीमें गठित की गई हैं। पुलिस विभिन्न पहलुओं पर जांच कर रही है। प्रारंभिक जांच में आपसी रंजिश का एंगल सामने आया है, हालांकि हत्या के वास्तविक कारणों का खुलासा अभी नहीं हुआ है। पुलिस मृतक के मोबाइल की कॉल डिटेल्स, हालिया गतिविधियों और संभावित विवादों की भी जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही मामले का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा। इस हत्याकांड के बाद पूरे मनोहरपुर क्षेत्र में तनाव का माहौल बना हुआ है, जबकि ग्रामीण और परिजन न्याय की मांग को लेकर आंदोलन पर डटे हुए हैं।

जोधपुर : मंडोर पार्क हादसे पर बाल कल्याण समिति ने संज्ञान लिया

सुरक्षा खामियां दूर होने तक टॉय ट्रेन संचालन रोकने के निर्देश दिये

जोधपुर, (कासं)। जिले में देखरेख एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों के मामलों की जांच एवं निपटान के लिए गठित बाल कल्याण समिति, जोधपुर ने मंडोर उद्यान में हुई टॉय ट्रेन से मासूम की मौत की घटना का संज्ञान लेते हुए मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। समिति की टीम जिला बाल संरक्षण इकाई के अधिकारियों के साथ घटनास्थल पहुंची और पूरे प्रकरण का अवलोकन किया। समिति ने दर्ज एफआईआर के संबंध में जांच अधिकारी से घटना की जानकारी प्राप्त की तथा निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करते हुए दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष विक्रम चेतन सरगरा ने बताया कि मौके पर संचालित टॉय ट्रेन का निरीक्षण किया गया, जिसमें सुरक्षा की दृष्टि से कई गंभीर कमियां पाई गई। समिति ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जब तक चिन्हित कमियों को दूर नहीं किया जाता, तब तक टॉय ट्रेन का संचालन बंद रखा जाए, ताकि भविष्य में ऐसी दुखद घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। निरीक्षण के दौरान समिति सदस्य बबीता शर्मा, जय भाटी, गंगाराम देवासी, अनिल मरवण तथा जिला बाल संरक्षण इकाई से भजनलाल विश्नोई उपस्थित रहे। समिति ने बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक सुधारात्मक कदम शीघ्र उठाने के निर्देश दिए।

- मौके पर संचालित टॉय ट्रेन के निरीक्षण में सुरक्षा की दृष्टि से कई कमियां पाई गई
- गत दिनों टॉय ट्रेन से हुये हादसे में एक मासूम की मौत व एक युवती घायल हो गई थी

जानकारी के अनुसार बंबा निवासी मोहम्मद हबीब अपने परिवार के साथ रविवार शाम को मंडोर उद्यान घूमने गया था। वहां वह टॉय ट्रेन में परिवार सहित बैठा था। इस दौरान ड्राइवर ट्रेन को बेहद तेज गति से चला रहा था और इसी दौरान उसने अचानक तेजी से ब्रेक लगा दिया। ब्रेक का झटका इतना तेज था कि ट्रेन में बैठी मोहम्मद हबीब की पांच साल की मासूम बच्ची उछलकर बाहर जा गिरी। इससे पहले कि कोई कुछ समझ पाता, बच्ची टॉय ट्रेन के चक्कों के नीचे आ गई। इसके साथ ही बड़े भाई अय्यूब की बेटी मुस्कान भी घायल हो गई। उन्हें घायलावस्था में मथुरादास माथुर अस्पताल ले जाया गया, जहां बच्ची को मृत घोषित कर दिया गया। वहीं घायल युवती का फिलहाल इलाज चल रहा है। इस घोर लापरवाही को लेकर मृतका के पिता ने स्थानीय पुलिस थाने में टॉय ट्रेन ड्राइवर के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई है। परिजनों का आरोप है कि ड्राइवर की लापरवाही और तेज गति से ट्रेन चलाने के कारण ही उनकी बेटी की जान गई है और एक अन्य युवती अस्पताल पहुंच गई।

रिपोर्ट में बच्ची के पिता मोहम्मद हबीब ने बताया कि हादसे के दौरान ट्रेन में पत्नी अफसाना और भाभी शहनाज भी थी। बच्ची के गिरते ही वे दोनों भी चिल्लाने लगी और टॉय ट्रेन को रोकने के लिए कहा। परिवार के लोग चिल्लाते रहे, लेकिन इसके बाद भी टॉय ट्रेन को नहीं रोका, जिससे उनकी बच्ची की मौत हो गई। पिता का आरोप है कि टिकट लेने से पहले भी ट्रेन खराब होने को लेकर टोका था, लेकिन ये कहकर टाल दिया कि हम लोगों का दिन-रात का काम है। आप बेफिक्र होकर बैठो। इसके बाद ये हादसा हो गया।

श्रीगंगानगर के रिडमलसर में 50 हजार की रिश्वत लेते पटवारी गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। एंटी करप्शन ब्यूरो की स्पेशल यूनिट बीकानेर ने श्रीगंगानगर जिले के रिडमलसर में राजस्व पटवारी को रंगे हाथों रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। पटवारी ने संयुक्त खाता बंटवाने के एवज में परिवादी से 1 लाख रुपए की रिश्वत मांगी थी, जिसमें से 50 हजार रुपए की पहली किश्त लेते हुए उसे एबीसी टीम ने ट्रैप कर लिया।

आरोपी पटवारी अंकुश कुमार (31) निवासी 8 ईईए, पदमपुर (श्रीगंगानगर) का रहने वाला है। वह वर्तमान में पटवार हल्का 68 एलएनपी, रिडमलसर तहसील पदमपुर में तैनात था। एसीबी के एसआई इंद्र कुमार ने बताया कि शिकायतकर्ता सुखदेव सिंह

आरोपी पटवारी

ने एबीसी को शिकायत दी थी कि पटवारी अंकुश कुमार उनकी चक 68 एलएनपी स्थित मुरब्बा 35 के संयुक्त खाते को अलग-अलग खातों में बंटवाने के लिए 1 लाख रुपए रिश्वत मांग रहा है। पटवारी ने सौदेबाजी के बाद पहली किश्त के रूप में 50 हजार रुपए लेने के लिए उपतहसील रिडमलसर में परिवादी को बुलाया।

- पटवारी ने संयुक्त खाता बंटवाने के एवज में परिवादी से एक लाख रुपए की रिश्वत मांगी थी
- एसीबी टीम ने पूरे मामले का वीडियो रिकॉर्डिंग समेत मजबूत सबूत जुटाए हैं

जैसे ही अंकुश कुमार रिश्वत की रकम परिवादी से लेने लगा तो एसीबी ने उसे ट्रैप कर लिया। यह कार्यवाही उपतहसील रिडमलसर में की गई। एसीबी टीम ने पूरे मामले का वीडियो रिकॉर्डिंग समेत मजबूत सबूत जुटाए हैं। इंद्र कुमार ने बताया कि एसीबी लगातार राजस्व विभाग में चल रही रिश्वतखोरी पर शिकंजा कस रही है। इस मामले में अंकुश कुमार के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

बालोतरा में चिंकारा शिकार प्रकरण का खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार

सभी को न्यायिक अभिरक्षा में भिजवाया, एक अन्य की तलाश जारी

बालोतरा, (निसं)। वन विभाग ने सोशल मीडिया पर वायरल हुए चिंकारा शिकार के एक मामले का त्वरित खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भिजवा दिया है। मामले में एक अन्य आरोपी की तलाश जारी है।

उप वन संरक्षक सविता दहिया ने बताया कि गत 26 मई को सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें रेंज बालोतरा के नाका कल्याणपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम ग्वालनाडा में हिरण (चिंकारा) के शिकार की जानकारी सामने आई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए क्षेत्रीय वन अधिकारी चन्द्रदान रत्नू को तत्काल जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। निर्देशों के बाद क्षेत्रीय वन अधिकारी चन्द्रदान रत्नू के नेतृत्व में वन विभाग की टीम ने वायरल वीडियो एवं मुखबिर तंत्र के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू की। कार्रवाई के दौरान ग्वालनाडा निवासी छोटाराम उर्फ टोटाराम पुत्र मिसराराम भील को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में उसने अपने साथियों प्रेमाराम, जसाराम एवं भगाराम के साथ मिलकर ग्वालनाडा के निकट सुनसान खेतों में टोपीदार बंदूक से दो चिंकारा का शिकार करना स्वीकार किया। इसके बाद वन विभाग ने आरोपी छोटाराम को न्यायालय में पेश कर तीन दिन के पुलिस रिमांड पर लिया। रिमांड अवधि के दौरान की गई जांच में दो अन्य आरोपियों जसाराम एवं प्रेमाराम को भी गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपियों की निशानदेही पर वन विभाग ने चिंकारा को काटने में प्रयुक्त चाकू तथा शिकार से संबंधित अन्य अवशेष भी बरामद किए। जांच पूर्ण होने के बाद तीनों आरोपियों को सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट, बालोतरा के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से न्यायालय ने उन्हें 15 दिन की न्यायिक अभिरक्षा में भेजने के आदेश दिए।

- आरोपियों की निशानदेही पर वन विभाग ने चिंकारा को काटने में प्रयुक्त चाकू तथा शिकार से संबंधित अन्य अवशेष भी बरामद किए
- 26 मई को वायरल वीडियो में रेंज बालोतरा के नाका कल्याणपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम ग्वालनाडा में हिरण (चिंकारा) के शिकार की जानकारी सामने आई थी

वन विभाग के अनुसार मामले में चौथा आरोपी भगाराम पुत्र सुखाराम भील निवासी ग्वालनाडा अभी फरार है, जिसकी तलाश के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। विभाग का कहना है कि आरोपी को शीघ्र गिरफ्तार कर मामले में अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

उप वन संरक्षक सविता दहिया ने बताया कि आरोपी छोटाराम उर्फ टोटाराम पुत्र मिसराराम भील, निवासी ग्वालनाडा, थाना कल्याणपुर, जसाराम पुत्र अखाराम भील, निवासी झंवर, थाना झंवर, जिला जोधपुर, प्रेमाराम पुत्र उदाराम भील, निवासी ग्वालनाडा, थाना कल्याणपुर को गिरफ्तार किया गया।

श्रीगंगानगर में पांच जून तक आंधी-बारिश का अलर्ट

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले में बारिश और ओलावृष्टि के बाद अब फिर से गर्मी का असर शुरू हो गया है। अधिकतम तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच गया है, जिससे दिन में तेज गर्मी और लू जैसी हवाएं चलने लगी हैं। इसी बीच मौसम विभाग ने 5 जून तक जिले में आंधी-बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है।

मौसम राडार स्टेशन, श्रीगंगानगर पर मंगलवार सुबह न्यूनतम तापमान 27.1 डिग्री दर्ज किया गया। सोमवार को न्यूनतम तापमान 26.6 डिग्री जबकि अधिकतम तापमान 40.4 डिग्री रहा। रविवार को अधिकतम तापमान 37.3 डिग्री दर्ज किया गया था। वेस्टर्न डिस्टरबेंस का प्रभाव अब धीरे-धीरे कम हो रहा है, जिसके चलते तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। हालांकि, मौसम विभाग ने राहत की खबर भी दी है। 5 जून तक जिले में आंधी व बारिश की संभावना है। इस दौरान 60 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे की तेज रफ्तार से हवाएं चलेंगी। मौसम विभाग ने बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। अभी दिन में गर्म हवाओं और तेज धूप से लोग परेशान हैं। जबकि शाम ढलते ही हल्की ठंडक महसूस हो रही है। किसानों का कहना है कि अगर अब आंधी और बारिश आई तो विजय की हुई फसलों को नुकसान होगा, क्योंकि, अभी बिजाई का सीजन चल ही रहा है।

चूरू के राजगढ़ में पुराने न्यायिक कोर्ट की छत गिरी

अधिवक्ताओं-स्टाम्प वेंडरों के बूथ पास में बने हैं, नई बिल्डिंग में शिफ्ट होने से बची जान

राजगढ़ में बंद पड़ी न्यायिक कोर्ट बिल्डिंग की छत अचानक गिर गई।

सादुलपुर, (निसं)। चूरू जिले के उपखंड कार्यालय परिसर राजगढ़ में बनी बंद पड़ी न्यायिक कोर्ट बिल्डिंग की छत अचानक गिर गई। गनीमत रही कि कई वर्षों से न्यायिक कोर्ट नई बिल्डिंग में शिफ्ट हो चुकी हैं, वरना बड़ा हादसा हो सकता था।

प्रीतम शर्मा एडवोकेट ने बताया कि इस न्यायिक कोर्ट की जर्जर भवन की दीवार के पास कई अधिवक्ता, स्टाम्प वेंडर व प्रलेख लेखक अपने बूथ लगाकर दिनभर रोज काम करते हैं।

- पहले तहसील-उपकोषाधिकारी कार्यालय की छत भी गिर चुकी है, फिर भी अधिकारी बेखबर हैं

प्रीतम शर्मा ने बताया कि छत गिरने के समय अगर काम के दौरान हादसा होता तो जानमाल का नुकसान हो सकता था। गौरतलब है कि यह पहली बार नहीं है। इससे पहले उपकोषाधिकारी, एसडीएम कोर्ट व तहसील कार्यालय की बिल्डिंग की छत भी गिर चुकी है, फिर भी प्रशासन ने सबक नहीं लिया।

जोधपुर की कायलाना झील में दो युवकों के शव मिले

जोधपुर, (कासं)। शहर की कायलाना झील में दो युवकों के शव मिले। एक की पहचान हो गई है, जबकि दूसरे की पहचान नहीं होने पर शव को एमजीएच की मोर्चरी में रखवाया गया है। जानकारी के अनुसार 30 मई को अपने घर से परिक्रमा यात्रा देखने निकला युवक का शव आज कायलाना झील में मिला। दोपहर में शव को एसडीआरएफ की मदद से निकाला गया।

सूरसागर थानाधिकारी हरीशचंद्र सोलंकी ने बताया कि सोढ़ों की ढाणी निवासी 45 साल का जेठूसिंह राजपूत 30 मई को परिक्रमा यात्रा देखने के लिए घर से निकला था। मगर वह वापिस अपने घर नहीं पहुंचा। इस पर 31 मई को परिजन ने उसके लापता होने के संबंध में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। अगले दिन हाथी नहर के समीप एक मोबाइल और चप्पल की जोड़ी मिली थी। जिस पर आशंका जताई गई कि वह जेठू सिंह के हो सकते हैं। इस पर तलाश के लिए कायलाना में गोताखोरों को लगाया गया। पहले सिविल डिफेंस की टीम को लगाया गया फिर एसडीआरएफ की टीम को लगाया गया। सोमवार की शाम को एसडीआरएफ ने एक शव को बाहर निकाला था, मगर वह अज्ञात शव था। इस पर मंगलवार को फिर से कायलाना में तलाश की गई। इस पर गुमशुदा जेठू सिंह का शव बरामद हुआ है। वह मन का भोला था और दवाईयां भी चल रही थी। वह परिक्रमा यात्रा देखने के लिए घर से 30 मई को निकला था। थानाधिकारी सोलंकी ने बताया कि अज्ञात शव के पहचान के प्रयास जारी है। मृतक की उम्र करीब 40 वर्ष, रंग गेहूंआ, बदन मध्यम जो दो दिन पुरानी बॉडी होने से शरीर फूला हुआ है। पहनने को खाकी कलर टाइप पैंट, शर्ट नहीं पहने हुए हैं, दाहिने हाथ में धागा बंधा हुआ है।

- एक शव की पहचान हुई, दूसरे का शव मोर्चरी में रखवाया

प्रसव के बाद महिला की मौत

उदयपुर, (कासं)। प्रसव के दौरान पुत्री को जन्म देने के बाद तबीयत खराब होने से महिला की उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार कोटड़ा थाना क्षेत्र ढेडमारिया गांव निवासी अणदू (39) पत्नी ओपिया गमार की एमबी चिकित्सालय में उपचार के दौरान मौत हो गई। अणदू ने 30 मई को पुत्री को जन्म दिया था। दूसरे दिन उसकी तबीयत खराब होने पर परिजन उसे कोटड़ा चिकित्सालय ले गए, जहां से रेफर करने पर एमबी जनाना चिकित्सालय में भर्ती करवाया। जहां उसकी मौत हो गई। इस पर एएसआई रमेशचन्द्र ने पीहर के परिजनों की मौजूदगी में मृतका का पोस्टमार्टम करवाया।

कोटा में 485 किलो डोडा चूरा बरामद, आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) राजस्थान यूनिट ने कार्रवाई करते हुए 485.580 किलोग्राम अवैध-डोडा चूरा बरामद किया है। टीम ने कार्रवाई के दौरान टाटा कंटेनर ट्रक जब्त किया तथा एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि मुखबीर से सूचना कि हरियाणा पंजीकृत एक टाटा कंटेनर ट्रक जावरा-मंदसौर क्षेत्र से हरियाणा की ओर भारी मात्रा में अवैध डोडा चूरा परिवहन कर रहा है। सूचना पर जिला अफीम अधिकारी चित्तौड़गढ़ -2 एवं सीबीएन कोटा के अधिकारियों की संयुक्त टीम का गठन किया और टीम को मौके के लिये रवाना किया। गठित टीम ने निगरानी के दौरान संदिग्ध वाहन की पहचान कर उसे राष्ट्रीय राजमार्ग-52 (दरा-कोटा रोड) स्थित मेवाती ढाबा पार्किंग क्षेत्र, ग्राम नयागांव, थाना मंडाना के निकट रोक लिया। उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि टीम ने उक्त वाहन की तलाशी ली तो तलाशी के दौरान चालक के केबिन एवं कंटेनर के मध्य निर्मित एक विशेष रूप से बनाए गए गुप्त चैम्बर का पता चला। गुप्त चैम्बर की तलाशी के दौरान उसमें छिपाकर रखे गए 32 काले प्लास्टिक के बोरों से 485.580 किलोग्राम अवैध डोडा- चूरा और ट्रक को जब्त किया गया है। वहीं एनडीपीएस एक्ट में कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया गया, मामले में आगे की जांच प्रक्रिया जारी है।

- सीबीएन टीम ने टाटा कंटेनर ट्रक को जब्त किया

भीलवाड़ा के हमीरगढ़ चामुंडा माता मंदिर में हुई चोरी का पर्दाफाश

भीलवाड़ा, (निसं)। भीलवाड़ा पुलिस ने हमीरगढ़ के सुप्रसिद्ध चामुंडा माता मंदिर में करीब 15 महीने पहले हुई बहुचर्चित चोरी की वारदात का पर्दाफाश कर दिया है। हमीरगढ़ थाना पुलिस ने महज 20 दिन में गैंग के मुख्य सरगना सहित चार और आरोपियों को धर दबोचा है। इस मामले में पुलिस अब तक चोरी का माल खरीदने वाले सुनार सहित कुल छह आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से मंदिर से चुराए गए जेवरातों में से 260 ग्राम सोना और 3 किलोग्राम चांदी बरामद करने में सफलता पाई है।

जानकारी के अनुसार मन्दिर परिसर के पीछे जंगल होने के कारण घटनास्थल के आसपास कोई सीसीटीवी कैमरा नहीं था। शातिर चोर वारदात के दौरान मोबाइल फोन का इस्तेमाल भी नहीं कर रहे थे। ऐसे में तकनीकी साक्ष्य न होने पर हमीरगढ़ पुलिस ने पारंपरिक पुलिसिंग का सहारा लिया। अभियुक्त बेहद चालाक और शातिर किस्म के थे, जो लगातार ठिकाने बदल रहे थे। इन्हें पकड़ने के लिए हेड कांस्टेबल विशम्बर दयाल और उनकी टीम ने अपने भेष बदले। पुलिसकर्मी कभी लाइनमैन, कभी आइसक्रीम बेचने वाले, कभी टेम्पो चालक तो कभी भैंस खरीदार बनकर आरोपियों के गांवों में रेकी करते रहे। इस रणनीति के चलते पुलिस वांछित अपराधियों तक पहुंचने और उन्हें दबोचने में कामयाब रही।

- 15 माह बाद मुख्य सरगना सहित छह जने गिरफ्तार, भेष बदलकर पुलिस ने पकड़ा

गौरतलब है कि 11 फरवरी 2025 को चामुंडा माता मंदिर के पुजारी पूरण माली ने थाने पर रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट के अनुसार, 10-11 फरवरी की रात अज्ञात चोरों ने मंदिर के गेट का ताला तोड़कर माताजी की मूर्ति का श्रृंगार, 550 ग्राम सोने के आभूषण, 5 किलो 150 ग्राम चांदी के जेवरात और दानपात्र चुरा लिया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए हमीरगढ़ थानाधिकारी सुनील कुमार बेड़ा के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया था। पुलिस ने सबसे पहले दो संदिग्ध ज्ञानदास और घनश्याम को डिटेन किया। कड़ाई से पूछताछ में दोनों ने जुर्म कबूल किया, जिसके बाद परतें खुलती गईं। पुलिस ने मुख्य पांच चोरों सहित चोरी के गहने खरीदने वाले सुनार को भी दबोच लिया। आरोपी ज्ञानदास कामड, घनश्याम नायक, राजमल उर्फ राजू कामड, देवीलाल रावत उर्फ बद्री, रामलाल सालवी और चोरी का माल खरीदने वाला सुनार सागर सोनी पुत्र पूनमचंद सोनी को गिरफ्तार किया।

कार्यालय ग्राम पंचायत कंचनपुर, पंचायत समिति बाड़ी (धौलपुर)

क्रमांक:ग्रा.प./ई-निविदा/2026-27/71 दिनांक : 21.05.2026

ई-निविदा सूचना 02/2026-2027

ग्राम पंचायत कंचनपुर, पंचायत समिति बाड़ी में स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण योजनान्तर्गत स्वीकृत नवीन प्लास्टिक कचरा प्रबंधन इकाई का निर्माण कार्य, ग्राम पवेसुरा, ग्राम पंचायत कंचनपुर हेतु राज्य / केन्द्र सरकार के अधिकृत विभिन्न विभागों में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से कार्य कराने हेतु दिनांक 08.06.2026 दोपहर 02.00 बजे तक ऑनलाइन ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। बोली विशिष्टीया आदि का विस्तृत विवरण https://sppp.rajasthan.gov.in एवं https://eproc.rajasthan.gov.in देखा जा सकता है।

NIB No. ZDH2627A0122

UBN No. ZDH2627WSOB00152

प्रशासक ग्राम पंचायत कंचनपुर पं. स. बाड़ी (धौलपुर) राज.

DIPR/C/9354/2026

ग्राम विकास अधिकारी गग्राम पंचायत कंचनपुर पं. स. बाड़ी (धौलपुर) राज.

राजस्थान सरकार

निदेशालय खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान, उदयपुर

क्रमांक निदे/अ.ख.अ. नीलामी / निलामी (ERCC/RCC 08)/2026/ई-15764

ई-नीलामी विज्ञप्ति संख्या (ERCC/RCC 08)/2026

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियमावली, 2017 के नियम-36 व 37 के तहत विभाग द्वारा इस विज्ञप्ति से अप्रधान खनिजों के प्रभावशील खनन पट्टों / क्वारीं लाईसेसों व परमिट क्षेत्रों से निर्गमित होने वाले खनिजों पर अधिशुल्क /अधिक अधिशुल्क, परमिट शुल्क, प्रिमीयम शुल्क, डी.एम.एफ.टी., आर.एस.एम.ई.टी. एवं अन्य शुल्क संग्रहण के कुल 29 ठेके खुली ई-नीलामी के माध्यम से दिये जाने हेतु इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म पर इच्छुक बोलीदाताओं से बोली आमंत्रित की जाती है। ठेकों से संबंधित विस्तृत विवरण जैसे-ठेका क्षेत्र, खनिज, अमानत राशि, बोली प्रस्तुत करने की तिथि व समय इत्यादि का विवरण व ई-ऑक्शन की प्रक्रिया एवं मुख्य शर्तें विभागीय वेबसाइट www.mines.rajasthan.gov.in एवं इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म प्रदाता कंपनी MSTC की वेबसाइट www.mstcecommerce.com पर उपलब्ध हैं।

(महावीर प्रसाद मीणा)
निदेशक

DIPR/C/9530/2026

कार्यालय अधिशाषी अभियंता जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग खण्ड बून्दी

क्रमांक/अ.अ./ जनस्वा/खबू/2026-26/680-84 दिनांक:- 22.05.2026

NIT NO-11/2026-27

(NIB Code PHE2627A0705)

NOTICE INVITING TENDERS THROUGH E-PROCUREMENT SYSTEM

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से निम्न हस्ताक्षरकर्ता द्वारा निम्न कार्य की निविदायें ऑन लाईन आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र http://eproc.rajasthan.gov.in & http://sppp.rajasthan.gov.in. पर देखी व डाउन लोड की जा सकती है। निर्धारित शुल्क, विस्तृत शर्तों तथा अन्य आवश्यक जानकारी हेतु विस्तृत निविदा www.dipr.rajasthan.gov.in, www.rajwater.gov.in तथा http://sppp.rajasthan.gov.in. पर उपलब्ध है:-

UBN No.	Availability of tender documents on Web Site	Date & time for online submission of Tender.	Date for physically submission of copy of E-Grass Challan of EMD, RISL, TF & Other Document	Date & Time for bid opening
PHE2627 WSRC01449	29.05.2026 (10:00 AM) to 11.06.2026 (Upto 6.00 PM.)	29.05.2026 (10:00 AM) to 11.06.2026 (Upto 6.00 PM.)	12.06.2026 at 1.00PM	12.06.2026 at 3.00PM

(मस्तराम मीणा) अधिशाषी अभियंता
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग खण्ड-बून्दी, मो0नं0-9784887709

DIPR/C/9386/2026

जयपुर में नकली खाद का 'खेल' उजागर

हरमाड़ा क्षेत्र के रामलियावाला इलाके में संदिग्ध उर्वरक और 750 कट्टे औद्योगिक नमक बरामद

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। हरमाड़ा क्षेत्र के सीकर रोड स्थित रामलियावाला इलाके में कृषि विभाग ने कार्रवाई करते हुए कथित नकली खाद निर्माण और अवैध भंडारण के एक संदिग्ध मामले का खुलासा किया है। विभागीय टीम ने एक गोदाम पर छापा मारकर भारी मात्रा में संदिग्ध उर्वरक, औद्योगिक नमक, दानेदार कच्चा पदार्थ, साबुन कण तथा अन्य सामग्री बरामद की है। मामले में गोदाम को सीज कर संचालकों के खिलाफ हरमाड़ा थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई गई है।

कृषि अधिकारी सावरमल यादव की ओर से दर्ज रिपोर्ट के अनुसार विभाग को लंबे समय से संदिग्ध तरीके से खाद तैयार करने और भंडारण की शिकायतें मिल रही थीं। इसी आधार पर 29 मई को रामलियावाला क्षेत्र स्थित एक गोदाम पर सर्च अभियान चलाया गया। मौके पर पहुंचने पर अधिकारियों ने पाया कि गोदाम के बाहर या अंदर किसी भी फर्म, कंपनी अथवा लाइसेंसधारी प्रतिष्ठान का बोर्ड नहीं लगा हुआ था। जांच के दौरान गोदाम से तीन कट्टे संदिग्ध डीएपी, एक कट्टा संदिग्ध एमओपी, 750 कट्टे औद्योगिक नमक, 867 कट्टे काले-भूरे रंग का दानेदार कच्चा पदार्थ तथा 56 कट्टे साबुन कण बरामद किए गए। इसके अलावा पोटाश के 25 खाली कट्टे, रंग मिला हुआ नमक और रंगाई-पैकिंग में प्रयुक्त सामग्री भी मिली। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई गई है कि इन सामग्रियों का उपयोग खाद जैसे उत्पाद तैयार कर बाजार में खपाने के लिए किया जा रहा था।

कृषि विभाग की टीम ने हरमाड़ा स्थित रामलियावाला में नकली खाद निर्माण और अवैध भंडारण का पर्दाफाश किया।

- गोदाम से तीन कट्टे संदिग्ध डीएपी, एक कट्टा संदिग्ध एमओपी, 750 कट्टे औद्योगिक नमक, 867 कट्टे काले-भूरे रंग का दानेदार कच्चा पदार्थ तथा 56 कट्टे साबुन कण बरामद

इस कार्रवाई के दौरान मौजूद नरेंद्र मीणा ने स्वयं को गोदाम का मुनीम बताया और मालिक के रूप में निखिल शर्मा का नाम बताया। अधिकारियों ने जब लाइसेंस, स्टॉक रजिस्टर और कारोबार से संबंधित दस्तावेज मांगे तो संतोषजनक जवाब नहीं मिला। निखिल शर्मा से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उसका मोबाइल फोन बंद मिला।

जांच में यह भी सामने आया कि गोदाम में उपलब्ध दस्तावेजों में गोबर खाद के भंडारण का उल्लेख था, जबकि मौके पर मिली सामग्री दस्तावेजों से मेल नहीं खा रही थी। दस्तावेजों और वास्तविक भंडारण में अंतर मिलने पर कृषि विभाग ने संदिग्ध डीएपी और एमओपी के नमूने जांच के लिए भिजवा दिए।

कृषि विभाग ने पूरे गोदाम को सीज कर दिया है। हरमाड़ा थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस और कृषि विभाग अब यह पता लगाने में जुटे हैं कि यह कथित कारोबार कब से संचालित हो रहा था, सामग्री कहां सप्लाई की जा रही थी और इस नेटवर्क से कितने लोग जुड़े हुए हैं। विभागीय अधिकारियों ने संकेत दिए हैं कि जिलेभर में संदिग्ध उर्वरक कारोबार और अवैध भंडारण के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जाएगा, ताकि किसानों तक पहुंचने वाले घटिया और संदिग्ध उत्पादों पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।

वरिष्ठ अध्यापक भर्ती धांधली में लिप्त डमी परीक्षार्थी गिरफ्तार

आरोपी नरेश ने 5 लाख रुपए लेकर अभ्यर्थी की जगह दी थी परीक्षा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) की वरिष्ठ अध्यापक (माध्यमिक शिक्षा) द्वितीय श्रेणी प्रतियोगी परीक्षा-2022 में हुई धांधली के मामले में स्पेशल ऑपरेशन्स ग्रुप (एसओजी) ने कार्रवाई करते हुए दो वर्षों से फरार चल रहे दस हजार के इनामी डमी परीक्षार्थी नरेश कुमार निवासी करडा जिला नागौर को गिरफ्तार किया है। आरोपित मूल अभ्यर्थी की जगह परीक्षा देने के आरोप में वांछित था। न्यायालय ने उसे 9 जून तक पुलिस रिमांड पर भेज दिया है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक पुलिस (एसओजी) विशाल बंसल ने बताया कि आरपीएससी द्वारा वरिष्ठ अध्यापक भर्ती परीक्षा के तहत 24 दिसंबर 2022 को सामान्य ज्ञान एवं शैक्षिक मनोविज्ञान तथा विज्ञान विषय की परीक्षाएं आयोजित की गई थीं। सामान्य ज्ञान का प्रश्न पत्र लीक होने के कारण यह परीक्षा निरस्त कर दी गई थी। जिसे बाद में 29 जनवरी 2023 को पुन: आयोजित किया गया।

डमी परीक्षार्थी नरेश कुमार

एसओजी की जांच में सामने आया कि जालौर जिले के चितलवाना थाना क्षेत्र के परावा निवासी मूल अभ्यर्थी गोपाल सिंह ने स्वयं परीक्षा देने के बजाय अपनी जगह दो अलग-अलग डमी परीक्षार्थियों को बैठाया था। एसओजी की जांच के अनुसार नरेश कुमार ने 29 जनवरी 2023 को जालौर जिले के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बागोड़ा परीक्षा केंद्र पर गोपाल सिंह के स्थान पर सामान्य ज्ञान एवं शैक्षिक मनोविज्ञान विषय की परीक्षा दी थी। इसके बदले दोनों के बीच पांच लाख रुपए में सौदा तय हुआ था।

- दो साल से फरार इस बदमाश पर 10 हजार रुपए का इनाम घोषित था

वहीं विज्ञान विषय की परीक्षा में गोपाल सिंह की जगह परीक्षा देने वाले दूसरे डमी परीक्षार्थी विष्णु प्रकाश,जो एमबीबीएस का छात्र है को एसओजी पहले ही 21 मार्च 2024 को गिरफ्तार कर चुकी है।

जांच में सामने आया कि इस फर्जीवाड़े के जरिए गोपाल सिंह परीक्षा में सफल हो गया था और उसका चयन वरिष्ठ अध्यापक (द्वितीय श्रेणी) विज्ञान विषय के पद पर भी हो गया था। हालांकि आरपीएससी को मिली शिकायत के बाद उसकी नियुक्ति रोक दी गई। मामले की जांच एसओजी को सौंपे जाने के बाद मुख्य आरोपी एवं मूल अभ्यर्थी गोपाल सिंह को 29 दिसंबर 2023 को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था।

एसओजी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं अनुसंधान अधिकारी प्रकाश कुमार शर्मा ने बताया कि आरोपी नरेश कुमार को एसओजी थाने में दर्ज प्रकरण में गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि आरोपी पिछले दो वर्षों से फरार चल रहा था और उस पर दस हजार का इनाम घोषित था। उसे अदालत में पेश किया गया, जहां से 9 जून तक पुलिस रिमांड मंजूर किया गया है। एसओजी अब आरोपी से पूछताछ कर परीक्षा धांधली से जुड़े नेटवर्क, वित्तीय लेन-देन और अन्य संदिग्धों के संबंध में जानकारी जुटा रही है।

एसओजी के अनुसार भर्ती परीक्षा धांधली से जुड़े इस प्रकरण में अब तक कई महत्वपूर्ण खुलासे हो चुके हैं और गिरोह के सदस्यों के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी है।

'प्रदेश में पेट्रोल-डीजल आपूर्ति में कमी नहीं आए'

जयपुर (कासं)। राजस्थान पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन (आरपीडीए) की विभिन्न मांगों को लेकर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में प्रदेश के पेट्रोल पंप संचालकों से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा के बाद कई अहम निर्णय लिए गए।

आरपीडीए के पदाधिकारियों ने बताया कि मुख्य सचिव ने सभी ऑयल कंपनियों को निर्देश दिए हैं कि प्रदेश के किसी भी पेट्रोल पंप पर पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति में किसी प्रकार की बाधा नहीं आनी चाहिए। यदि कहीं कोई समस्या आती है तो उसका तत्काल समाधान कर आपूर्ति व्यवस्था को और मजबूत बनाया जाए। बैठक में कन्वर्जन पंपों के मुद्दे पर भी चर्चा हुई। निर्णय लिया गया कि ऐसे पंप सीधे ऑयल कंपनियों से ही पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति प्राप्त करेंगे। इसके लिए ऑयल कंपनियां प्रदेश के सभी कन्वर्जन पंपों की सूची तैयार कर सरकार को भेजेंगी, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि किन पंपों को अभी तक सीधी आपूर्ति नहीं मिल रही है। आरपीडीए ने प्रदेश में पेट्रोल और डीजल पर वैट कम करने की मांग को भी प्रमुखता से उठाया। एसोसिएशन का कहना है कि पडौसी राज्यों की तुलना में अधिक वैट होने के कारण राजस्थान में ईंधन बिक्री प्रभावित हो रही है। वैट में कमी से न केवल उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी बल्कि राज्य में बिक्री बढ़ने से राजस्व पर भी नकारात्मक असर नहीं पडेगा। मुख्य सचिव ने इस मांग पर सरकार की गंभीरता जताते हुए कहा कि वैट कटौती के विषय में अध्ययन किया जा रहा है और जल्द ही इस संबंध में आगे की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही सुझाव दिया गया कि इस विषय पर निर्णय प्रक्रिया को गति देने के लिए एक समन्वय समिति का गठन किया जा सकता है। आरपीडीए पदाधिकारियों ने बैठक बुलाने और उनकी मांगों पर सकारात्मक चर्चा के लिए राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया तथा उम्मीद जताई कि जल्द ही इन मुद्दों पर ठोस निर्णय सामने आएंगे।

- मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने ऑयल कंपनियों को इस संबंध में निर्देश दिए

कांवटिया अस्पताल में ट्रोमा सेंटर खोलने की तैयारियां शुरू

जयपुर। जयपुर सांसद मंजू शर्मा ने सोमवार को हरिबख्श कांवटिया अस्पताल का दौरा कर अस्पताल की व्यवस्थाओं, चिकित्सा सुविधाओं और विकास कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल प्रशासन से मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी ली तथा आवश्यक सुधार के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान अस्पताल अधीक्षक डॉ. आर.एस.तंवर ने सांसद मंजू शर्मा को बताया कि अस्पताल के पास वर्तमान में केवल एक एंबुलेंस है। कई बार यह एंबुलेंस वीआईपी ड्यूटी अथवा अन्य सरकारी कार्यों में चली जाती है, जिससे आपातकालीन स्थिति में मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। इस पर सांसद मंजू शर्मा ने हाथों हाथ अस्पताल को एक नई एंबुलेंस उपलब्ध कराने की घोषणा की। अस्पताल प्रशासन ने क्षेत्र में बढ़ती आबादी मरीजों की संख्या औऱ दुर्घटनाओं के आंकड़ों के मद्देनजर नए ट्रॉमा सेंटर की आवश्यकता भी बताई। इस पर सांसद ने अधिकारियों को ट्रॉमा सेंटर के लिए विस्तृत योजना तैयार करने और उपयुक्त स्थान चिन्हित करने के निर्देश दिए। सांसद ने प्रस्तावित ट्रॉमा सेंटर के लिए संभावित स्थल का भी निरीक्षण किया। अस्पताल परिसर में पार्किंग व्यवस्था को लेकर भी चर्चा हुई। अधिकारियों ने अस्पताल के निकट खाली भूमि पर तीन मंजिला पार्किंग निर्माण का प्रस्ताव रखा।

बकाया बिलों का भुगतान 3 दिन में करें : ईजीएस आयुक्त

जयपुर (कासं)। ईजीएस आयुक्त पुष्पा सत्यानी ने ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के सभी जिला कार्यकम समन्वयक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारियों की वी.सी. के जरिए सचिवालय में बैठक ली।

सत्यानी ने योजनान्तर्गत सामग्री एवं प्रशासनिक मद का भुगतान एसएनए स्पर्श के माध्यम से किये जाने के संबंध में समीक्षा करते हुए निर्देश दिये कि जिलों द्वारा बकाया बिलों के भुगतान संबंधी सभी प्रक्रिया आगामी 3 दिवस में आवश्यक रूप से पूर्ण कर ली जाए। योजनान्तर्गत कार्यरत संविदाकार्मिकों के मानदेय भुगतान की कार्यवाही प्राथमिकता से करें।

आयुक्त ने ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक से अधिक श्रमिक नियोजन किये जाने के निर्देश देते हुए अधिक से अधिक जॉब कार्डधारी परिवारों को निर्धारित समयावधि में रोजगार उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। अतिरिक्त आयुक्त जुगल किशोर मीणा ने ई-केवाईसी, कार्यों की जियो टैगिंग की प्रगति की समीक्षा करते हुए अपूर्ण कार्यों को शीघ्रता के साथ पूर्ण कराते हुए आगामी मानसून के दौरान सघन पौधारोपण के निर्देश दिए। वित्तीय सलाहकार ने सीए ऑडिट के लिए डाटा वेरिफिकेशन निर्धारित प्रपत्रों मे तत्काल मुख्यालय को प्रेषित करने के निर्देश दिए। परियोजना निदेशक रतन लाल अटल ने जिलों में पूर्ण हुए श्रेष्ठ कार्यों के फोटोग्राफ मय सफलता की कहानियां प्रति सप्ताह नियमित रूप से राज्य मुख्यालय को भिजवाने के निर्देश दिये।

ईजीएस आयुक्त पुष्पा सत्यानी ने बुधवार को ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के सभी जिला कार्यकम समन्वयक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारियों की वी.सी. के जरिए बैठक ली।

बैठक में अधीक्षण अभियंता आई.पी. अग्रवाल, परियोजना अधिकारी डॉ. सुमन, अधिशाषी अभियंता संजय खण्डेलवाल, कीर्ति सिंह निर्वाण, राजेन्द्र शर्मा, एसीपी ईजीएस शशिकान्त मुंजाल, आईईसी समन्वयक उमाशंकर शर्मा, एमआईएस मैनेजर अरविंद सिंघानिया, जीएआईएस एक्सपर्ट साधना सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

सार-समाचार

रेडियो पर डॉ. हर्ष मिश्रा ने की चर्चा

जयपुर। बॉक्स एफएम रेडियो पर डाइटिशियन एवं न्यूट्रिशन एक्सपर्ट डॉ. हर्ष मिश्रा का एक घंटे का विशेष लाइव कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम में स्वास्थ्य, संतुलित आहार और जीवनशैली से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। श्रोताओं ने फोन और मैसेज के माध्यम से अपने सवाल पूछे, जिनका डॉ. डॉ हर्ष मिश्रा ने सरल और वैज्ञानिक तरीके से उत्तर दिया। सवाल-जवाब का यह सत्र कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा। डॉ हर्ष मिश्रा ने स्पोर्ट्स न्यूट्रिशन पर भी महत्वपूर्ण जानकारी साझा करते हुए बताया कि खिलाड़ियों और नियमित व्यायाम करने वाले लोगों के लिए संतुलित प्रोटीन, पर्याप्त पानी और सही समय पर भोजन कितना आवश्यक है। उन्होंने प्रदर्शन बढ़ाने और रिकवरी को बेहतर बनाने में पोषण की भूमिका पर भी प्रकाश डाला।

नशे की लत ने बनाया वाहन चोर

जयपुर। शिप्रापथ थाना पुलिस ने दुपहिया वाहन चोरों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार कर चोरी का दुपहिया वाहन (बाइक) बरामद की है। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी नशे का आदी है और नशे की जरूरतें पूरी करने के लिए दुपहिया वाहनों की चोरी करता था। फिलहाल आरोपित से पूछताछ जा रही है। पुलिस उपायुक्त (जयपुर दक्षिण) राजर्षि राज ने बताया कि शिप्रापथ थाना पुलिस ने दुपहिया वाहन चुराने वाले एक शातिर वाहन चोर आशु महावर (18) निवासी अहता किला पिनाहट (उत्तर प्रदेश) को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर चोरी की गई बाइक बरामद की गई है। वर्तमान में आरोपित भांकरोटा थाना क्षेत्र में खानाबदोश की तरह रह रहा था और पहचान छिपाकर विभिन्न स्थानों पर घूमता था। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी नशे का आदी है और नशे के लिए पैसों का इंतजाम करने हेतु बाइक और स्कूटी चोरी करता था। पुलिस को आशंका है कि आरोपी शहर में हुई अन्य वाहन चोरी की घटनाओं में भी शामिल हो सकता है। पुलिस अब आरोपी के आपराधिक रिकॉर्ड और उसके संभावित साथियों के बारे में भी जानकारी जुटा रही है। पुलिस टीम में हेड कांस्टेबल राजेश कुमार, कांस्टेबल छोटूराम और कांस्टेबल मंगलज की विशेष भूमिका रही।

लापरवाही पर जनगणना कार्मिक निलंबित

जयपुर। जनगणना-2027 के कार्य में लापरवाही बरतने वाले कार्मिकों पर राज्य सरकार ने सख्ती बरतनी शुरू कर दी है। प्रमुख जनगणना अधिकारी एवं कलक्टर संदेश नायक ने जनगणना कार्य के लिए नियुक्त प्रगणक अंजू वर्मा को निलंबित किया है। बताया जा रहा है कि अंजू वर्मा, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय डेहरा जोबनेर में लेवल-2 अंग्रेजी की अध्यापिका है। उन्होंने प्रधानाचार्य द्वारा कार्यमुक्त किए जाने के बाद भी चार्ज जनगणना अधिकारी एवं तहसीलदार जोबनेर द्वारा आवंटित एचएलबी संख्या 0152 का कार्य प्रारंभ नहीं किया गया। इस लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए कलक्टर ने उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। निलंबन अवधि के दौरान संबंधित कार्मिक का मुख्यालय मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कार्यालय जोबनेर निर्धारित किया है।

श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ

जयपुर। ठाकुर जुगलकिशोरजी मंदिर की ओर से किशनपोल बाजार में सोमवार से श्रीमद् भागवत महापुराण कथा की शुरुआत कलश स्थापना के साथ हुई। संगीतज्ञ आलोक भट्ट द्वारा श्रीमद् भागवत कथा 2 से 8 जून तक आयोजित होगी। गणपति पूजन के बाद संगीतज्ञ पंडित आलोक भट्ट ने श्रीमद् भागवत कथा के प्रसंग में भगवान के 24 अवतारों का वर्णन, परीक्षित के जन्म की कथा और कलयुग का आगमन का वर्णन और भगवान की महिमा और भागवत श्रवण के महत्व पर प्रकाश डाला। श्रीमद् भागवत कथा प्रतिदिन 2 बजे से 6 बजे तक आयोजित होगी।

विधी सिंह को पीएचडी की उपाधि

जयपुर। आईआईएस यूनिवर्सिटी ने छात्रा विधी सिंह को पीएचडी की उपाधि प्रदान की है। उन्हें यह उपाधि डिजिटाइज़ेशन एंड चेंजिंग कंटेंट ऑफ एफएम रेडियो चैनल्स इन जयपुर विषय पर शोध के लिए दी गई है। विधी ने शोध कार्य डॉ. साक्षी आर्य के निर्देशन में पूरा किया है।

चलती स्कूटी पर झपट्टा मारकर पर्स लूटा

जयपुर। शिप्रापथ थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े दो सहेलियों से लूट की वारदात सामने आई है। बाइक सवार बदमाशों ने चलती स्कूटी का पीछा कर पीछे बैठी युवती का पर्स झपट लिया। छीना-झपटी के दौरान स्कूटी अनियंत्रित होकर फिसल गई, जिससे दोनों युवतियां सड़क पर गिरकर घायल हो गईं। घायल युवतियों ने उपचार के बाद शिप्रापथ थाने में मामला दर्ज कराया है। हेड कांस्टेबल राजेश ने बताया कि मानसरोवर निवासी प्राची शर्मा (27) ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह अपनी सहेली मनप्रीत के साथ स्कूटी से सांगानेर जा रही थी। दोनों श्रेयांश पैराडाइज के पास से गुजर रही थीं, तभी पीछे से आए बाइक सवार बदमाशों ने उनकी स्कूटी का पीछा किया और अचानक झपट्टा मारकर पीछे बैठी प्राची का पर्स छीन लिया। पर्स छीनने के दौरान स्कूटी का संतुलन बिगड़ गया और दोनों सहेलियां सड़क पर गिर पड़ीं। हादसे में दोनों को चोटें आईं और वे कुछ समय के लिए बेसुध हो गईं। बाद में उन्होंने स्वयं को संभाला और एक निजी अस्पताल में उपचार कराया। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि लूटे गए पर्स में करीब 10 हजार रुपए नकद, पहचान पत्र सहित अन्य जरूरी दस्तावेज रखे हुए थे। घटना के बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। हेड कांस्टेबल राजेश ने बताया कि पीड़िता की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

फैन्सी नंबर प्लेट लगाई या बिना रिकॉर्ड पुरानी गाड़ियां बेची तो कार्रवाई होगी : राजीव पचार

'बुलेट अथवा पावर बाइक्स में मॉडिफाइड साइलेंसर लगाने वाले गैराज संचालकों की भी खैर नहीं'

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजधानी में कानून-व्यवस्था, सड़क सुरक्षा और अपराध नियंत्रण को लेकर जयपुर पुलिस कमिश्नरेट ने वाहन संबंधी गतिविधियों पर बड़ी सख्ती शुरू कर दी है। बुलेट और अन्य पावर बाइक्स में पटाखों जैसी आवाज निकालने वाले मॉडिफाइड साइलेंसर, फैंसी नंबर प्लेट और चोरी के वाहनों की खरीद-फरोख्त पर रोक लगाने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस)-2023 की धारा 163 के तहत विशेष प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए गए हैं।

कार्यपालक मजिस्ट्रेट एवं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) डॉ. राजीव पचार की ओर से जारी ये आदेश 2 जून से 31 जुलाई 2026 तक पूरे जयपुर पुलिस कमिश्नरेट क्षेत्र में प्रभावी रहेंगे। आदेशों की पालना सुनिश्चित करने के लिए सभी थाना प्रभारियों, एसीपी और डीसीपी को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं।

अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर (कानून एवं व्यवस्था) डॉ. राजीव पचार ने बताया कि शहर में लगातार ऐसी शिकायतें मिल रही थीं कि कुछ गैराज संचालक और मैकेनिक बुलेट तथा अन्य पावर बाइक्स में मॉडिफाइड साइलेंसर लगाकर उन्हें पटाखों जैसी तेज आवाज निकालने योग्य बना रहे हैं। इससे न केवल आमजन को परेशानी होती है बल्कि सड़क दुर्घटनाओं और कानून-व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका भी बढ़ जाती है। इसके साथ ही वाहनों पर परिवहन विभाग के निर्धारित मानकों के विपरीत फैंसी, डिजाइनदार और अमानक नंबर प्लेट लगाने के मामलों में भी वृद्धि देखी गई है। पुलिस का कहना है कि ऐसी नंबर प्लेटों के कारण अपराध में प्रयुक्त वाहनों की पहचान करने में कठिनाई आती है और अपराधियों को लाभ मिलता है। इस आदेश के तहत कोई भी मैकेनिक या गैराज संचालक किसी वाहन में मॉडिफाइड साइलेंसर नहीं लगाएगा। वाहनों पर केवल परिवहन विभाग द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप नंबर प्लेट ही लगाई जा सकेगी। किसी भी वाहन पर नंबर प्लेट लगाने से पहले उसकी मूल आरसी का सत्यापन करना अनिवार्य होगा। फैंसी और डिजाइनदार नंबर प्लेटों पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त डॉ. राजीव पचार

- राजधानी में कानून-व्यवस्था, सड़क सुरक्षा और अपराध नियंत्रण को लेकर जयपुर पुलिस कमिश्नरेट ने वाहन संबंधी गतिविधियों पर बड़ी सख्ती शुरू की

सैकंड हैंड वाहन कारोबार पर भी शिकंजा कसा

इसके अलावा पुलिस कमिश्नरेट ने चोरी के वाहनों की खरीद-फरोख्त और उनके आपराधिक गतिविधियों में उपयोग पर रोक लगाने के लिए सेकंड हैंड वाहन कारोबारियों के लिए भी कडे नियम लागू किए हैं।

पुलिस को मिली सूचनाओं में सामने आया कि कई स्थानों पर पुराने वाहनों की खरीद-बिक्री बिना पर्याप्त दस्तावेजी प्रक्रिया के की जा रही थी। कई मामलों में वाहन परिवहन विभाग को सूचित किए बिना ही दूसरे व्यक्ति को बेच दिए जाते थे, जिससे अपराध होने पर जांच प्रभावित होती थी और वास्तविक आरोपियों तक पहुंचना मुश्किल हो जाता था।

जांच में यह भी सामने आया कि मोटर वाहन अधिनियम की धारा 50 के तहत निर्धारित प्रक्रिया, वाहन हस्तांतरण के रिकॉर्ड और स्वामित्व परिवर्तन संबंधी दस्तावेजों का समुचित संधारण नहीं किया जा रहा था।

अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर ने बताया कि सेकंड हैंड वाहनों के डीलर्स, एजेंटों और कबाड़ियों को प्रत्येक वाहन के विक्रेता और खरीदार का पूरा नाम, पता और पहचान संबंधी दस्तावेजों का रिकॉर्ड रखना होगा। वहीं वाहन खरीद-बिक्री के दौरान मोटर वाहन अधिनियम के तहत निर्धारित फॉर्म संख्या 29 और 30 भरना अनिवार्य होगा।

वाहन के वास्तविक हस्तांतरण की तारीख, समय और लेन-देन का पूरा विवरण रिकॉर्ड में दर्ज करना होगा। परिवहन विभाग की निर्धारित प्रक्रिया का पालन करना आवश्यक होगा। डॉ. राजीव पचार ने कहा कि चोरी की गाड़ियों का इस्तेमाल कई बार लूट, डकैती और अन्य गंभीर अपराधों में किया जाता है। नए आदेशों का उद्देश्य वाहन चोर गिरोहों, असामाजिक तत्वों और अपराधियों के नेटवर्क पर प्रभावी अंकुश लगाना है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि आदेशों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 223 सहित अन्य प्रासंगिक कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाएगी।

'सहकारी समितियों और दुग्ध संकलन केन्द्र के आवेदन और आवंटन अब ऑनलाइन होंगे'

पशुपालन एवं डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत ने विभागीय बैठक ली।

जयपुर। राजस्थान में डेयरी नेटवर्क को मजबूत करने और पशुपालकों को संबल देने के लिए राज्य सरकार ने बड़े कदम उठाए हैं। पशुपालन, गौपालन, डेयरी एवं देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने मंगलवार को सचिवालय में उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। इस दौरान राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन की प्रबंध संचालक श्रुति भारद्वाज सहित विभाग के तमाम वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में बजट घोषणाओं, लंबित भुगतानों और बुनियादी ढांचे पर विस्तृत मंथन हुआ।

कैबिनेट मंत्री ने डेयरी नेटवर्क में पारदर्शिता लाने के लिए बड़े निर्देश दिए। अब नई आवंटन नीति के तहत दुग्ध सहकारी समितियां और दुग्ध संकलन केंद्र खोलने के लिए ऑनलाइन आवेदन लिए जाएंगे, इनका आवंटन भी पूरी तरह ऑनलाइन ही होगा। मंत्री कुमावत ने बल्क मिल्क कूलर्स (बीएमसी) के आवंटन की भी समीक्षा की। उन्होंने एक महत्वपूर्ण सुधार की जानकारी देते हुए बताया कि नई नीति के तहत अब दुग्ध समितियां अपने स्वयं के पूंजी निवेश से भी बीएमसी स्थापित कर सकेंगी। मंत्री ने बताया कि जयपुर डेयरी में 10 लाख लीटर प्रतिदिन की क्षमता वाली एक और नई प्रोसेसिंग यूनिट, राजसमंद में 50 हजार लीटर क्षमता का नया प्रोसेसिंग प्लांट बनकर तैयार है। पाली में 300 टन प्रतिदिन की क्षमता वाला आधुनिक कैटल फीड प्लांट, गुलाबपुरा में 150 टन प्रतिदिन की क्षमता वाला कैटल फीड प्लांट भी बनकर तैयार हो चुका है।

World Cider Day: Celebrating a Classic Apple Beverage

Observed on June 3, World Cider Day honours the rich heritage and growing global popularity of cider, a refreshing beverage made from fermented apple juice. The day celebrates cider makers, apple growers, and the traditions that have shaped this drink across regions such as Europe, the UK, and North America. In recent years, craft cider has gained renewed attention, with innovative flavours and sustainable production practices attracting new audiences. World Cider Day encourages people to explore different varieties, support local producers, and appreciate the craftsmanship behind every bottle of this timeless, fruit-based drink.

#WONDERS

Does Honey Really Never Expire?

Archaeologists found honey estimated to be over 5,500 years old. Astonishingly, it was still preserved, and even considered edible

It's a claim that sounds almost mythical: honey never expires. Yet, evidence suggests there is real science behind this idea, so much so that jars of honey have reportedly outlasted entire civilizations. One of the most famous examples comes from ancient tombs discovered near Georgia, where archaeologists found honey estimated to be over 5,500 years old. Astonishingly, it was still preserved, and even considered edible. So, how does honey achieve this near-immortality?

It Starts with the Bee

The secret begins with the honey bee. When a forager bee collects nectar from flowers, she stores it in a specialized secondary stomach, often called the "honey stomach."

Inside this chamber, an important chemical transformation begins. An enzyme known as glucose oxidase breaks down the nectar's sugars into gluconic acid and hydrogen peroxide, two substances that play a key role in preserving honey.

The Hive's Dehydration Process

Back in the hive, bees deposit this processed nectar into honeycomb cells. Worker bees then fan their wings vigorously, creating airflow that evaporates water from the nectar.

Over time, the moisture content drops to below 18%. This is crucial because bacteria and microorganisms require water to grow. In such low-moisture conditions, they simply cannot survive.

Why Honey Resists Spoilage

Several factors combine to make honey incredibly resistant to decay:

- **Low moisture content:** Microbes are effectively "dehydrated" and unable to grow.
- **High sugar concentration:** Honey draws water out of bacterial cells through osmosis, killing them.
- **Acidity:** Honey has a pH between 3 and 4.5, comparable to acidic foods like lemon, creating an inhospitable environment for microbes.
- **Natural antimicrobials:** Hydrogen peroxide and other compounds actively inhibit bacterial growth.

But What About Molasses?

You might wonder: if low moisture helps preserve food, why do substances like molasses still expire?

The answer lies in balance. While molasses is also low in moisture, it does not match honey's combination of acidity, sugar concentration, and antimicrobial compounds. Honey's preservation system is far more comprehensive.

The Role of Bee Chemistry

Modern science continues to uncover just how sophisticated honey is. In 2010, researchers at the University of Amsterdam identified a protein in honey called defensin-1, produced by bees. This protein has strong antibacterial properties, further enhancing honey's ability to resist spoilage.

So, Does Honey Expire?

Pure, properly stored honey does not spoil in the traditional sense. It may crystallize or change texture over time, but these are natural processes, not signs of decay. With minimal exposure to moisture and contaminants, honey can remain stable for thousands of years.

A Sweet Example of Natural Engineering

Honey is more than just a food, it's a product of extraordinary natural engineering. From enzymatic chemistry to careful dehydration and built-in antibacterial defenses, every step of its creation is designed for longevity.

In a way, honey isn't just made to last a season, it's made to last a lifetime, or even several millennia.

President Droupadi Murmu presents Padma Bhushan to Smt. Suman Kalyanpur for Art.

She Was Superb She Was Suman Kalyanpur

The problem with Suman's singing was she never came out of Lata's shadow. She never established her own style and nobody would continue to go to her just because she sings just like Lata, when Lata was again available, as soon as Lata realized her mistake in an ego fight with fellow artist, Mohammad Rafi.

Anjali Sharma
Senior Journalist & Wildlife Enthusiast

#OBITUARY

31 May 2026 (age 89 years), Suman Kalyanpur passed away. A sad day for lovers of music.

Veteran playback singer Suman Kalyanpur voluntarily stepped away from the music industry to prioritize her family and avoid the exhausting politics of Bollywood. Feeling her talent was often overshadowed and miscredited, she bowed out in 1986 to focus on live performances, her domestic life, and peace of mind.

Suman Kalyanpur was born Suman Hemmadi on January 28, 1937, in Dhaka (then British India, now Bangladesh) to a prominent Saraswat Brahmin family. Her father, Shankar Rao Hemmadi, was a high-ranking executive at the Central Bank of India, and her mother was Seeta Hemmadi. She was the eldest of six siblings, which included her younger sister and fellow singer, Shyama Hemmady (Chittar). The Hemmadi family had roots in the village of Hemmadi in the Kundapur Taluk of Udupi District, Karnataka. In 1943, the family relocated to Mumbai, where Suman completed her schooling at St. Columba High School. Initially leaning towards the visual arts, she studied painting at the prestigious Sir J.J. School of Arts before pivoting professionally to Hindustani classical music and playback singing.

In 1958, Suman married Ramanand S. Kalyanpur, a Mumbai-based businessman. The couple had one daughter, Charul, who settled in the United States, and a granddaughter, Aaishanni Agny, who returned to Mumbai to establish a charitable NGO.

> Her prolific career spanned from 1954 to 1988, during which she sang in more than ten regional languages, including Marathi, Gujarati, Bengali, and Assamese.

Legendary Indian playback singer Suman Kalyanpur recorded over 3,000 songs across multiple languages, including around 857 songs in Hindi alone. Her prolific career spanned from 1954 to 1988, during which she sang in more than ten regional languages, including Marathi, Gujarati, Bengali, and Assamese. She passed away at her residence in Mumbai. The veteran singer was known for her work in Hindi, Marathi and several other Indian languages during the golden era of film music from the 1950s to the 1970s. Born on 28th January 1937 in Dhaka, Bangladesh, her voice closely resembled that of Lata Mangeshkar, leading many listeners to mistake her songs for Lata's.

She made her Hindi film debut in the mid-1950s and went on to record hundreds of songs with legendary composers and singers, especially Mohammed Rafi. Some of her most famous songs include "Aajkal Tere Mere Pyaar Ke Charche," "Na Na Karke Pyaar" and "Tumne Pukara Aur Hum Chale Aaye," evergreen hits like "Na Tum Hamen Jano." She also made a significant contribution to Marathi music.

One little known fact about Suman is that she benefitted tremendously from Rafi-Lata rift in the mid '60s. When Rafi and Lata stopped singing together for some personal reasons (fight I suppose!), music directors, who preferred Rafi, signed Suman to sing with him. After all, they could not get any other male singer to sing for Dilip Kumar, Shammi Kapoor, Rajendra Kumar, Joy Mukherjee, Pradeep Kumar, Dharmendra, and Shashi Kapoor. The result: we got such memorable duets like 'Tumne pukaara aur hum chale aaye' (Rajkumar, 1964), 'Dil ek mandir hai' (Dil Ek Mandir, 1963), 'Ajahoon na aaye baalma' (Saanjh Aur Savera, 1964), 'Dil ne phir yaad kiya' (Dil Ne Phir Yaad Kiya, 1966), and 'Na na karte pyaar tumhi se' (Jab Jab Phool Khile, 1965). The Rafi-Lata rift started sometime in the late 1962 and ended in the late 1967. The fight started around *batt ek rat ki / Paying guest* time, i.e., 1957-58 (*chand phir nikla* was the last song recorded) and ended around 1962/3 (*jogi jubse to aya mere dware* was the first song to be recorded) with *Bandini*. I guess Sachin Dev Burman's *Suman* songs are in this period. Sachin Dev has not used her before and after this period. Only Raj Kapoor, who preferred Lata and also because he did not have anything to do with Rafi, chose Mahendra Kapoor to sing for Rajendra Kumar in 'Har dil jo pyaar karega' (Sangam, 1964).

> The best duets featuring Suman happened in this period of Rafi-Lata rift. The post Rafi-Lata rift saw Suman fading back into the background and slowly slipping into near oblivion.

Of course, half of the loot went to Asha Bhosle. But Suman held her own. The best duets featuring Suman happened in this period of Rafi-Lata rift. The post Rafi-Lata rift saw Suman fading back into the background and slowly slipping into near oblivion. It is known that the industry turned to Suman only when they wanted her to mimic Lata in duets with Rafi. If you listen to those duets like *tumne pukara aur hum chale aye*, you can easily feel that the song was composed in Lata style, and thus, Suman was preferred to fill in the gap created by the absence of Lata. Same could be case of *Mamata* duets. Suman sang other part of *rahe na rahe hum* with Rafi which was composed for Lata.

The problem with Suman's singing was she never came out of Lata's shadow. She never established her own style and nobody would continue to go to her just because she sings just like Lata, when Lata was again available, as soon as Lata realized her mistake in an ego fight with fellow artist, Mohammad Rafi. Remember, even Lata was under shadow of Noor Jahen in early days and many music directors wanted her to sing like Noor Jehan, but she established her own style. Similarly, Asha also made sure to come out of shadow of Lata and Geeta by developing her own style. She was awarded the prestigious *Padma Bhushan* (India's third-highest civilian honor) in 2023 and the Maharashtra government's Lata Mangeshkar Award in 2009.

In an obituary to the famous singer, Prime minister Narendra Modi said, "Anguished by the passing of the popular singer Suman Kalyanpur Ji. Her melodious voice and soulful renditions enriched our cultural world. Through her songs, she created a special place among music lovers and admirers of Indian cinema. Condolences to her family and admirers. Om Shanti."

rajeshsharma1049@gmail.com

Addenda

In the heading of yesterday's article a grave mistake was made. The king is referred to as Henry 7th which should have been Henry 8th. The mistake is deeply regretted.

Talat-Suman.

Rafi-Suman Kalyanpur.

THE WALL

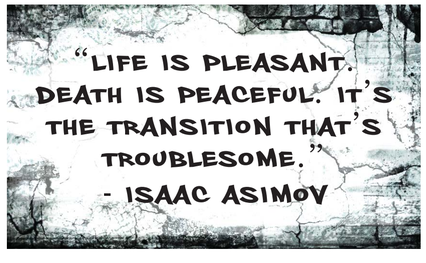

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

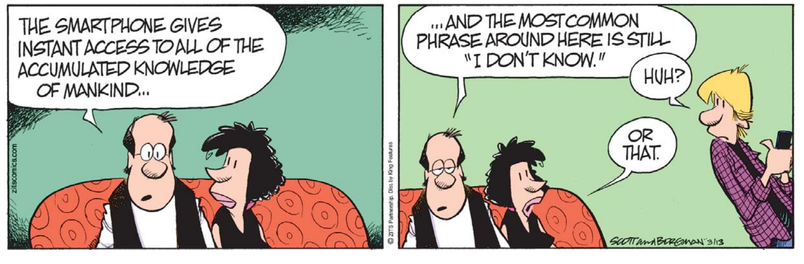

अजमेर में हुक्का बार पर कार्रवाई में बाधा डालने पर एएसआई गिरफ्तार

गंज थाना पुलिस ने कैफे पर छापा मार कर हुक्का बार संचालित कर रहे युवक को गिरफ्तार किया

अजमेर, (निसं)। शहर में अवैध रूप से संचालित हुक्का बारों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत गंज थाना पुलिस ने देर रात बड़ी कार्रवाई करते हुए एक कैफे पर छापा मारा। पुलिस ने मौके से हुक्का बार संचालित कर रहे युवक को गिरफ्तार कर लिया। वहीं कार्रवाई के दौरान पुलिस कार्य में बाधा डालने और हंगामा करने के आरोप में पुलिस लाइन में तैनात एक एएसआई को भी गिरफ्तार किया गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक ने संबंधित एएसआई को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया।

मंगलवार को गंज थाना पुलिस एएसआई सहित दो युवकों को एडीएम सिटी के समक्ष पेश करने लिए लेकर पहुंची थी। इस दौरान एएसआई अनिल जाखड़ ने मीडिया कर्मियों के साथ अभद्र व्यवहार करते हुए कहा कि फोटो ऐसी खींचो कि लॉरेंश विश्नोई जैसी! और पुलिस वालों के सामने भी अभद्र भाषा का प्रयोग करता हुआ नजर आया।

जानकारी के अनुसार पुलिस को सूचना मिली थी कि बोराज रोड स्थित धानुका गार्डन के निकट संचालित सीएनसी कैफे में अवैध रूप से हुक्का परोसा जा रहा है। सूचना के आधार पर गंज थाना पुलिस ने सीओ दरगाह के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर देर रात कैफे पर दबिश दी। पुलिस की कार्रवाई के दौरान कैफे में कई युवक हुक्का पीते हुए पाए गए, जिससे मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। तलाशी के दौरान पुलिस ने कैफे से चार हुक्के, चार चिलम सहित हुक्का संचालन में प्रयुक्त अन्य सामग्री बरामद की। पुलिस ने जब्त सामान को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि कैफे में बिना किसी वैध लाइसेंस और प्रशासनिक अनुमति के ग्राहकों को विभिन्न फ्लेवर के हुक्के उपलब्ध कराए जा रहे थे। पुलिस जांच में यह तथ्य सामने आया कि कैफे में मौजूद 19 वर्षीय जतिन नामक युवक हुक्का बार का संचालन कर रहा था। वह ग्राहकों को पैसे लेकर विभिन्न फ्लेवर के हुक्के उपलब्ध करा रहा था। पुलिस ने उसे मौके से हिरासत में लेकर पूछताछ की और बाद में गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस कार्य में बाधा डालने के आरोप में एएसआई अनिल जाखड़ को पुलिस कोर्ट लेकर पहुंची।

- मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक ने संबंधित एएसआई को निलंबित किया

छापेमारी के दौरान पुलिस कार्रवाई में हस्तक्षेप करने और सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न करने के आरोप में पुलिस लाइन में तैनात एएसआई अनिल जाखड़ को भी गिरफ्तार किया गया। बताया जा रहा है कि कार्रवाई के समय उन्होंने पुलिस टीम के साथ विवाद और हंगामा किया, जिसके चलते पुलिस ने उनके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की। घटना की रिपोर्ट वरिष्ठ अधिकारियों को भेजी गई, जिसके बाद एसपी ने तत्काल प्रभाव से उन्हें निलंबित कर दिया। गंज थाना पुलिस ने आरोपी जतिन के खिलाफ राजस्थान धूम्रपान प्रतिषेध एवं अधूम्रपायी व्यक्तियों के स्वास्थ्य संरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। वहीं एएसआई के खिलाफ भी सरकारी कार्य में बाधा डालने सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

गौरतलब है कि पूर्व में भू माफियों के साथ मिलकर अनिल जाखड़ जमीनों की सौदेबाजी करने का काम किया करता था, इसी दौरान पृथ्वीराज मार्ग स्थित एक विवादित जमीन को लेकर विवाद हुआ था, उस दौरान विवाद अधिक बढ़ने पर कोतवाली थाना पुलिस ने अनिल जाखड़ को गिरफ्तार किया था और उसे निलंबित भी किया था और बीती रात भी पुलिस कार्रवाई के दौरान राजकार्य में बाधा डालने के मामले में एसपी ने तुरंत प्रभाव से निलंबित कर दिया।

एक साल से फरार तस्करी का मुख्य आरोपी पंजाब से गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। पारोली थाना पुलिस टीम ने कोटड़ी थाने के मादक पदार्थ तस्करी के एक साल पुराने मुकदमे में वांछित मुख्य आरोपी को करीब 800 किलोमीटर दूर फरीदकोट, पंजाब से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी पिछले एक साल से लगातार अपनी लोकेशन बदल रहा था।

इस मामले की गंभीरता को देखते हुए एक विशेष रणनीति तैयार की गई। आरोपी की धरपकड़ के लिए पारोली थानाधिकारी सियाराम के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया, जिसने पंजाब के विभिन्न जिलों में गुप्त रूप से डेरा डालकर आरोपी को धर दबोचा। मामले के अनुसार, कोटड़ी पुलिस थाने में दर्ज प्रकरण के तहत 25 मार्च 2025 को रात्रि के समय पुलिस द्वारा विशेष नाकाबंदी की गई थी। इस नाकाबंदी के दौरान एक संदिग्ध क्रेटा कार को रुकवाकर जब उसकी तलाशी ली गई, तो पुलिस के होश उड़ गए। कार के भीतर से कुल 239 किलो 730 ग्राम अवैध अफीम डोडा-चूरा बरामद किया गया था। पुलिस ने घटना स्थल से कार सवार आरोपी रामाकिशन पिता शिवदान जाट, निवासी हरिमा, पुलिस थाना रोल, जिला नागौर को गिरफ्तार किया था। कार्रवाई के दौरान दूसरा आरोपी ओमप्रकाश पिता हेमाराम मेघवाल निवासी भटनोखा, थाना भवण्डा, जिला नागौर मौके से फरार होने में सफल रहा था।

- पारोली थाना पुलिस टीम ने कोटड़ी थाने के मादक पदार्थ तस्करी मामले में कार्रवाई की

मामले में गहन अनुसंधान करते हुए पुलिस ने पूर्व में अवैध मादक पदार्थ बेचने वाले आरोपी राधाकिशन पिता लादू मेहर, निवासी हरो का खेड़ा, कल्याणपुरा, थाना माण्डलगढ़, जिला भीलवाड़ा को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भिजवाया था।

मामले की कड़ियां जोड़ते हुए जब पुलिस ने तफ्तीश आगे बढ़ाई, तो तकनीकी साक्ष्यों से यह साफ हुआ कि तस्करी में प्रयुक्त दिल्ली नंबर की क्रेटा कार का असली मालिक और इतनी बड़ी तादाद में डोडा-चूरा की खेप मंगवाने वाला मुख्य सूत्रधार पंजाब का रहने वाला राजवीन्द्र सिंह उर्फ राजू है। आरोपी बेहद शातिर किस्म का है जो गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार ठिकाने बदल रहा था। पारोली थानाधिकारी सियाराम मय टीम ने अथक प्रयासों के बाद पंजाब के फरीदकोट में दबिश देकर राजवीन्द्र सिंह उर्फ राजू अरोड़ा पिता जोगेन्द्र सिंह उर्फ जोगिन्द्र सिंह निवासी दोदा, पुलिस थाना कोटपाई, तहसील गिदड़बाहा, जिला श्री मुक्तसर साहिब, पंजाब को गिरफ्तार किया। पुलिस द्वारा आरोपी को न्यायालय में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा।

पैरोल पर फरार हत्या के अपराधी को पकड़ा

बुहाना/झुंझुनूं, (निसं)। झुंझुनूं पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे हत्या के एक सजायाफ्ता अपराधी को पकड़ने में बड़ी सफलता हासिल की है।

पुलिस थाना बुहाना की टीम ने हत्या के मामले में सजा काट रहे और वर्ष 2017 में पैरोल अवकाश के दौरान फरार हुए 15 हजार रुपये के इनामी अपराधी को दस्तयाब कर लिया। आरोपी पिछले करीब आठ वर्षों से कानून की गिरफ्त से दूर था।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी प्रदीप सिंह उर्फ दीपू उर्फ लगड़िया (38) पुत्र बहादुर सिंह निवासी वार्ड संख्या 17, कस्बा बुहाना है। आरोपी हत्या के प्रकरण में सजायाफ्ता था और वर्ष 2017 में पैरोल पर रिहा होने के बाद फरार हो गया था। उसके खिलाफ पुलिस थाना बीछवाल, जिला बीकानेर में राजस्थान बंदी अधिनियम के तहत दर्ज प्रकरण में कार्रवाई चल रही थी। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए वरिष्ठ अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, पीसीएनडीटी एक्ट प्रकरण, बीकानेर द्वारा स्थायी गिरफ्तारी वारंट भी जारी किया गया था। लंबे समय से फरार रहने के कारण उस पर 15 हजार रुपये का इनाम घोषित था।

सूने मकान व ट्रैक्टर-ट्रॉली से मादक पदार्थ बरामद, एक गिरफ्त में

कोटा, (निसं)। केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो टीम ने दो अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ एमडी, संदिग्ध पाउडर को जब्त किया एवं ट्रैक्टर-ट्रॉली में पत्थरों के नीचे छिपाकर सप्लाई के लिये ले जा रहा 101 किलोग्राम डोडा-चूरा जब्त किया। दोनों कार्रवाई केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के उप नारकोटिक्स आयुक्त के निर्देशन में की गई।

नारकोटिक्स विभाग कोटा एवं भवानीमंडी सेल की संयुक्त टीम ने मुखबिर की सूचना पर मिश्रोली थाना क्षेत्र स्थित गुराडिया जोगा गांव में एक मकान में भारी मात्रा में मादक पदार्थ होने की सूचना पर कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान मकान बंद होने के कारण कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए घर की तलाशी ली गई, टीम ने तलाशी के दौरान 3.641 किलोग्राम अवैध एमडी (मेफेड्रोन) तथा 7.060 किलोग्राम संदिग्ध पाउडर बरामद किया। कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद बरामद अवैध एमडी एवं संदिग्ध पाउडर को एनडीपीएस अधिनियम के तहत जब्त किया गया।

- नारकोटिक्स टीम ने दो स्थानों पर कार्रवाई की

अवैध डोडा-चूरा बरामद किया : केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो टीम ने मुखबीर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए ट्रैक्टर-ट्रॉली में पत्थरों के नीचे दबाकर सप्लाई के लिये ले जाया जा रहा अवैध मादक पदार्थ 101.720 किलोग्राम अवैध डोडा-चूरा बरामद किया तथा एनडीपीएस एक्ट के तहत एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले में आगे की जांच प्रक्रिया जारी है।

ठगी करने वाला युवक गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। बनेठा थाना पुलिस टीम ने 10 से 20 प्रतिशत कमीशन के आधार पर अपने बैंक खाते मे राशि डलवाने वाला एक सायबर ठग को गिरफ्तार किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बनेठा थाना पुलिस टीम ने म्यूल खाताधारक दीपक चौधरी पुत्र रामदयाल चौधरी निवासी सडा पुलिस थाना बनेठा को पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया गया है। आरोपी से पूछताछ में सामने आया कि युवक दीपक द्वारा सायबर ठगों द्वारा ठगी की रकम को 10 से 20 प्रतिशत कमीशन के आधार पर अपने बैंक खाते में करीबन एक लाख से एक लाख 25 हजार रूपये डलवाना तथा चेक द्वारा बैंक से नगद निकाल कर सायबर ठगों को उपलब्ध करवाता था। गिरफ्तार आरोपी से स्वयं के अन्य बैंक खातों, किराये पर लिये गये बैंक खातो'व अन्य सायबर ठगों के साथ संलिप्तता के सम्बन्ध में अनुसंधान जारी है।

टोंक में अंडरग्राउंड बिजली केबल में ब्लास्ट के बाद आग लगी

टोंक, (निसं)। शहर के महावीर नगर में निजी हॉस्पिटल के पास से गुजर रही 33 केवी अंडरग्राउंड बिजली केबल में अचानक ब्लास्ट होने के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार टोंक शहर में स्थित एक निजी हॉस्पिटल के पास अंडरग्राउंड बिजली लाइन की केबल में अचानक ब्लास्ट हो गया। विस्फोट के साथ उठी आग की लपटों के बीच मौके से गुजर रही एक कार चपेट में आते आते बच गई। इस दौरान हल्की बारिश से आग कुछ ही देर में बुझ गई तथा घटना की जानकारी मिलने के बाद हॉस्पिटल में दहशत का माहौल रहा। मिली जानकारी के बाद सोनवा रोड स्थित बिजली निगम के बड़े ग्रिड से शहर के साथ-साथ मेहंदवास, छान और डारडा सहित कई क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति होती है। करीब एक माह पहले इन क्षेत्रों के लिए अंडरग्राउंड बिजली लाइन डाली गई थी, जो बंसल हॉस्पिटल के पीछे से होकर गुजरती है।

- हल्की बारिश से आग कुछ ही देर में बुझ गई, पास ही स्थित अस्पताल में दहशत फैली

डॉ. राजीव बंसल के अनुसार करीब 15 दिन पहले इसी अंडरग्राउंड लाइन में अस्पताल के पास फॉल्ट आया था, तकनीकी कर्मचारियों ने लाइन की मरम्मत की थी। आरोप है कि मरम्मत के बाद खोदे गए गड्ढे को ठीक से नहीं भरा गया और जिस स्थान पर केबल का ज्वाइंट लगाया गया था, वहीं बाद में समस्या बनी रही। जिसके बाद सोमवार देर शाम को जॉइंट वाले स्थान पर अचानक जोरदार ब्लास्ट हो गया। विस्फोट के साथ केबल में आग लग गई और ऊंची लपटें उठने लगीं। हादसे के समय अस्पताल में 20 से 25 मरीज भर्ती थे। ब्लास्ट और आग लगने के बाद अस्पताल में हड़कंप मच गया। भर्ती मरीज, उनके परिजन और अस्पताल प्रबंधन घबरा गए।

अस्पताल संचालक डॉ. राजीव बंसल ने तत्काल बिजली निगम और अन्य अधिकारियों को फोन कर स्थिति की जानकारी दी। लोगों का आरोप है कि सूचना के बावजूद मौके पर समय पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। बाद में एक वाहन मौके पर पहुंचा, लेकिन उसमें सवार कर्मचारी स्थिति देखकर वापस लौट गए।

युवक पर चाकू से हमला किया

उदयपुर, (कासं)। आपसी बातचीत के दौरान साले ने चाकू से हमला कर जीजा को घायल किया। वहीं बचाव में आया व्यक्ति पत्थरबाजी से घायल हो गया।

जानकारी के अनुसार पीड़ित अजय गुजराती पुत्र नेनाजी निवासी उदियापोल कच्ची बस्ती पेट्रोल पंप के पास सूरजपोल ने अपने जीजा राहुल व उसके चाचा के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया, जिसमें बताया कि 1 जून दोपहर में बहन को ले जाने की बात को लेकर चर्चा करने पर आवेश में आए राहूल ने चाकू से हमला कर दिया, जिससे बगल में घाव लगने से गंभीर घायल हो गया। इसी दौरान रेल्वे स्टेशन के सामने कच्ची बस्तीर निवासी राधे गुजराती पुत्र राजु गुजराती पर पड़ोसी अजय व विजय ने पत्थरबाजी कर दी, जिससे सिर में चोट लगने से राधे घायल हो गया। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है, जिसकी जांच एएसआई शिशराम को सौंपी है।

झुंझुनूं में दो कारों की टक्कर, तीन गंभीर घायल

चिड़ावा/झुंझुनूं, (निसं)। झुंझुनूं-चिड़ावा मार्ग पर मंगलवार सुबह नूनिया गोठड़ा मोड़ के पास दो कारों के बीच हुई आमने-सामने की भीषण भिड़ंत में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा इतना भयावह था कि टक्कर के बाद एक कार अनियंत्रित होकर सड़क से उतरते हुए सीधे पास के खेत में जा घुसी। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई तथा दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह करीब 8 बजे एक क्रेटा कार चिड़ावा से झुंझुनूं की ओर जा रही थी। जैसे ही कार नूनिया गोठड़ा मोड़ के पास पहुंची, सामने से आ रही अर्टिगा कार से उसकी जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर की तीव्रता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि क्रेटा कार सड़क किनारे खेत में जा घुसी, जबकि दोनों वाहनों के अगले हिस्से पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे में कुलदीप पुत्र श्रीरामधारी निवासी दिल्ली, सुधीर पुत्र मायादीन निवासी रेवाड़ी हरियाणा तथा लक्ष्मण दास निवासी रेवाड़ी हरियाणा गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के तुरंत बाद आसपास के ग्रामीणों और राहगीरों ने मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए राहत कार्य शुरू किया और घायलों को क्षतिग्रस्त वाहनों से सुरक्षित बाहर निकाला।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी जोरदार थी कि धमाके जैसी आवाज सुनकर आसपास के लोग घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। हादसे के बाद कुछ समय के लिए मार्ग पर यातायात भी प्रभावित रहा। सूचना मिलने पर संबंधित अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

सरकारी स्कूल के आंगनबाड़ी केन्द्र में खून फैला मिला

अलवर, (निसं)। अलवर में सरकारी स्कूल परिसर में चल रहे आंगनबाड़ी केंद्र में खून फैला मिलने से सनसनी फैल गई। यह मामला अरावली विहार थाना इलाके के रूपवास स्थित सरकारी स्कूल का है।

जानकारी के अनुसार रोजाना की तरह मंगलवार सुबह जब आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और कुछ लाभार्थी बच्चे केंद्र पर पहुंचे, तो वहां का नजारा देखकर उनके होश उड़ गए। आंगनबाड़ी के कमरों के बाहर परिसर के फर्श पर खून बिखरा हुआ था। सिर्फ फर्स ही नहीं, बल्कि वहां की दीवारों पर भी खून के छींटे और धब्बे साफ दिखाई दे रहे थे। इसके अलावा पूरे परिसर में नंगे पैरों और जूते-चप्पलों के खून से सने निशान भी मिले हैं, जिससे साफ अंदाजा लगाया जा रहा है कि रात के वक्त यहां कोई बड़ी घटना हुई थी। आंगनबाड़ी स्टाफ ने तुरंत इस घटना की जानकारी स्कूल प्रशासन और अरावली विहार थाना पुलिस को दी। स्कूल के भीतर खून मिलने की खबर ने स्थानीय लोगों डर का माहौल पैदा कर दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस के आला अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे। शुरुआती जांच में पुलिस को मामला संदिग्ध लगा, जिसके बाद तुरंत फोरेंसिक (एफएसएल) टीम को मौके पर बुलाया गया।

- आंगनबाड़ी के कमरों के बाहर परिसर के फर्श पर खून बिखरा हुआ था, दीवारों पर भी खून के छींटे और धब्बे साफ दिखाई दे रहे थे
- पूरे परिसर में नंगे पैरों और जूते-चप्पलों के खून से सने निशान भी मिले, एफएसएल मौके पर पहुंची

जल संसाधन मंत्री ने सह बंध होम्स कैनाल का निरीक्षण किया

डीग/भरतपुर, (निसं)। राज्य सरकार के वन्दे गंगा जल संरक्षण जन अभियान-2026 को धरातल पर सशक्त व परिणाममूलक बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास जारी हैं। इसी क्रम में जल संसाधन मंत्री तथा भरतपुर व डीग जिले के प्रभारी मंत्री सुरेश सिंह रावत, डीग-कुम्हेर विधायक डॉ. शैलेश सिंह और जिला कलेक्टर मयंक मनीष ने सह बंध-होम्स कैनाल के कार्यों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के पश्चात, कुम्हेर स्थित ऐतिहासिक कच्चा कुण्डा पर विधि-विधान के साथ जल पूजन किया गया। इस अवसर पर पर्यावरण संवर्धन का उत्कृष्ट संदेश देते हुए सघन वृक्षारोपण भी किया गया। जनसमूह को संबोधित करते हुए जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने कहा कि मुख्यमंत्री राजस्थान की दूरगामी सोच का परिणाम है कि आज राजस्थान का वन्दे गंगा जल संरक्षण जन अभियान पूरे देश में एक मिसाल बन गया है। अन्य राज्य भी इस अभियान की सफलता की विस्तृत रिपोर्ट राजस्थान से मांग रहे हैं। उन्होंने स्वच्छता पर बल देते हुए कहा कि जल स्त्रोतों की साफ-सफाई हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। जब तक यह अभियान एक वृहद जन-आंदोलन का रूप नहीं ले लेता, तब तक निरंतर हमें अपने स्तर पर इसकी स्वच्छता सुनिश्चित करनी होगी।

उन्होंने संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना का उल्लेख करते हुए आश्वस्त किया कि राज्य सरकार कालीसिंध और पार्वती नदियों का पानी प्रदेश के 17 जिलों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है, जिससे जल संकट का स्थायी समाधान होगा। उन्होंने आगामी विश्व पर्यावरण दिवस के दृष्टिगत आमजन से अपील की कि वे अधिक से अधिक पेड़ लगाएं और पानी की एक-एक बूंद को व्यर्थ बहने से रोकें। इस अवसर पर डीग-कुम्हेर विधायक डॉ. शैलेश सिंह ने 400 केवी जीएसएस के शिलान्यास पर मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के अंत में जिला कलेक्टर मयंक मनीष ने सभी को वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत शपथ दिलाई।

अजमेर में सोहन हलवा निर्माण फैक्टरी पकड़ी

अजमेर, (निसं)। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण आयुक्तालय तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देश पर चलाए जा रहे "शुद्ध आहार-मिलावट पर वार" अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग ने फायसागर रोड स्थित न्यू गोता कॉलोनी में संचालित एक सोहन हलवा निर्माण इकाई पर कार्रवाई की। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने मेसर्स सुहानी स्वीट्स का निरीक्षण किया। जांच के दौरान संचालक नमित गोयल ने केवल खुदरा विक्रेता श्रेणी का पंजीकरण प्रस्तुत किया, जबकि मौके पर बड़े स्तर पर सोहन हलवा का निर्माण किया जा रहा था। नियमों के अनुसार निर्माण इकाई के लिए निर्माता श्रेणी का खाद्य अनुज्ञा पत्र आवश्यक है।

निरीक्षण में पाया गया कि निर्माण कार्य अत्यंत अस्वच्छ परिस्थितियों में किया जा रहा था। श्रमिकों के चिकित्सकीय स्वास्थ्य प्रमाण पत्र उपलब्ध नहीं थे। पानी की जांच रिपोर्ट और कीट नियंत्रण संबंधी अभिलेख भी नहीं मिले।

लहसुन खुर्द-बुर्द कर ट्रक में आग लगाई

छबड़ा, (निसं)। छबड़ा कृषि उपज मंडी से हैदराबाद जा रहे लहसुन को खुर्द-बुर्द कर ट्रक डाईवर ने मध्यप्रदेश सीमा में पहुंचकर ट्रक में आग लगा दी। मंडी व्यापारी की रिपोर्ट पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है।

कडैयानोहर निवासी लहसुन व्यापारी पुरूषोत्तम मालव ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि उसकी भाभी ममता बाई के नाम पर छबड़ा कृषि उपज मंडी में गोवर्धन ट्रेडिंग कंपनी नाम की फर्म हैं। 29 मई को कनिष्क रोड लाईस के ट्रांसपोर्टर मुरारी सुमन (छबड़ा) के जरिए ड्राईवर रामकुमार ओझा निवासी अशोकनगर के ट्रक में 12 टन 170 किलो लहसुन भरवाकर हैदराबाद में नरसीह यादव की गोपी श्री ट्रेडिंग कम्पनी के यहां रवाना किया था। 30 मई को मुरारी से पता लगा कि लहसुन से भरे ट्रक में बैतुल घाट पर आग लग गई हैं। इस पर वह, मुरारी सुमन (ट्रांसपोर्टर), रघुवीर नागर, लालचन्द सुमन 31 मई को बैतुल घाट पहुंचे। यहां देखा तो ट्रक के केबिन की तरफ व पीछे की ओर आग लगी हुई थी। वही, ट्रक में भरे लहसुन को दूसरी गाड़ी में भरकर वजन करवाया तो लहसुन 6 टन 200 किलो ही निकला।

स्कॉर्पियो में 25 लाख रु. मिले

लक्ष्मणगढ़, (निसं)। नाकाबंदी के दौरान बलारां पुलिस को स्कॉर्पियो गाड़ी में 25 लाख 55 हजार रुपए मिले।

पुलिस ने स्कॉर्पियो गाड़ी में सवार दो जनों से गाड़ी में रखे रूपए के बारे में जब पूछताछ की तो कोई संतोष जवाब नहीं दिए जाने पर बलारां पुलिस ने स्कॉर्पियो गाड़ी व रूपए जब्त कर आयकर विभाग को सूचना दी। वहीं पुलिस ने मामले को लेकर आगे की जांच शुरु कर दी है।

स्कूल के पास ईंट-भट्ठे का निर्माण शुरू होने पर ग्रामीणों ने विरोध किया

अनूपगढ़, (निसं)। रावला के गांव 5 डीओएल में एक सरकारी प्राइमरी स्कूल के पास ईंट-भट्ठे का निर्माण शुरू होने पर ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन किया है। ग्रामीणों का कहना है कि यह भट्ठा स्कूल से मात्र 300 मीटर की दूरी पर बन रहा है, जिससे बच्चों और स्थानीय निवासियों के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि ईंट-भट्ठे से निकलने वाले प्रदूषण के कारण स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों और गांव के लोगों को सांस संबंधी बीमारियां हो सकती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह निर्माण कार्य सरकारी दिशा-निर्देशों का उल्लंघन कर रहा है। गांव के प्रेम कुमार ने बताया कि यह स्कूल गांव को हाईवे से जोड़ने वाली एकमात्र लिंक रोड पर स्थित है। ईंट-भट्ठा बनने से भारी वाहनों की आवाजाही बढ़ेगी, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाएगा। ग्रामीणों ने चिंता व्यक्त की कि यदि भट्ठा स्कूल के पास बना तो गरीब परिवारों को अपने बच्चों को स्कूल से हटाने पर मजबूर होना पड़ेगा। विरोध प्रदर्शन के बाद, ग्रामीणों ने घडसाना एसडीएम दीपक चंदन और रावला तहसीलदार रामस्वरूप मीणा को ज्ञापन सौंपकर निर्माण कार्य तुरंत बंद करवाने और ईंट-भट्ठे को गांव व स्कूल से दूर स्थापित करने की मांग की।

- ग्रामीणों का कहना है कि ईंट-भट्ठे से बच्चों और स्थानीय निवासियों के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा
- घडसाना एसडीएम और रावला तहसीलदार को ग्रामीणों ने ज्ञापन सौंपकर निर्माण कार्य तुरंत बंद करवाने और ईंट-भट्ठे को गांव व स्कूल से दूर स्थापित करने की मांग की

एसडीएम दीपक चंदन ने ग्रामीणों को मामले की जांच का आश्वासन दिया है। उन्होंने तहसीलदार को वास्तविक स्थिति की रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए हैं, जिसके बाद तहसीलदार ने पटवारी को मौके का मुआयना करने के आदेश जारी किए हैं।

1.60 लाख का मादक पदार्थ जब्त

कोटा, (निसं)। मंडाना पुलिस टीम ने नाकाबंदी के दौरान कार्रवाई करते हुए मोटरसाइकिल की तलाशी के दौरान 11.020 किलो अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा सहित छीपडदा निवासी धनराज को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम द्वारा पकड़े गये अवैध मादक पदार्थ की अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 1 लाख 60 हजार रूपये बताई गई है।

ग्रामीण एसपी सुजीत शंकर ने बताया कि मंडाना थानाधिकारी वासुदेव मय जाप्ता एनएच-52 गोपालपुरा पर नाकाबंदी कर वाहनों की जांच कर रहे थे। नाकाबंदी के दौरान एक बाइक सवार नाकाबंदी को देखकर भागने लगा मौके पर मौजूद पुलिस टीम ने संदेह होने पर बाइक सवार का पीछा कर उसे रोका।

खेतड़ी में डीजल से भरा टैंकर पलटा, हादसा टला

टैंकर में आग लग जाती तो बड़ा नुकसान हो सकता था

खेतड़ी, (निसं)। बुहाना थाना क्षेत्र के जयसिंहपुरा गांव के निकट बीती रात को एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया, जब पेट्रोल-डीजल से भरा एक टैंकर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। हादसा रात करीब 12 बजे हुआ। टैंकर बुहाना से सूरजगढ़ की ओर जा रहा था कि वह रास्ते में हादसे का शिकार हो गया।

दुर्घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए तथा घटना की जानकारी पुलिस को दी। टैंकर के पलटते ही सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। पेट्रोल और डीजल से भरे टैंकर के पलटने की खबर आसपास के क्षेत्र में तेजी से फैल गई, जिसके बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर एकत्र हो गए। लोगों में आशंका थी कि यदि टैंकर में आग लग जाती या कोई अन्य दुर्घटना हो जाती तो बड़ा नुकसान हो सकता था। ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए टैंकर चालक को सुरक्षित बाहर निकाला। इसके बाद टैंकर को सड़क से हटाने के लिए क्रेन मंगवाई गई। करीब तीन से चार क्रेनों की मदद से काफी मशक्कत के बाद टैंकर को सड़क किनारे सुरक्षित स्थान पर खड़ा कराया गया। इस दौरान यातायात प्रभावित रहा और दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। सूचना मिलने पर बुहाना थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था के बीच यातायात को नियंत्रित किया तथा टैंकर को सुरक्षित स्थान पर खड़ा करवाकर सड़क मार्ग को सुचारू कराया। कई घंटों की मशक्कत के बाद यातायात सामान्य हो सका। गनीमत रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई और न ही किसी प्रकार का विस्फोट या आगजनी की घटना हुई। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते राहत कार्य नहीं किया जाता तो यह दुर्घटना बड़े हादसे का रूप ले सकती थी। वहीं पुलिस मामले की जांच कर रही है तथा टैंकर पलटने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। प्रारंभिक तौर पर चालक का वाहन पर नियंत्रण खोना दुर्घटना का कारण माना जा रहा है।

संक्षिप्त

कांग्रेस ओबीसी विभाग के प्रदेशाध्यक्ष का स्वागत

टोंक। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी ओबीसी विभाग के प्रदेश अध्यक्ष हरसहाय यादव व राजेंद्र सेन नेशनल कोऑर्डिनेटर का मंगलवार को टोंक आगमन पर जिलाध्यक्ष पंकज यादव के नेतृत्व में जिला कार्यकारिणी सदस्यों ने राज मिडवे होटल पर उनका माला-साफा पहनाकर गर्मजोशी से स्वागत-सत्कार किया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों के साथ हरसहाय यादव का अभिनंदन किया। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए हरसहाय यादव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ओबीसी वर्ग के हक और सम्मान के लिए हमेशा लड़ती आई है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस ने प्रदेश में ओबीसी आरक्षण, छात्रवृत्ति और रोजगार के मुद्दों को मजबूती से उठाया जाएगा तथा संगठन को बूथ स्तर तक और मजबूत करना हमारी प्राथमिकता है। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष पंकज यादव ने कहा कि प्रदेशाध्यक्ष का टोंक आना कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार करता है।

कार्यालय उप आवासन आयुक्त वृत्त-प्रथम, राजस्थान आवासन मण्डल, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक:804 जाहिर आम-सूचना दिनांक:12.05.2026
राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर योजना में आवास/ फ्लैट संख्या 63 / 189 (MIG-B) का आवंटन श्री अरजन दास छाबड़ा पुत्र श्री आत्माराम छाबड़ा को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 866 दिनांक 21-02-1994 को जारी किया गया था। इनके पक्ष में पंजीयन पत्रों निष्पादन दिनांक 16.09.2004 को कर दिया गया। श्री अरजन दास छाबड़ा द्वारा उक्त आवास को दिनांक 01.10.2004 को श्री रविन्द्र सिंह पुत्र श्री बस्तीराम को विक्रय कर उनके पक्ष में विक्रय पत्र उप पंजीयक सांगानेर जयपुर के यहां पंजीकृत करवाया गया। तत्पश्चात श्री रविन्द्र सिंह के निवेदन पर कार्यालय के कार्यालय आदेश क्रमांक 2742 दिनांक 14.06.2005 के द्वारा इनका नाम मण्डल रिकार्ड में दर्ज किया गया। श्री रविन्द्र सिंह द्वारा उक्त आवास को दिनांक 30.06.2006 को श्रीमती नीलम सक्सेना पत्नी स्व. श्री सुभाष सक्सेना को विक्रय कर उनके पक्ष में विक्रय पत्र उप पंजीयक सांगानेर प्रथम जयपुर के यहां पंजीकृत करवाया गया। तत्पश्चात श्रीमती नीलम सक्सेना के निवेदन पर कार्यालय के कार्यालय आदेश क्रमांक 6688 दिनांक 28.03.2007 के द्वारा इनका नाम मण्डल रिकार्ड में दर्ज किया गया। श्रीमती नीलम सक्सेना द्वारा उक्त आवास को दिनांक 12.10.2022 को श्रीमती पूजा मोटवानी पत्नी श्री आनन्द कुमार मोटवानी को विक्रय कर उनके पक्ष में विक्रय पत्र उप पंजीयक जयपुर दशम् के यहां पंजीकृत करवाया गया। क्रेती श्रीमती पूजा मोटवानी पत्नी श्री आनन्द कुमार मोटवानी द्वारा आवासन मण्डल में उक्त आवास पर अपना नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ती हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नही हैं, श्रीमती पूजा मोटवानी पत्नी श्री आनन्द कुमार मोटवानी का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा। भवदीय
सम्पदा प्रबन्धक वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

आम सूचना दिनांक:- 02.06.2026
मैं ब्रज मोहन बागड़ा पुत्र स्व. श्री रामदास बागड़ा अपने पुत्र कुंज बिहारी को अपनी स्व:अर्जित सम्पत्ति दुकान नं. 5, सैक्टर 8, विधाधर नगर से सम्पूर्ण रूप से बेदखल करता हूँ ऐसे पुत्र का उक्त सम्पत्ति पर किसी भी प्रकार का अधिकार भविष्य में नहीं होगा।
जरिये अधिवक्ता 'अनिल बड़गूजर'
कार्यालय: चैम्बर नं. 20, 21, चन्द्र बिहार चौपड़ मैरिज गार्डन के सामने करणी पैलेस रोड, वैशाली नगर मो.9602747837

जन्मतिथि परिवर्तन
मैं मीठालाल गुर्जर पुत्र श्री लक्ष्मण गुर्जर निवासी हमीदपुरा खण्डवा तह. निवाई मैरी पुत्री ईशिका गुर्जर के दस्तावेजों में त्रुटिवश जन्मतिथि 09.08.2013 हो गई थी, जबकि मेरी पुत्री ईशिका गुर्जर की जन्मतिथि 27.07.2014 है। अब मैने सभी दस्तावेजों में मेरी पुत्री ईशिका की जन्मतिथि 27.07.2014 करवा लिया है।

आम सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं श्री ईशान सिंह राजावत के अधिकार व स्वामित्व का एक आबादी भूमि का पट्टा शुदा भूखण्ड स्थित ग्राम भाटेड, ग्राम पंचायत-दादिया, पंचायत समिति-सांगानेर, जिला- जयपुर, राजस्थान कुल क्षेत्रफल 275.32 वर्गगज है। सर्वप्रथम उपरोक्त आबादी भूमि का पट्टा शुदा भूखण्ड स्थित ग्राम भाटेड, ग्राम पंचायत- दादिया, पंचायत समिति- सांगानेर, जिला- जयपुर, राजस्थान का पट्टा विलेख संख्या-28, दिनांक- 22.07.2013 की अनुपालना दिनांक 06.08.2014 को प्रारूप संख्या- 23-क द्वारा प्रशासन सरपंच व ग्राम विकास अधिकारी द्वारा सर्वप्रथम श्री जगदीश सिंह के नाम आवंटित किया गया। तत्पश्चात उक्त आबादी भूमि का पट्टा शुदा भूखण्ड को दिनांक- 20.02.2025 को प्रशासन सरपंच व ग्राम विकास अधिकारी द्वारा पुर्नवैद्य किया गया। जिसका पंजीयन कार्यालय सांगानेर द्वितीय द्वारा दिनांक- 22.04.2025 को पंजीबद्ध किया गया। तत्पश्चात श्री जगदीश सिंह ने उपरोक्त वर्णित आबादी भूखण्ड को अपनी पुत्रवधु- श्रीमती सरोज कँवर को जरिये रजिस्टर्ड उपहार-पत्र दिनांक- 06.05.2025 के द्वारा उपहार में दे दिया। जिसका पंजीयन कार्यालय- सांगानेर द्वितीय, दिनांक 06.05.2025 ईस्वी को पंजीबद्ध किया गया। तत्पश्चात श्रीमती सरोज कँवर का दिनांक- 25.04.2026 को स्वर्गवास हो गया। जिनके वारिसानो के रूप में उनकी तीन पुत्रीया एवं एक पुत्र क्रमशः- ज्योति कँवर, पूजा कँवर, नेहा कँवर, एवं ईशान सिंह राजावत अपने- अपने अविभाजित हिस्सो के मालिक हुये। तत्पश्चात ज्योति कुँवर, पूजा कँवर, नेहा कुँवर ने उपरोक्त आबादी भूखण्ड में अपने-अपने अविभाजित हिस्से को अपने भाई श्री ईशान सिंह राजावत को जरिये लिखित हत्याग-पत्र द्वारा हकत्याग कर दिया। जिसका पंजीयन कार्यालय सांगानेर द्वितीय, दिनांक 18.05.2026 ईस्वी को पंजीबद्ध किया। तथा अब श्री ईशान सिंह राजावत ने उक्त सम्पत्ति पर ऋण के लिए Sammaan Capital Ltd. में आवेदन किया है। उक्त सम्पत्ति में उपरोक्त वारिसो के अलावा अन्य कोई उत्तराधिकारी, वारिस हो का उक्त सम्पत्ति में स्वामित्व के बाबत या उक्त सम्पति को कम्पनी द्वारा बन्धक रखने बाबत् किसी भी प्रकार का किसी भी व्यक्ति, संस्था आदि को आपत्ति व उज्र हो तो निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष उक्त सूचना के प्रकाशन के 7 दिवस में अपना अधिकार या हक मय दस्तावेज प्रस्तुत करें, अन्यथा Sammaan Capital Ltd. द्वारा उक्त सम्पत्ति को रहन कर लिया जावेगा एवम् उसके पश्चात् किसी का भी किसी भी प्रकार का कोई हक या अधिकार मान्य नही होगा।
अधिवक्ता विवेक गोयल एडवोकेट, मो. 9828433300, 9829099898
ऑफिस नं.-बी-9/10,अक्षत अपार्टमेन्ट, डी-235, बिहारी मार्ग, बनीपार्क, जयपुर, राज.

NAME CHANGE

I have changed my name from Ram Kishor to Ram Kishore Choudhary S/o Dhularam Choudhary for all purpose. Resi.:- 1, Ravi Path, Sawai Bagichi, Janta Colony, Jaipur-302004

I have changed my name Lokesh Kumar to Lokesh Kumar Gupta for all future and legal purpose. Address: 680, Sumer Nagar, Mansarovar Ext. Jaipur 302020

मैंने अपना नाम अनिल अग्रवाल से बदलकर अनिल कुमार अग्रवाल पुत्र श्री नंद किशोर अग्रवाल रख लिया है। निवासी डी-662 मालवीय नगर जयपुर, राजस्थान। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जाए।

मैंने अपना नाम अल्ताफ हुसैन से बदलकर शेख अल्ताफ हुसैन कर लिया है। शेख अल्ताफ हुसैन पुत्र लियाकत हुसैन निवासी 3488, जगन्नाथ शाह का रास्ता, मोहल्ला हांडीपुरा।

Army No. 16015580A Nk (Retd.) Lakhan Singh Tanwar S/o Sawai Tanwar R/o Village Post Narhera Dist Jaipur Rajasthan 303105. In army record my daughter' name Tamanna and Date of Birth 14.02.2008 wrongly recorded. Correct name is Tammana Rajput and Date of Birth 14.08. 2008. In future known Tamanna Rajput DOB 14.08.2008

नम्बर मिलाइए
8890333139

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

कालाखो बांध में जल पूजन व कलश यात्रा निकालकर जल संरक्षण का संदेश दिया

जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने कालाखो बांध पर जल पूजन व पौधारोपण किया ।

■ ईआरसीपी से दौसा क्षेत्र में मजबूत होगी सिंचाई व्यवस्था, किसानों को मिलेगा भरपूर लाभ : जल संसाधन मंत्री

दौसा। वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के अंतर्गत मंगलवार को कालाखो बांध पर जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत की उपस्थिति में जल पूजन, कलश यात्रा, पौधारोपण एवं जन-जागरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, महिलाओं एवं ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में सहभागिता कर जल संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने कालाखो बांध पर विधिवत जल पूजन कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं अच्छी वर्षा की कामना की। इस अवसर पर महिलाओं द्वारा कलश यात्रा निकाली गई तथा जल संरक्षण के प्रति जनजागरूकता का संदेश दिया गया। साथ ही पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से पौधारोपण भी किया गया। अपने संबोधन में मंत्री रावत ने कहा कि जल संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है तथा वर्षा जल के अधिकतम संचयन एवं जल स्त्रोतों के संरक्षण में जनभागीदारी की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जल संसाधनों के संरक्षण एवं सिंचाई व्यवस्थाओं को मजबूत बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) के माध्यम से कालीसिंध, चंबल एवं पार्वती नदियों का जल क्षेत्र तक पहुंचेगा, जिससे दौसा जिले सहित पूर्वी राजस्थान में जल उपलब्धता बढ़ेगी तथा किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिल सकेगा। उन्होंने अधिकारियों को वर्षा ऋतु से पूर्व जल स्त्रोतों, नहरों एवं एनीकटों की आवश्यक मरम्मत सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने जल संरक्षण के व्यापक प्रचार-प्रसार तथा आगामी 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर अधिकाधिक पौधारोपण करने का आह्वान करते हुए कहा कि जल और पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन का स्वरूप देना समय की आवश्यकता है। इस अवसर पर सिकराय विधायक विक्रम बंशीवाल एवं भाजपा जिला अध्यक्ष लक्ष्मी रैला ने भी जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन एवं पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में जिला कलक्टर डॉ. सौम्या झा, अतिरिक्त जिला कलक्टर अरविंद शर्मा, अतिरिक्त जिला कलक्टर (लालसोट) मनमोहन मीणा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शंकर मीणा, उपखंड अधिकारी संजू मीणा, जिला परिषद के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजेश मीणा, जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य अभियंता सुरेश कठानिया, अधीक्षण अभियंता रमाशंकर शर्मा, अधिशासी अभियंता मांगीलाल मीणा, जिला परिषद सदस्य नीलम गुर्जर, जिला समन्वयक लोकेश शर्मा, जिला संयोजक महेंद्र पीलोडी, सरपंच शंभूदयाल बैरवा, विपिन जैन, गुलाब सिंह बैरवा, जयनारायण मीणा, मुकेश सैनी, महेंद्र चांदा, लेखपाल कसाना, कमलेश जोशी, सरोज मीणा, नवीन शर्मा, बांध के चेयरमैन मानसिंह बुर्जा, जल उपयोक्ता संगम के अध्यक्ष एवं सदस्य सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि, महिलाएं एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

14 जिलों के जवानों ने दिखाए हैरतअंगेज करतब

अलवर। अलवर के निकट ठेकड़ा गांव स्थित पुलिस ट्रेनिंग स्कूल में मंगलवार को पुलिस ट्रेनी बैच के दीक्षांत परेड समारोह में पुलिस जवानों ने सेना की तर्ज पर हैरतअंगेज शारीरिक और सामरिक करतब दिखाए। समारोह के मुख्य अतिथि मौजपुर के उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) संजीव यादव रहे। उन्होंने परेड की सलामी ली और ट्रेनी जवानों के अनुशासन, समर्पण व बेहतरीन प्रशिक्षण क्षमता की खुले दिल से सराहना की। यहां प्रदेश के 14 जिलों के 115 जवानों ने करीब 36 महीने की ट्रेनिंग ली। अब उनका दीक्षांत समारोह का आयोजन हुआ। जिसमें पुलिस जवानों ने अपनी ट्रेनिंग में सीखे करतब दिखाए। दीक्षांत परेड के दौरान जैसे ही ट्रेनी जवानों ने कदम से कदम मिलाकर मार्चपास्ट निकाला, पूरा मैदान तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। जवानों ने अपनी ट्रेनिंग का परिचय देते हुए फील्ड क्राफ्ट, हथियारों को तेजी से खोलने-जोड़ने और सामरिक रणनीतियों का जीवंत प्रदर्शन किया।

दौसा कलक्टर ने सहकारी योजनाओं की समीक्षा कर प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए

कलक्टर डॉ. सौम्या झा ने जिला सहकारिता विकास समिति एवं संयुक्त कार्य समिति की बैठक ली।

■ कलक्टर ने ऑर्गेनिक फॉर्मिंग करने वाले काश्तकारों को राष्ट्रीय स्तर की बहुराज्यीय सहकारी समितियों की सदस्यता दिलाने के निर्देश दिए

दौसा। जिला कलक्टर डॉ. सौम्या झा की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला कलक्ट्रेट में जिला सहकारिता विकास समिति (डीसीडीसी) एवं संयुक्त कार्य समिति (जेसीसी) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सहकारिता क्षेत्र से संबंधित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए जिला कलक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्यों की समयबद्ध पूर्ति सुनिश्चित करने तथा योजनाओं की प्रगति में तेजी लाने के निर्देश दिए।

बैठक में पैक्स के कंप्यूटरीकरण, बहुउद्देशीय सहकारी समितियों के गठन, उर्वरक वितरण केंद्रों के विकास, जनऔषधि केंद्रों की स्थापना तथा किसानों को सहकारी संस्थाओं के माध्यम से अधिकाधिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। जिला कलक्टर ने ऑर्गेनिक फॉर्मिंग करने वाले काश्तकारों को राष्ट्रीय स्तर की बहुराज्यीय सहकारी समितियों की सदस्यता दिलाने के निर्देश दिए। बैठक में कृषि एवं सहकारिता विभाग के समन्वय से कस्टम हायरिंग सेंटरों की स्थापना, गोदाम निर्माण के लिए भूमि चिन्हीकरण एवं आवंटन, अन्न भंडारण योजना के क्रियान्वयन तथा सहकारी समितियों को बहुउद्देशीय सेवा केंद्र के रूप में विकसित करने की प्रगति की भी समीक्षा की गई।

सुशासन, पारदर्शिता एवं वित्तीय अनुशासन बनाए रखने, ऑडिट एवं निरीक्षण कार्यों की नियमित समीक्षा तथा समितियों के सुदृढ़ संचालन पर चर्चा की गई। बैठक में सहकारी संस्थाओं के माध्यम से किसानों एवं ग्रामीणों को अधिकाधिक लाभान्वित करने के लिए आवश्यक सुझाव भी दिए गए।

6 अवैध जल कनेक्शन हटाए

टोंक। अधीक्षण अभियंता (एसई) प्रोजेक्ट के निर्देशों के तहत जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा जिले में पेयजल सप्लाई को दुरुस्त रखने एवं अंतिम छोर तक पहुंचाने के लिए लगातार अवैध जल कनेक्शनों पर कार्यवाही की जा रही है। सहायक अभियंता धर्मराज मीणा के नेतृत्व में टीम ने ग्राम पंचायत बोसरिया के लक्ष्मीपुरा ग्राम में 6 अवैध जल कनेक्शन हटाए गए। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी परियोजना के अधिशाषी अभियन्ता आकाशदीप सिंह गुर्जर ने बताया कि अवैध कनेक्शनों की निरीक्षण कर पहचान की गई।अवैध कनेक्शनकर्ता देवलाल पुत्र मांगी लाल जाट, भंवर लाल पुत्र बैधनाथ जाट, चौथमल पुत्र रतनलाल जाट, लक्ष्मीनारायण पुत्र वैधनाथ जाट, रामलाल पुत्र जगदीश जाट एवं कैलाश पुत्र जगन्नाथ जाट के विरूद्ध कानूनी कार्यवाही करते हुए दण्डात्मक शुल्क भी लगाया गया। पेयजल लाईन में अवैध कनेक्शनों की पुनरावृत्ति ना हो इसके लिए विभाग ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि अवैध कनेक्शन की पुनरावृत्ति होती है, तो उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जाएगी।

खेल प्रशिक्षण शिविर शुरु

निवाई। शिक्षा विभाग के तत्वावधान में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सेदरिया खुर्द में ग्रीष्मकालीन खो खो खेल प्रतियोगिता का 15 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ हुआ। प्रधानाचार्य घनश्याम बुनकर ने बताया कि 15 जून तक आयोजित होने वाले खेल प्रशिक्षण शिविर में 12 छात्र एवं 12 छात्राएं प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

खोया पाया

मेरे आवास 50/381, रजत पथ, मानसरोवर, जयपुर के मूल आवंटन पत्र सख्या 3986/5005220 एवं कब्ज़ा पत्र न. 3986 कहीं खो गया है जो कि प्रदीप कुमार के नाम से जारी है कृपया मिलने पर सूचित करें चमन विजय 9252505699

मेरे मकान 5-च-20 जवाहर नगर जयपुर का मूल कब्जापत्र, डिक्लेरेशन जवाहर नगर में कहीं गिर गया है मिलने पर सूचित करें महावीर राज गेलड़ा 941406 2117

मेरे प्लॉट सं. 33/86 प्रताप नगर, सांगानेर का अलोटमेंट लेटर, पजेशन लेटर कहीं गुम हो गये है मिलने पर सूचित करें। मधु जैन 9461307706

मेरा मकान 31/41 प्रतापनगर सांगानेर का मूल अदेय प्रमाणपत्र व आवंटनपत्र मुझसे कहीं गुम हो गया है मिलने पर सूचित करे स्वाति लखियानी 9829750511

श्री अग्रवाल सेवा समिति (रजि. 61/ जय/ 1995-96) का मूल रजिस्ट्रेशन एवं विधान, विद्याधर नगर जयपुर के आसपास खो गये है। मिलने पर सम्पर्क करें: शशिकांत अग्रवाल 9414250939

मेरे प्लॉट नम्बर-224, गोविन्दपुरा, सांगानेर, जयपुर का अलाटमेंट लेटर और पजेशन लेटर कहीं खो गया। मिलने पर सूचित करें- शंकर- 9829816993

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक :- 1207 जाहिर आम-सूचना दिनांक :- 01/06/2026
राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवास/फ्लैट संख्या 68/329 (HIG), (एरिया 164.000 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्रीमती सुमन कुमार पत्नी श्री बी. कुमार को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 824 दिनांक 29.06.1996 को जारी किया गया। श्रीमती सुमन कुमार के पक्ष में उक्त आवास / फ्लैट के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 13.12.1996 को उप पंजीयक-सांगानेर, जयपुर, के यहां पंजीकृत करवाये गये।
श्रीमती सुमन कुमार द्वारा उक्त आवास/फ्लैट को दिनांक 12.06.2013 के द्वारा 1. श्री संदीप भाटिया पुत्र श्री बी. आर. भाटिया एवं 2. श्रीमती बरखा भाटिया पत्नी श्री संदीप भाटिया को विक्रय कर उप पंजीयक सांगानेर-प्रथम, जयपुर के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया।
श्रीमती बरखा भाटिया की मृत्यु दिनांक 16.04.2026 को हो जाने के कारण इनके पति श्री संदीप भाटिया पुत्र श्री बी. आर. भाटिया द्वारा स्वयं के 1/2 हिस्से के अतिरिक्त उक्त आवास / फ्लैट को पंजीकृत हकत्याग पत्र के आधार पर स्वंय के नाम हस्तान्तरण करने हेतु आवेदन किया गया है।
अतः उक्त आवास / फ्लैट के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नही हैं, श्री संदीप भाटिया पुत्र श्री बी. आर. भाटिया का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम,
राज. आवा. मण्डल, जयपुर

हैतुक दर्शित करने के लिये सूचना
(साधारण प्रारूप)
व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्याक 4
न्यायालय अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश दूदू जिला जयपुर राज०
मुकदमा नम्बर 56/22
ममता पुत्री मोहनलाल पत्नी रामपाल जाति जांगिड निवासी छोटा उदयपुर तहसील किशनगढ़ जिला अजमेर राज० हाल निवासी गिदानी तहसील मौजमाबाद जिला जयपुर राज०
प्रार्थीया
बनाम
रामपाल पुत्र छोटूलाल जाति जांगिड निवासी छोटा उदयपुरखुर्द तहसील किशनगढ़ जिला अजमेर राज०
अप्रार्थीया
प्रार्थना पत्र बाबत विवाह विच्छेद याचिका अन्तर्गत धारा 13 ए हिन्दू विवाह अधिनियम 1955
उक्त प्रार्थीया ने इस न्यायालय में यह प्रार्थना पत्र पेश की है।
अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए तारीख 29 माह 06 सन् 2026 पूर्वान्हि में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश दिया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आवेदन की सुनवाई और उसका निपटारा एकपक्षीय रूप से किया जायेगा।
यह आज तारीख 30 माह 05 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।
तहसीलदार/रीडर ग्रेड-प्रथम
मोहर अदालत अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश
दूदू जिला जयपुर

H.C.J.Part.VII-2 नमूना काबिज फरोख्त
सम्मन वास्ते करारदाद उमर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
नम्बर मुकदमा 823/24
बअदालत सिविल जज (सी.डि.) जिला बिजनौर मुद्दई
अजय देवरा साकिन प्रदीप आदि बनाम साकिन
अदालती सूचना
आदेशानुसार श्री नितेश कुमार सिन्हा सिविल जज (सी.डी.) बिजनौर
मूलवाद 823/2024
अजय कुमार देवरा बनाम प्रदीप कुमार आदि
अजय कुमार देवरा पुत्र श्री मोती सिंह निवासी - मौ. रईसान, कस्बा हल्दौर परगना दारानगर, तहसील व जिला बिजनौर उ.प्र.
बनाम
राजकुमार पुत्र श्री मोती सिंह निवासी जी 17, सुखी विहार, गाँधीपथ वेस्ट, वैशाली उत्सव, वैशाली नगर, जयपुर, राजस्थान
हरगाह वादी अजय देवरा के आपके नाम एक नालिश बाबत के दायर की है लिहाजा आकपो हुक्म होता है कि बतारीख 17 माह 07 सन् 2026 ई० बवक्त 10 बजे दिन के असालतन या मार्फत वकील के जो मुकदमे के हालात करार वाकई वाकिफ किया गया है और जो कुल उमूर अहम मुताल्लिक के मुकदमा का जवाब दे सके या जिसके पास कोई शख्स हो जो कि जवाब में ऐसे सवालात को दे सके हाजिर हो और जवाबदेही दावा को करे और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज पेश करे जिन पर आप बताईद अपनी जवाबदेह के इस्तेमाल करना चाहते हों।
आपको इत्तिला दी जाती है अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपको समसुआ और फैसला होगा।
दरख्वास्त मेरे दस्तखत और मोहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई० जारी किया गया।
इत्तिला
1. अगर आपको आदेश हो कि आप गवाह अपनी मर्जी से हाजिर न होंगे तो आप अदालत हाजा से सम्मन बमुराद जारी करा सकता है जो गवाह हाजिर न हो यह जबरन हाजिर करा दिया जाय और दस्तावेज को -किसी गवाह में पेश कराने का आम इत्तेफाक रखते हों वह इससे पेश करायी जाये बशर्ते कि आप खर्चा अदालत में दाखिल करके इस उमर को दरख्वास्त गुजराइये।
2. अगर आप मुत्तालिया मुद्दई का तसलीम करते तो आपको लाजिम कि रुपया मय खर्चा नालिश अदालत करे ताकि कार्यवाही इजराय डिगरी जो आपकी जान माल या दोनों पर ही करना पड़े।
नियत दिनांक 17.7.2026 **प्रबंधक**
सिविल जज (सी.डि.) बिजनौर (उ.प.)

न्यायालय संभागीय आयुक्त
जयपुर संभाग, जयपुर
प्रकरण संख्या : 1635/2025
विष्णु मीणा व अन्य
बनाम
कमला देवी व अन्य
- श्रीमती हनुमानी देवी मीणा पत्नी स्वर्गीय श्री रघुवीर उर्फ रघुनाथ मीणा
- श्रीमती नीतू मीणा पत्नी श्री मुकेश मीणा, पुत्री स्वर्गीय श्री रघुवीर उर्फ रघुनाथ मीणा
- सुश्री टीना मीणा पुत्री स्वर्गीय श्री रघुवीर उर्फ रघुनाथ मीणा, समस्त निवासीगण-ए-86, बस्सी सीतारामपुरा नेहरू नगर, जयपुर (राजस्थान)

..... प्रतिवादीगण :-
न्यायालय संभागीय आयुक्त, जयपुर संभाग, जयपुर के समक्ष अपील संख्या 1635/2025 ''विष्णु मीणा व अन्य बनाम कमला देवी व अन्य ''विचाराधीन है।
अत: आपको सूचित किया जाता है कि इस अदालत की तजबीज माह 09.06.2026 वास्ते समाअत इस अपील के मुकर्रर की गई अगर खुद आप या आपके वकील व और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जवाब व सवालात करने का माजज हो हाजिर न आवेगा तो उसकी समाअत और की जावेगी। आज तारीख 02.06.2026 मेरे दस्तखत और मोहर अदालत से जारी किया।
दस्तखत जज
मोहर न्यायालय रीडर
न्यायालय संभागीय आयुक्त, जयपुर

न्यायालय संभागीय आयुक्त
जयपुर संभाग, जयपुर
प्रकरण संख्या : 1634/2025
विष्णु मीणा व अन्य
बनाम
कमला देवी व अन्य
- श्रीमती हनुमानी देवी मीणा पत्नी स्वर्गीय श्री रघुवीर उर्फ रघुनाथ मीणा
- श्रीमती नीतू मीणा पत्नी श्री मुकेश मीणा, पुत्री स्वर्गीय श्री रघुवीर उर्फ रघुनाथ मीणा
- सुश्री टीना मीणा पुत्री स्वर्गीय श्री रघुवीर उर्फ रघुनाथ मीणा, समस्त निवासीगण-ए-86, बस्सी सीतारामपुरा नेहरू नगर, जयपुर (राजस्थान)

..... प्रतिवादीगण :-
न्यायालय संभागीय आयुक्त, जयपुर संभाग, जयपुर के समक्ष अपील संख्या 1634/2025 ''विष्णु मीणा व अन्य बनाम कमला देवी व अन्य ''विचाराधीन है।
अत: आपको सूचित किया जाता है कि इस अदालत की तजबीज माह 09.06.2026 वास्ते समाअत इस अपील के मुकर्रर की गई अगर खुद आप या आपके वकील व और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जवाब व सवालात करने का माजज हो हाजिर न आवेगा तो उसकी समाअत और की जावेगी। आज तारीख 02.06.2026 मेरे दस्तखत और मोहर अदालत से जारी किया।
दस्तखत जज
मोहर न्यायालय रीडर
न्यायालय संभागीय आयुक्त, जयपुर

न्यायालय संभागीय आयुक्त
जयपुर संभाग, जयपुर
प्रकरण संख्या : 1633/2025
विष्णु मीणा व अन्य
बनाम
कमला देवी व अन्य
- श्रीमती हनुमानी देवी मीणा पत्नी स्वर्गीय श्री रघुवीर उर्फ रघुनाथ मीणा
- श्रीमती नीतू मीणा पत्नी श्री मुकेश मीणा, पुत्री स्वर्गीय श्री रघुवीर उर्फ रघुनाथ मीणा
- सुश्री टीना मीणा पुत्री स्वर्गीय श्री रघुवीर उर्फ रघुनाथ मीणा, समस्त निवासीगण-ए-86, बस्सी सीतारामपुरा नेहरू नगर, जयपुर (राजस्थान)

..... प्रतिवादीगण :-
न्यायालय संभागीय आयुक्त, जयपुर संभाग, जयपुर के समक्ष अपील संख्या 1633/2025 ''विष्णु मीणा व अन्य बनाम कमला देवी व अन्य ''विचाराधीन है।
अत: आपको सूचित किया जाता है कि इस अदालत की तजबीज माह 09.06.2026 वास्ते समाअत इस अपील के मुकर्रर की गई अगर खुद आप या आपके वकील व और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जवाब व सवालात करने का माजज हो हाजिर न आवेगा तो उसकी समाअत और की जावेगी। आज तारीख 02.06.2026 मेरे दस्तखत और मोहर अदालत से जारी किया।
दस्तखत जज
मोहर न्यायालय रीडर
न्यायालय संभागीय आयुक्त, जयपुर

भार बनकर नहीं, उपहार बनकर जीवन व्यतीत करें : विकसंत सागर

उपाध्याय विकसंत सागर महाराज ने धर्म सभा को संबोधित किया।

■ मुनि विश्वमित सागर महाराज का निवाई से हुआ मंगल विहार

निवाई। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में मुनि विश्वमित सागर महाराज का निवाई से जहाजपुर के लिए मंगल विहार हुआ। मुनि विश्वमित सागर महाराज निवाई में उपाध्याय विकसंत सागर महाराज संघ से आज्ञा एवं आशीर्वाद लेकर अग्रवाल जैन मंदिर से विहार कर गांव सोहेला से टोंक होते हुए जहाजपुर जाएंगे। जहां मुनिश्री भगवान मुनिसुव्रतनाथ के दर्शन करके स्वाध्याय एवं साधना करेंगे।

सुनील भाणजा एवं विमल जौला ने बताया कि मुनि विश्वमित सागर महाराज जहाजपुर से पद विहार करते हुए वापस निवाई आएंगे। इस दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान आदिनाथ जी का चित्र अनावरण के साथ दीप प्रज्वलित कर किया गया एवं गुरु पूजन के साथ मंगलाचरण तथा जिनवाणी स्तुति की गई। उपाध्याय विकसंत सागर महाराज ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि हम यह मानव पर्याय पाकर पृथ्वी पर भार नहीं उपहार बनें। उन्होंने कहा कि इस जगत में तो सुख और दु:ख रूपी दो धाराएं अविरल प्रवाहित होती रहती है और मानव सुख और दु:ख रूपी हिंडोले में झूलता रहता है।उन्होंने कहा कि संसार में कुछ मनुष्य ऐसे भी होते हैं, जो जीवित मुर्दे के समान है और कुछ ऐसे भी लोग होते हैं जो मृत्यु के उपरान्त भी अमरत्व को प्राप्त होते हैं।

'महिलाओं को उनके अधिकारों व कानूनों की जानकारी होना आवश्यक'

■ ग्राम पंचायत साथिनों की कार्यशाला संपन्न

निवाई। पुलिस थाना में संचालित महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र के तत्वावधान में डाक बंगले में अधिकारिता विभाग की सहायक निदेशक मेरिगटन सोनी के नेतृत्व में ग्राम पंचायत साथिनों की कार्यशाला आयोजित हुई।

कार्यशाला में महिला अधिकारिता विभाग की सुपरवाइजर मीरा चौधरी ने महिलाओं को लाडो प्रोत्साहन योजना की जानकारी देते हुए बताया कि सरकार द्वारा बेटी के जन्म से लेकर 21 वर्ष पूर्ण होने तक 7 किस्तों में 1.50 लाख रूपए दिए जाते है। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा उड़ान योजना के अन्तर्गत सेनेट्री पैड दिये जाते है। उद्यम प्रोत्साहन योजना अंतर्गत महिलाओं को बिजनेस के लिए ऋण दिया जाता है। शिक्षा सेतु योजना ड्रॉप आउट योजना द्वारा 10 वीं व 12वीं पास करने के लिए महिलाओं को नि:शुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण दिया जाता है। सखी वन स्टॉप सेंटर में पीड़ित महिलाओं व बालिकाओं को एक ही छत के नीचे चिकित्सा, कानूनी, मनोवैज्ञानिक परामर्श, पुलिस सहायता व अस्थाई आश्रय सहित सभी सहायता प्रदान की जाती है। महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र की काउंसलर डॉ सुनीता शर्मा व एडवोकेट नीतू सिंह विजय ने घरेलू हिंसा, लेगिंग उत्पीडऩ एवं कार्य स्थल पर होने वाले यौन शोषण के बारे में जानकारी देते हुए महिला हेल्पलाइन, गरिमा हेल्प लाइन नंबर, राष्ट्रीय महिला हेल्पलाइन व साइबर क्राइम के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि महिलाओं को उनके अधिकारों व कानूनों की जानकारी होना आवश्यक है।

सांसद राव राजेंद्र सिंह ने शाहपुरा में नि:शुल्क लेंस प्रत्यारोपण शिविर का निरीक्षण किया

जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह ने नि:शुल्क लेंस प्रत्यारोपण शिविर का निरीक्षण किया।

■ निरीक्षण के दौरान उन्होंने पीएमओ डॉ विनोद योगी को मरीजों के उपचार, स्वच्छता, सुरक्षा तथा ऑपरेशन के बाद की देखभाल को लेकर निर्देश दिए

शाहपुरा। सामाजिक सरोकारों के लिए निरंतर कार्यरत रणबीर सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित नि:शुल्क लेंस प्रत्यारोपण शिविर का निरीक्षण मंगलवार को जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह ने किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने शिविर में मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, चिकित्सकीय व्यवस्थाओं तथा सेवा कार्यों का अवलोकन किया।

राव राजेंद्र सिंह ने शिविर की व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि समाज के जरूरतमंद एवं आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को नि:शुल्क नेत्र उपचार एवं लेंस प्रत्यारोपण जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराना अत्यंत पुण्य और मानव सेवा का कार्य है। उन्होंने रणबीर सेवा समिति द्वारा किए जा रहे जनहित के कार्यों की जमकर सराहना करते हुए कहा कि ऐसे सेवा कार्य समाज में नई प्रेरणा प्रदान करते हैं।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने पीएमओ डॉ विनोद योगी को मरीजों के उपचार, स्वच्छता, सुरक्षा तथा ऑपरेशन के बाद की देखभाल को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। इस अवसर पर रणवीर सेवा समिति अध्यक्ष विजय चौहान, सचिव अरुण सैनी, उपाध्यक्ष रोहिताश रूंडला, नगर अध्यक्ष अमर सिंह पलसानिया, महासचिव तरुण गुर्जर, नई संसद का स्वागत किया।

इस अवसर पर सांसद ने कहा कि प्रत्येक मरीज को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना प्राथमिकता होनी चाहिए, ताकि मरीज शीघ्र स्वस्थ होकर अपने सामान्य जीवन में लौट सकें।

कृषि विपणन राजस्थान
कार्यालय
कृषि उपज मण्डी समिति (अनाज), चौमूं जिला जयपुर
E-mail:kums.chomu@rajasthan.gov.in
Tel.No. 01423-220047
क्रमांक: 241-52 दिनांक :- 20.05.2026
नकारा सामान की निलामी सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय में भण्डार के नकारा सामान (लोहे का एवं अन्य सामान) / अनुपयोगी सामान की कार्यालय प्रागंण में जहां हैं, जैसा है के अनुसार खुली निलामी दिनांक 10.06.2026 को प्रातः 11.30 बजे कार्यालय प्रागंण में की जायेगी। निलामी में भाग लेने हेतु धरोहर राशि 25000 रु० अग्रिम जमा करवाने होगें। निलामी संबंधी जानकारी हेतु वैबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in पर विजिट कर सकते है। निलामी संबंधी शर्ते व विस्तृत जानकारी कार्यालय दिवस में कार्यालय कृषि उपज मंडी समिति चौमूं में ली जा सकती हैं।
(सुबे सिंह रावत)
सचिव, कृषि उपज मण्डी समिति
(अनाज) चौमूं जयपुर

SBI Life
अपने लिए. अपनों के लिए.
सूचना
एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (एसबीआई लाइफ) एतद्वारा व्यवसायिक भवन, लीज आधार पर भूस्वामियों से निम्न व्यापक संभावनाओं की पूर्ति हेतु प्रस्ताव निविदाएं आमंत्रित करता है।
1. भवन सभी ऋण भार से स्वतंत्र एवं तुरंत कब्जे हेतु उपलब्ध होना चाहिए ।
2. भवन कामर्शियल इलेक्ट्रिक कनेक्शन की व्यवस्था सहित व्यावसायिक भवन होना चाहिए एवं अग्निशमक एनओसी, व्यवसायिक सर्टिफिकेट, भवन का बीमा जिसमें समुचित और बाधा रहित बिजली एवं जल वितरण, साइनेज का स्थान, पार्किंग एवं आधुनिक फायर फाईटिंग सिस्टम, कारों की पर्याप्त पार्किंग इत्यादि की सुविधा होनी चाहिए ।
3. परिसर मानसरोवर, जयपुर के प्रमुख क्षेत्र के मुख्य मार्ग पर होना चाहिए।
4. भवन का कॉरपेट एरिया लगभग 1855 वर्गफिट होना चाहिए।
इच्छुक निविदाकर्ता निविदा का प्रारूप को हमारी वेबसाइट www.sbilife.co.in (https://www.sbilife.co.in/en/services/download-centre- RFP forms) से प्रारूप डाउनलोड कर सकते हैं। पूर्ण रूप से भरा हुआ फार्म तकनीकी निविदा एवं प्राइस बिड अलग-अलग सील बंद लिफाफो में ''दी रीजनल डायरेक्टर, जयपुर, एस.बी.आई. लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, द्वितीय तल, एआरजी कॉर्पोरेट पार्क, प्लॉट नंबर 8 एवं 9, गोपालबाडी, जयपुर, राजस्थान - पिन - 302001'' , फोन : 0141-4256600 दिनांक 09.06.2026 तक या पहले पहुँच जाने चाहिए।
एसबीआई लाइफ के पास किसी भी आवेदन को बिना कारण बताए स्वीकृत या अस्वीकृत करने का अधिकार सुरक्षित है।
दिनांक:- 03.06.2026 स्थान- जयपुर
उक्त प्रदर्शित किया गया ट्रेड लोगों भारतीय स्टेट बैंक से संबंधित है तथा लाइसेंस के अंतर्गत एसबीआई लाइफ द्वाराउपयोग किया जा रहा है। एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड पंजीकृत एवं कारपोरेट कार्यालय: नटराज, एमवी रोड और वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे जंक्शन, अंधेरी (पूर्व), मुंबई - 400069 आईआरडीएआई पंजीकरण सं. 111, सीआईएन: L99999MH2000PLC129113 वेबसाइट: www.sbilife.co.in ई-मेल: info@sbilife.co.in टॉल फ्री नं.: 1800 267 9090 (ग्राहक सेवा समय : 24X7)

संक्षिप्त

मुदित ने एडवांस में 1270वीं रैंक हासिल की

खैरथल । इंजीनियर्स पॉइंट स्कूल खैरथल के मुदित गुप्ता पुत्र प्रेम प्रकाश गुप्ता ने एडवांस 2026 में 1270वीं कैटेगरी रैंक लाकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। खास बात यह है कि मुदित ने बिना कोटा या सीकर गए, सिर्फ स्कूल के शिक्षकों के मार्गदर्शन में यह सफलता पाई। 12 वीं में 94 और मेन में 99.81 परसेंटाइल लाने वाले मुदित को स्कूल में माला पहनाकर सम्मानित किया गया। मुदित ने बताया कि वह रोजाना ईपी संस्थान में 6 से 7 घंटे अध्यापकों के बताए अनुसार पढ़ाई करता था। 12वीं के साथ ही की तैयारी की और चयन पक्का किया। इसके साथ ईपी के चेतन्य स्वरूप ने भी 3903 कैटेगरी रैंक हासिल की। हिमनिश सोनी पुत्र राजकुमार सोनी, रिया भूरानी पुत्री देवानन्द, अंजली लख्यानी पुत्री प्रकाश लख्यानी, यश शर्मा पुत्र विनय प्रकाश और परिधी गुप्ता पुत्री योगेश कुमार का जेईई मेन में चयन हुआ है। इस अवसर पर संस्था निदेशक आजाद चौधरी ने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों और अध्यापकों की मेहनत का परिणाम है। अनुभवी शिक्षकों के सही मार्गदर्शन और नियमित अध्ययन से ही यह संभव हुआ। यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा बनेगी। विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है।

बड़ी संख्या में युवा कर रहे गौ सेवा कार्य

पावटा । उपखंड पावटा क्षेत्र में इन दिनों लोगों में गौ सेवा के लिए अपार उत्साह एवं श्रद्धा देखने को मिल रही है। संकल्प हरियाली गौ सेवा समिति के तत्वाधान में प्रतिदिन सवेरे जल्दी उठकर बडी संख्या में क्षेत्र के युवा आसपास की गौशालाओं में गौ सेवा करने के लिए निकलते हैं और क्षेत्र के लोगों के सहयोग से खेतो मे जाकर वहा ज्वार आदि की कटाई कर वाहनो से गौशालाओ मे लाकरगौ सेवा के कार्य में लगे रहते हैं। संकल्प हरियाली समिति संयोजक नीरज सैन ने जानकारी देते हुए बताया कि गौ माताओं की सेवा के लिए धीर सिंह डाब, महावीर यादवसहित समिति सदस्यों ने गौ माताओं की सेवा के लिए हरे चारे की पिकअप समिति को भेट की है। जिसे समिति के सदस्य प्रतिदिन सवेरे क्षेत्र की अलग-अलग गौशालाओं एवं खुले में विचरण कर रही गौ माताओं की सेवा में भेजा जायेगा। सैन ने बताया कि समिति के लोगों से प्रेरित होकर बडी संख्या में क्षेत्रवासी सहयोग के लिए समिति के सम्पर्क में आ रहे हैं। इस दौरान समिति के श्रीराम यादव, संकल्प हरियाली समिति संयोजक नीरज सैन, संकल्प गौसेवा समिति संयोजक सुभाष यादव, पंकज जिंदल, डॉ. सुरेन्द्र यादव, रूबी यादव, भानू सैन, लोकेश टांक, संदीप सैन, राहुल यादव, भीम राठी, बलबीर यादव, जयपाल सिंह शेखावत, महेंद्र सैनी, नेतराम यादव सहित मंढ़ा एवं कारोली क्षेत्र के गौभक्त भी सुबह पांच बजे अपने अपने वाहनों से आकर इस गौसेवा जैसे पुनीत कार्य में सहयोग प्रदान कर रहे ।

नलकूप निर्माण के लिए 88.83 लाख की मंजूरी मिली

चौमूं / कालाडेरा । जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा विधानसभा क्षेत्र चौमूँ में पेयजल समाधान के लिए 5 नए नलकूप की स्वीकृति जारी की है। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा द्वारा जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग मंत्री कन्हैया लाल चौधरी को पत्र लिखकर पेयजल के समाधान हेतु नलकूप स्वीकृति की मांग की थी, जिस पर विभाग द्वारा ग्राम पंचायत देवपुरा के लिए 16.11 लाख, श्रवण जी चाय वाले मकान के पास, केंद्र रोड टांकरडा के लिए 18.18 लाख, नाथू जी खटीक के मकान के पास उदयपुरिया के लिए 18.18 लाख, चक चारणवास के लिए 18.18 लाख और बस स्टैंड आष्टीकलां के लिए 18.18 लाख रुपए की वित्तीय स्वीकृति जारी की गई है।

मछलियों को आटे की गोलियां खिलाना पुनीत कार्य

सांभरझील। देवयानी सरोवर में हजारों की तादाद में मछलियों के लिए पर्याप्त भोजन उपलब्ध करवाए जाने हेतु श्री गोपाल गौशाला के पूर्व अध्यक्ष मुन्नाजी के निर्देशानुसार विश्व हिंदू परिषद के प्रखंड मंत्री एडवोकेट सुनील शर्मा ने इसके लिए आम नागरिकों से अपील की है। कि इच्छुक लोग स्वेच्छा से घर से आटे की गोलियां बनाकर अपेक्षित भाव से मछलियों को डालना चाहिए, आध्यात्मिक दृष्टिकोण से यह प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष आपको फलीभूत होगा। इसके लिए उनसे 8233291655 हेल्पलाइन नंबर पर बात कर उनसे मदद ली जा सकती है।

देवली में अस्पताल और बस स्टैंड स्थानांतरण के विरोध में व्यापारियों ने प्रतिष्ठान बंद रखे

देवली । उल्लेखनीय है कि पूरे प्रदेश भर में उपखंड मुख्यालयों पर भजनलाल सरकार द्वारा उप जिला अस्पताल बनाने की योजना लागू की हुई है। इसी योजना के अंतर्गत देवली शहर को भी यह अवसर प्राप्त हुआ है। उप जिला अस्पताल बनाने की इस योजना में देवली नगर पालिका ने स्वास्थ्य विभाग को पौने आठ बीघा भूमि निशुल्क उपलब्ध करवा दी है। यह भूमि देवली शहर के जयपुर चुंगी नाके से मात्र 2 किलोमीटर दूर जयपुर और पुराने अजमेर रोड के बीचो-बीच है। ऐसे में नगर पालिका द्वारा दी गई निशुल्क भूमि पर स्वास्थ्य विभाग ने उप जिला अस्पताल बनाने की तैयारियां शुरू कर दी है।

विभाग ने अस्पताल भवन निर्माण के लिए लगभग 34 करोड रुपए का टेंडर भी जारी कर दिया है। तो वहीं

व्यापारियों ने सरकारी अस्पताल, बस स्टैंड स्थानांतरण और पुरानी मंडी बहाली को लेकर प्रदर्शन किया।

- देवली पालिका के द्वारा चिन्हित की गई भूमि पर उप जिला अस्पताल को स्थापित किए जाने का चंद नेता और व्यापारी कर रहे हैं विरोध

आधुनिक सुविधाओं के साथ भवन निर्माण की ड्राइंग भी पूरी तरह तैयार हो चुकी है। इसी बीच मंगलवार को उक्त भूमि स्थल पर उप जिला अस्पताल बनाने का विरोध खुलकर सामने आया है । यहां व्यापारियों का मानना है कि राजकीय उप जिला अस्पताल शहर से दूर बनाया जा रहा है। जो शहर वासियों के लिए कठिनाई भरा साबित होगा।

ऐसे में आपको बता दें कि ग्राम पंचायत परिसीमन के बाद देवली नगर पालिका में 10 वार्डों की वृद्धि हुई है। इसी के मध्य नजर देवली नगर पालिका ने उक्त भूमि स्वास्थ्य विभाग को निशुल्क उपलब्ध कराई है। लेकिन यहां नगर पालिका की उक्त भूमि पर उप जिला अस्पताल बनाए जाने का व्यापारियों द्वारा विरोध जम कर किया जा रहा है।

इसी क्रम में देवली शहर के मुख्य बाजार के व्यापारियों ने नगर पालिका की उक्त भूमि पर उप जिला अस्पताल नहीं बनाए जाने की मांग करते हुए इसके विरोध में देवली उपखंड अधिकारी को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौपा है।ऐसे मे मंगलवार को दर्जनों की संख्या में मुख्य बाजार के व्यापारी और शहरवासी प्रदर्शन मैं शामिल रहे हैं। यहां मंगलवार को सांकेतिक बंद का मिला जुला असर जरूर देखने को मिला है। प्रदर्शन में शामिल व्यापारी और शहर वासियों ने सरकारी अस्पताल, बस स्टैंड स्थानांतरण और पुरानी मंडी बहाली की मांग करते हुए उपखंड अधिकारी को ज्ञापन देते बताया कि राजकीय उप जिला अस्पताल शहर की सीमा में बनाया जाये और बस स्टैंड को शहर में ही यथावत स्थान पर रखा जाए तो वहीं शहर की बेरोजगारी दूर करने के लिए पुरानी कृषि उपज मंडी को गोंण मंडी का दर्जा देकर फिर से जींस इत्यादि फसलों की खरीदारी शुरू की जाए।

कोटपूतली में 15 दिवसीय सेवा शिविर का समापन

कोटपूतली । निकटवर्ती ग्राम पंचायत पवाना अहीर स्थित सेठ मूलचंद प्रभूदयाल राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में कक्षा 12 के विद्यार्थियों के लिए आयोजित 15 दिवसीय समाज सेवा शिविर का विधिवत समापन हुआ। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर (राजस्थान) के निर्देशानुसार यह शिविर 17 से 31 मई तक आयोजित किया गया था। शिविर के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों में भाग लिया और अपने अनुभव साझा कर व्यक्तित्व विकास के गुर सीखे। रचनात्मक गतिविधियों से निखरा विद्यार्थियों का व्यक्तित्व : शिविर का संचालन प्रभारी व व्याख्याता सुमन चौहान के नेतृत्व व निर्देशन में किया गया। 15 दिनों तक चले इस शिविर में छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए कई तरह की समाजोपयोगी, सांस्कृतिक और रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया।

कोटकासिम में तालाब का पूजन कर जल संचय का संकल्प

किशनगढ़ बास। राज्य सरकार के वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान के तहत मंगलवार को दौलता नाथ आश्रम जोड़ियां, कोटकासिम के पास स्थित जलाशय पर आस्था और पर्यावरण का अनूठा संगम देखने को मिला। पूर्व विधायक रामहेत यादव, साधु-संतों और ग्रामीणों ने मिलकर जल पूजन किया और पौधे रोपे। कार्यक्रम का उद्देश्य मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के अभियान को जन जन तक पहुंचाना और जल को बचाना और धरती को हरा-भरा बनाना।

कार्यक्रम की शुरुआत विधिवत जलाशय पूजन से हुई। साधु-संतों ने मंत्रोच्चार के बीच जल स्त्रोतों के संरक्षण का संकल्प दिलाया। उन्होंने कहा कि हमारे शास्त्रों में जल को देवता माना गया है। इसका अपमान आने वाली पीढ़ियों के लिए संकट खड़ा करेगा। इसलिए हर व्यक्ति को जल बचाने की जिम्मेदारी

'पानी बचाओ, पेड़ लगाओ' के नारों के साथ ग्रामीणों ने संतों के सानिध्य में शपथ ली।

- वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान के तहत, दौलता नाथ आश्रम जोड़ियां पर हुआ कार्यक्रम

लेनी होगी।

पूजन के बाद पूर्व विधायक रामहेत यादव, संत-महात्माओं और ग्रामीणों ने जलाशय के किनारे नीम, पीपल, बरगद और छायादार पेड़ों के पौधे लगाए। वक्ताओं ने दो टूक कहा कि जल और वृक्ष एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। पेड़ होंगे तो बारिश होगी, बारिश होगी तो जलाशय भरेंगे। इसलिए पौधा लगाना सिर्फ पर्यावरण नहीं, अपने बच्चों का भविष्य सुरक्षित करना है । कार्यक्रम में मौजूद सैकड़ों ग्रामीणों ने तीन बड़े संकल्प लिए जिससे पहला संकल्प था जल स्त्रोतों को साफ रखेंगे कचरा या गंदगी नहीं डालेंगे। दूसरा था घरों में वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देंगे। हर पौधे को गोद लेकर उसके पेड़ बनने तक देखभाल करेंगे। जिले में जिला कलेक्टर अतुल प्रकाश के निर्देशन में वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान के तहत रोज नए कार्यक्रम हो रहे हैं। कहीं तालाबों की सफाई के लिए श्रमदान हो रहा है तो कहीं स्कूलों में बच्चों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई जा रही है। सरकार और प्रशासन का मकसद इस अभियान को सरकारी फाइलों से निकालकर गांव-गांव का जन आंदोलन बनाना है।

खैरथल कलेक्टर की बैठक में गैरहाजिरी पर ऑर्डिनेटर को नोटिस

खैरथल । जिले में मतदाता जागरूकता अभियान को गति देने के लिए जिला कलेक्टर अतुल प्रकाश ने कार्यालय में स्वीप नोडल अधिकारियों की बैठक ली। कलेक्टर ने साफ कहा कि स्कूल और कॉलेज स्तर पर चल रही गतिविधियों की हर रिपोर्ट समय पर पोर्टल पर दर्ज हो। लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में किशनगढ़ बास के ब्लॉक स्वीप कोऑर्डिनेटर के

जिला कलेक्टर अतुल प्रकाश ने जिला सचिवालय के सभागार में स्वास्थ्य समिति की बैठक ली।

- जिले के सभी सरकारी-निजी स्कूलों में मतदाता जागरूकता गतिविधियां शाला दर्पण पर अपडेट करने के आदेश

गैरहाजिर रहने पर उन्हें कारण बताओ नोटिस दिया गया।

बैठक में जिला कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिले के सभी राजकीय और निजी उच्च माध्यमिक विद्यालयों में पिछले महीनों में हुई मतदाता जागरूकता गतिविधियों का पूरा ब्योरा शाला दर्पण पोर्टल पर तुरंत अपडेट किया जाए। प्राइवेट स्कूलों का पीएसपी पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कराना भी अनिवार्य किया गया है। जिले के सभी सीबीईओ और जिला शिक्षा अधिकारी को शाला दर्पण पोर्टल की रोजाना मॉनिटरिंग करने के लिए निर्देश दिए गए है। कलेक्टर ने जिले के निर्वाचन सोशल मीडिया हैंडल्स का ज्यादा से ज्यादा प्रचार करने के निर्देश दिए। साथ ही सभी गतिविधियों की जानकारी नियमित रूप से डिस्ट्रिक्ट हैंडल्स पर अपडेट करने को कहा ताकि ज्यादा से ज्यादा युवाओं तक संदेश पहुंचे।

बैठक में निजी विद्यालयों में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम प्रभावी तरीके से कराने पर जोर दिया गया। कलेक्टर ने कहा कि सभी सीबीईओ निजी स्कूलों की गतिविधियों की लगातार निगरानी करें। निर्वाचन आयोग के निर्देशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए।

किशनगढ़ बास ब्लॉक स्वीप कोऑर्डिनेटर के बैठक में मौजूद न होने पर कलेक्टर ने नाराजगी जताई और उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करने के आदेश दिए। इस दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रामदयाल, जिला शिक्षा अधिकारी रमेश कुमार मेघ, जिला स्वीप समन्वयक राजेश कुमार जैन सहित सभी ब्लॉक स्वीप कोऑर्डिनेटर उपस्थित रहे।

भरतपुर में प्रभारी मंत्री ने जल पूजन कर जल संरक्षण कार्यों का निरीक्षण किया

भरतपुर। जल संसाधन एवं जिला प्रभारी मंत्री सुरेश सिंह रावत ने वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत मंगलवार को जल पूजन कर शहर में चल रहे जल संरक्षण व जलनिकासी तंत्र के प्रगतिरत कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने अभियान में नौंह में भरतपुर शहर व बाणगंगा व रूपारेल नदी के एकत्रित अधिशेष जल निकासी के ड्रेन सफाई कार्य का भी निरीक्षण कर पौधारोपण किया। जिला प्रभारी मंत्री ने अटलबन्द गेट स्थित गणेश मन्दिर के पास नगर निगम द्वारा कराये जा रहे सीएफसीडी के ड्रेन निर्माण कार्य एवं जल स्त्रोतों की सफाई, जलकुंभी, संरचनात्मक अवरोध आदि के सफाई कार्य का निरीक्षण कर अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान में वर्षा पूर्व सभी जल स्त्रोतों की साफ-सफाई एवं वर्षाजल प्रवाह क्षेत्रों के अवरोधकों को हटाने के कार्य गुणवत्ता से कराया जाऐ। उन्होंने कहा कि हमारे संस्कृति में जल संरक्षण की परम्परा रही है, वर्षा पूर्व आमजन को भी जल बहाव क्षेत्र में कचरा नहीं डालने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने शहर में सीएफसीडी के सभी कार्यों को गति देते हुए गुणवत्ता से पूरा कराने के निर्देश दिए, जिससे शहर में पानी भराव की समस्या का स्थाई समाधान हो सके।

- आमजन की भागीदारी से वंदे गंगा अभियान को जन-जन का अभियान बनायें -प्रभारी मंत्री

जल संसाधन मंत्री ने कहा कि सरकार की मंशानुरूप वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान में सभी विभाग सक्रियता से भागीदारी निभाते हुए आमजन को भी जल संरक्षण के लिए प्रेरित करें। उन्होंने जल स्त्रोतों एवं बहाव क्षेत्र से अतिक्रमण हटाते हुए परम्परागत रूप से बने हुए जल मार्गों की नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण के लिए अभी से प्लानिंग कर अधिकाधिक पौधा लगाने के लिए जन सहयोग से अभियान को सफल बनायें।' सीईओ जिला परिषद मृदुल सिंह ने वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान की प्रगति के बारे में जानकारी दी। जल पूजन कर किया पौधारोपण-

जिला प्रभारी मंत्री नौंह में मुख्यमंत्री बजट घोषणा 2025-26 के तहत मोती महल से बछामदी रोड ब्रिज तक मुख्य ड्रेन के जीणोद्धार कार्य का निरीक्षण कर जल पूजन करते हुए पौधारोपण किया।

पावटा में राष्ट्रीय जन जागरण अभियान के तहत कलश यात्रा निकाली

पावटा । अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा ग्राम टस्कोला कस्बा पावटा, जिला कोटपूतली-बहरोड में आयोजित चार दिवसीय राष्ट्रीय जन जागरण अभियान के तहत मंगलवार को भव्य कलश यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा गंगा माता बावड़ी से प्रारंभ होकर श्री जीण माता मंदिर टसकोला पहुंची, जिसमें लगभग 500 माता-बहनों, युवाओं, बच्चों एवं बुजुर्गों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कलश यात्रा के दौरान प्रज्ञा गीतों, नशा मुक्ति, युवा जागृति, महिला सशक्तिकरण, वृक्षारोपण एवं राष्ट्र निर्माण से जुड़े संदेशों वाले बैनर आकर्षण का केंद्र रहे।

गांव की परिक्रमा करते हुए निकाली गई इस यात्रा में महाकाल शिव, भारत माता सहित विभिन्न सजीव झांकियां भी प्रस्तुत की गईं, जिससे पूरे ग्राम में आध्यात्मिक एवं राष्ट्रभक्ति का वातावरण बना रहा। यात्रा के दौरान ग्रामीणों ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर तथा ठंडा मीठा जल पिलाकर श्रद्धालुओं का स्वागत किया।

इसके पश्चात प्रसाद वितरण किया

गायत्री परिवार की कलश यात्रा में जनसैलाब उमड़ा ।

- गांव में गूंजे राष्ट्र जागरण और नशा मुक्ति के संदेश

गया। पूर्व सरपंच मुकेश द्वारा श्रद्धालुओं को केले वितरित किए गए। कार्यक्रम का मंच संचालन पूरणमल पारीक (पूर्व हेडमास्टर बड़नगर), मातादीन सैनी किरारोड, कुंज बिहारी शर्मा, हनुमान पांचाल टोरडा, कालूराम गुर्जर (पूर्व तहसीलदार नीमकाथाना), कवरसिंह जांगिड़ (जिला संयोजक), किशन लाल शर्मा चतर्भुज, कैलाश चंद सैन एवं रघुवीर यादव बानसूर ने किया। कलश यात्रा की व्यवस्थाओं में मनोहर लाल शर्मा, नंदलाल कुमावत, देवकरण सैनी, कैलाश शर्मा, बालूराम प्रजापत शाहपुरा, गिरधारी यादव मंडा, रामगोपाल, लालचंद पीटीआई, रामनिवास, जगदीश, मोदी सिंह, शिंभू गुर्जर, सुशील शर्मा, महिपाल सिंह, महेंद्र पंच, भैरूराम सैनी, जगदीश सैनी, बीरबल पीटीआई सहित अनेक कार्यकर्ताओं का विशेष सहयोग रहा।

कार्यक्रम में 24 कन्याओं का पूजन भी किया गया, जिसकी प्रभारी सुश्री तनु कुमारी रहीं। युवा प्रभारी श्री नंदलाल कुमावत व्याख्याता के नेतृत्व में विकास सैनी, दिनेश सैनी, जतिन सैनी, रितिक शर्मा, राजू गुर्जर, नवल किशोर गुर्जर, प्रदीप कुमावत, मनोज गुर्जर, महेंद्र स्वामी, प्रीतम धानका, मोहन सैनी, विनोद कुम्हार, किशन प्रजापत, विमल प्रजापत एवं बाल सेना ने व्यवस्थाओं में सहयोग दिया। आयोजकों ने बताया कि प्रतिदिन सायं 4 बजे से 7 बजे तक शांतिकुंज हरिद्वार की टोली द्वारा प्रज्ञा पुराण कथा का आयोजन किया जाएगा। वहीं 3, 4 एवं 5 जून को गायत्री महायज्ञ तथा सायंकाल प्रज्ञा पुराण कथा के माध्यम से व्यक्ति निर्माण, परिवार निर्माण, समाज निर्माण एवं राष्ट्र निर्माण का संदेश दिया जाएगा।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर नशा मुक्ति का संदेश दिया

दौसा। हिंदुस्तान स्काउट एंड गाइड जिला मुख्यालय दौसा के तत्वावधान में स्थानीय राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय रामकुंड दौसा में संचालित ग्रीष्मकालीन अभिरुचि एवं कौशल विकास शिविर में विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन कर नशा मुक्ति का संदेश दिया गया।

शिविर प्रभारी राजेन्द्र प्रसाद सैनी ने बताया कि विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर तंबाकू के दुष्प्रभाव को बताने एवं नशा मुक्ति का संदेश देने के लिए अभिरुचि एवं कौशल विकास शिविर में भाग ले रहे प्रशिक्षणार्थी विद्यार्थियों की विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया ।जिसमें पेंटिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान उषा सैनी द्वितीय स्थान गरिमा सैनी एवं तीर्थ स्थान राजश्री वर्मा ने प्राप्त किया। इसी प्रकार निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान दृष्टि जैन द्वितीय स्थान घनश्याम सैनी एवं तृतीय स्थान उषा सैनी ने प्राप्त किया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान दृष्टि जैन द्वितीय स्थान उषा सैनी एवं तृतीय स्थान देवराज सैनी ने प्राप्त किया।

सार-समाचार

डीग में छह सड़कों का लोकार्पण

भरतपुर। डीग-कुम्हेर विधायक डॉ शैलेश सिंह ने सोमवार को सार्वजनिक निर्माण विभाग की मिसिंग लिंक एवं नॉन पैचेबल योजना के तहत लगभग 3.73 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित छह सड़कों का लोकार्पण किया। इनमें तमरेर से कुम्हा संपर्क सड़क, सैत कोंरेर सड़क से करेनुआ, चक सितारा से बदनगढ़, संपर्क सड़क से सुपावस, रीठोटी से धनसौटी तथा सिनसिनी से उसरानी सड़क शामिल हैं। लोकार्पण समारोह में ग्रामीणों को संबोधित करते हुए विधायक डॉ शैलेश सिंह ने कहा कि डीग-कुम्हेर विधानसभा क्षेत्र में पिछले ढाई वर्षों के दौरान विकास कार्यों को नई गति दी गई है। डीग और कुम्हेर में वाई पास ,सड़क, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत सुविधाओं के क्षेत्र में अनेक कार्य पूर्ण किए गए हैं, जबकि कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं वर्तमान में प्रगतिरत हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के समग्र विकास और आमजन की सुविधा उनकी प्राथमिकता है तथा भविष्य में भी विकास कार्यों का सिलसिला लगातार जारी रहेगा। विकास के लिए धन की कमी नहीं आने दी जावेगी। विधायक डॉ सिंह ने केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए ग्रामीणों से इनका अधिकतम लाभ उठाने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाएं अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इस अवसर पर ग्रामीणों ने विधायक का साफा एवं माल्यार्पण कर गर्मजोशी से स्वागत किया। कार्यक्रम में भाजपा जिला उपाध्यक्ष जगदीश अजान, सतीश बंसल, कुम्हेर ग्रामीण मंडल अध्यक्ष देवेन्द्र सिंह, प्रधान देवी सिंह, मंडल अध्यक्ष प्रहलाद सिंह, डीग ग्रामीण मंडल अध्यक्ष राकेश गिरसै, पूर्व मंडल अध्यक्ष वीरेंद्र कोंरेर, डॉ गुलाब शर्मा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

प्रमोशन तिथि नहीं जुड़ने से प्रधानाचार्यो ने ज्ञापन सौंपा

टोंक। पदोन्नति अंकित नहीं होने से नाराज प्रधानाचार्यो ने अति. जिला कलेक्टर को मुख्यमंत्री समेत अन्य के नाम ज्ञापन देकर आंदोलन की चेतावनी दी है। ज्ञापन में बताया गया है कि सत्र 2015-16 से 2019-20 के बीच प्रमोट हुए करीब 8 हजार प्रधानाचार्य आज भी अपनी प्रमोशन तिथि दर्ज होने का इंतजार कर रहे हैं। राजस्थान शिक्षा सेवा परिषद (प्रधानाचार्य) का कहना है कि प्रमोशन तिथि दर्ज नहीं होने से वेतन निर्धारण की जांच में प्रधानाचार्यों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। इसे लेकर परिषद ने सरकार को 7 दिन का अल्टीमेटम दिया है। चेतावनी दी गई है कि तय समय में समस्या का समाधान नहीं हुआ तो 8 जून को शिक्षा निदेशालय बीकानेर का घेराव किया जाएगा और जरूरत पड़ने पर नए शैक्षणिक सत्र के पहले दिन से आमरण अनशन शुरू किया जाएगा। राजस्थान शिक्षा सेवा परिषद (प्रधानाचार्य) जिला शाखा टोंक ने मंगलवार को शिक्षा मंत्री, अतिरिक्त मुख्य सचिव स्कूल शिक्षा विभाग और निदेशक माध्यमिक शिक्षा राजस्थान बीकानेर के नाम अलग-अलग ज्ञापन अतिरिक्त जिला कलेक्टर रामरतन सौकरिया को सौंपे। प्रधानाचार्यों का कहना है कि शिक्षा मंत्री द्वारा कई बार निर्देश दिए जाने और शासन स्तर से आदेश जारी होने के बावजूद प्रमोशन तिथि दर्ज करने का काम अब तक पूरा नहीं हुआ है। उनका आरोप है कि यह मामला लंबे समय से माध्यमिक शिक्षा निदेशालय बीकानेर में लंबित पड़ा है, जिससे प्रधानाचार्य वर्ग में नाराजगी बढ़ रही है।

'शिक्षा का अधिकार एवं साईबर क्राईम से बचाव' पर शिविर आयोजित

शाहपुरा । जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर जिला जयपुर अध्यक्ष माधवी दिनकर एवं तालुका विधिक सेवा समिति शाहपुरा अध्यक्ष ललिता शर्मा अपर जिला एवं सत्र सैशन न्यायाधीश प्रथम के निर्देशन में अधिकार मित्र दिनेश कुमार शर्मा ने श्री रामानुजाचार्य निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नाथावाला में पॉक्सो एक्ट 2015, संविधान प्रदत्त मौलिक अधिकार 21 अनुच्छेद शिक्षा का अधिकार एवं साईबर क्राईम से बचाव पर शिविर आयोजित किया। इस शिविर की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक अनुप कुमार शर्मा द्वारा की गई। अधिकार मित्र दिनेश कुमार शर्मा ने साईबर क्राईम से सुरक्षित रहने के लिए किसी भी अनजान नम्बर से फोन को नहीं उठाने, अगर आपके ई-मेल एड्रेस के पासवर्ड को सावधानी के मध्य नजर रखते हुए 15 दिनों में कठिनतम मिक्स लिपी के जरिए बनाये जाये, और किसी को भी अपने पासवर्ड न देवे। लाटरी, डिजिटल गैम के लालच से बचे। साईबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर ठगी की सुचना देवे, वॉटस्ऐप पर स्टाफ पैमेन्ट की सूचना बैंक मैनेजर को भेजें। ई मित्र के द्धारा साईबर पुलिस थाना पर आनलाईन शिकायत दर्ज करावें, बैंक मैनेजर को भेजें गए मैसेज की फोटोग्राफी भी साईबर पुलिस थाना हेल्पलाइन पर संलग्न करे। अपना बैंक खातों की डिटेल भी भरे ठगी के समय की सही टाइम मिनट और सैकेंड सहित शिकायत में सभी का विवरण लिखे। जिला विधिक सेवा हेल्पलाइन नंबर 15100 पर भी मिस कॉल करें।

वार्षिकोत्सव मनाया

कोटपूतली। स्थानीय डुंगावाले हनुमान मंदिर परिसर में बीते 36 महीनों से निरंतर हर माह के दूसरे शनिवार को आयोजित होने वाले सुंदरकांड पाठ की श्रृंखला ने एक नया मुकाम हासिल किया है, जिसके उपलक्ष्य में नीले के सारथी ग्रुप द्वारा बेहद धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ तीसरा वार्षिक उत्सव मनाया गया। इस भव्य धार्मिक आयोजन का शुभारंभ मंदिर के महंत मनीष शर्मा, डॉ. अनुज शास्त्री और पंडित बजरंगलाल शर्मा द्वारा पारंपरिक रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया, जिसके बाद श्री राम सत्संग परिवार के संयोजक व स्वतंत्र पत्रकार आनंद पंडित और उनकी टीम द्वारा बेहद सुमधुर और संगीतमय सुंदरकांड पाठ की प्रस्तुति दी गई। पाठ की समाप्ति पर आनंद पंडित ने जब श्रीराम नाम महामंत्र का संगीतमय जाप शुरू किया, तो आयोजन में मौजूद सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु भावविभोर होकर चौपाइयों और भजनों पर झूमने लगे। इस विशेष अवसर पर लगभग चार दशकों से नि:शुल्क सुंदरकांड का पाठ कर सनातन संस्कृति को आगे बढाने वाले आनंद पंडित और उनकी पूरी टीम का ग्रुप द्वारा विशेष सम्मान किया गया, साथ ही नीले के सारथी ग्रुप ने आयोजन में सहभागिता निभाने वाले श्री श्याम परिवार, लंगूर सेवा समिति, वानर सेवा समिति और श्री श्याम सेवा समिति जैसी सहयोगी संस्थाओं का सहृदय आभार व्यक्त किया।

गौ माता को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग

कोटपूतली । स्थानीय दिल्ली दरवाजा मस्जिद के पास मंगलवार को कौमी एकता और सामाजिक सौहार्द की एक बेहद खूबसूरत और ऐतिहासिक तस्वीर सामने आई। यहां मुस्लिम समुदाय के लोगों और गौ रक्षक दल के सदस्यों ने कांग्रेस अनुसूचित जाति (एससी) विभाग के जिलाध्यक्ष एवं पूर्व पार्षद तारा पूतली के नेतृत्व में एक साथ कदम से कदम मिलाकर मार्च निकाला। इस मार्च की सबसे खास बात यह रही कि इसमें शामिल हर व्यक्ति की जुबान पर बिना किसी भेदभाव के सिर्फ एक ही मांग थी गौ माता को राष्ट्रीय माता का दर्जा दो। इस दौरान कोई नारा नहीं, कोई नफरत नहीं सिर्फ प्यार और इज्जत दिखाई दी। यह मार्च दिल्ली दरवाजा मस्जिद से शुरू होकर शांतिपूर्ण ढ़ंग से उपखण्ड कार्यालय पहुँचा। उपखण्ड कार्यालय पहुँचकर राष्ट्रपति के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा गया।

मुझे उम्मीद नहीं थी कि मेरी सर्विस इतनी अच्छी रहेगी। मुझे लगता है कि हर मैच के साथ मेरा खेल बेहतर हो रहा है और आज के प्रदर्शन से मैं बेहद खुश हूं। – आर्यना सबालेंका

विश्व नं.1 खिलाड़ी, फ्रेंच ओपन में क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के बाद बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

अतुल वासन

भारत के पूर्व तेज गेंदबाज अतुल वासन ने कहा कि उन्हें वैभव सूर्यवंशी में युवा सचिन तेंदुलकर की झलक दिखती है। उन्होंने कहा कि इस किशोर बल्लेबाज की परिपक्वता, साहस और बेखाफ रवैया उन्हें भारत के 1989 के पाकिस्तान दौरे के दौरान दिग्गज बल्लेबाज तेंदुलकर के शुरुआती दिनों की याद दिलाता है। सूर्यवंशी ने हाल में समाप्त हुए आईपीएल में अपनी विशेष छाप छोड़ी। वह 16 पारियों में 237.30 के प्रभावशाली स्ट्राइक रेट से 776 रन बनाकर टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष पर रहे।

क्या आप जानते हैं ?... स्वर्णिम युग (1950-1960 का दशक): भारतीय फुटबॉल के स्वर्णिम काल में, कोच सैयद अब्दुल रहीम के नेतृत्व में भारत ने 1951 और 1962 के एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीते।

आईपीएल 2026 के बीच नई गाइडलाइंस जारी नहीं करता तो हो जाता बड़ा बवाल : सैकिया

नई दिल्ली, 2 जून। आईपीएल 2026 खत्म हो चुका है।रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने गुजरात टाइटंसको हराकर लगातार दूसरी बार खिताब जीता। आईपीएलका यह सीजन नियमों के उल्लंघन के कारण भी चर्चा में रहा। जिस वजह से बीसीसीआई को सीजन के बीच में नई गाइडलाइंस जारी करनी पड़ी। जिसमें फ्रेंचाइजियों को हनी ट्रैपिंग के खतरे और बाकी अन्य चंतिाओं के बारे आगाज किया गया था। अब बीसीसीआई सचवि देवजीत सैकिया ने सीजन के बीच में आठ पन्नों की जारी गाइडलाइंस को लेकर खुलासा किया है। हिन्दुस्तान टाइम्स के अनुसार सैकिया ने बताया कि सीजन के बीच में किस समय उन्हें गाइडलाइंस जारी करने की जरूरत महसूस हुई।

उन्होंने बताया कि जब भ्रष्टाचार-रोधी टीम को कई छोटी-छोटी ऐसी दिक्कतें मिलीं जो बाद में एक बड़ा विवाद बन सकती थी, तो उन्होंने कहा कि हमें शुरू में ही कुछ करना होगा। हमें इसे शुरू में ही खत्म करना होगा। इसलिए जब हमें प्रोटोकॉल के अलग-अलग उल्लंघनों के बारे में स्टेटस या रिपोर्ट मिली, तो हमने के कामकाज में किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोकने और उससे बचने के लिए एडवाइजरी जारी कीं। सैकिया ने बताया कि एडवाइजरी टूर्नामेंट के पूरे संचालन में एक बेहतरीन कदम साबित हुआ, जिससे एक अच्छा और व्यवस्थित टूर्नामेंट सुनिश्चित हुआ और सभी प्रोटोकॉल का पालन भी हुआ।

हद पार न करें सोशल मीडिया: सीजन के दौरान सोशल मीडिया कंटेंट और रील्स कल्चर को लेकर भी कुछ चिंताएं थीं इस पर उन्होंने कहा कि निजी तौर पर उन्हें इससे कोई परेशानी नहीं है, क्योंकि टेक्नोलॉजी और उन चीजों के साथ चलना ही पड़ता है जो समय के साथ अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर लोकप्रिय हो रही हैं। उन्होंने कहा कि जब 2008 में शुरू हुआ था या उसके बाद अगले 12-13 सालों तक, किसी ने भी सोशल मीडिया या ऐसी किसी भी चीज के बारे में नहीं सोचा था, लेकिन अब यही चलन है।

इसलिए खुद को इस चलन के हिसाब से ढालना होगा, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि कोई भी टीम की मीटिंग या टीम की गतिविधियों में या बसों में, या उन जगहों पर दखल दे जहां किसी भी गैर-अधिकृत व्यक्ति को जाने की इजाज़त नहीं है। उन्होंने कहा कि बोर्ड बस यह पक्की कर रही हैं कि सोशल मीडिया अपनी हद पार न करें। बस इसी एक चीज की उन्हें चिंता है।

साईराज बहुतुले बने टीम इंडिया के स्पिन गेंदबाजी कोच

नई दिल्ली, 2 जून।भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के कोचिंग स्टाफ में आगामी सीजन से पहले बदलाव देखने को मिला है। पूर्व क्रिकेटर सैराज बहुतुले को स्पिन बॉलिंग कोच बनाया गया है। उन्हें अफगानिस्तान के साथ घर पर होने वाले टेस्टसे पहले कोचिंग स्टाफ में जगह दी गई। वे पहली बार नियमित तौर पर टीम इंडिया के साथ काम कर चुके हैं। इससे पहले अस्थायी तौर पर उन्होंने काम किया है। बहुतुले हाल ही में आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स के साथ बतौर कोच काम कर रहे थे। यहां पर भी वे स्पिन बॉलिंग कोच थे। 2026 के सीजन से पहले वे इस फ्रेंचाइज के साथ जुड़े थे। इससे पहले 2025 आईपीएल सीजन में वे राजस्थान रॉयल्स के साथ स्पिन बॉलिंग कोच के तौर पर काम कर चुके हैं। 2018 से 2021 के बीच भी वे इस भूमिका में राजस्थान के साथ रहे हैं। 2021 में बहुतुले इंडिया ए के कोचिंग स्टाफ में चले गए थे। इसके बाद 2022 में आयरलैंड दौरे व न्यूजीलैंड दौरे और 2023 एशियन गेम्स में भारतीय टीम के साथ बतौर कोच गए थे।

कैसा रहा है सैराज बहुतुले: 53 साल के बहुतुले ने 1997 से 2003 के बीच भारत के लिए दो टेस्ट, आठ वनडे मुकाबले खेले हैं। इनमें कुल पांच विकेट उन्हें मिले। घरेलू क्रिकेट में वे मुंबई की तरफ से खेले और 188 फर्स्ट क्लास मैच में 630 विकेट लिए। वे लंबे समय तक घरेलू क्रिकेट में दबदाब रखने वाली टीम मुंबई टीम के साथ रहे। क्यों पड़ी स्पिन बॉलिंग कोच की जरूरत: भारत का स्पिन बॉलिंग अटैक अब नया है। टेस्ट में पुराने नामों में सिर्फ रवींद्र जडेजा ही है। आर अश्विन रिटायर हो चुके हैं। पिछले दो साल में देखा गया है कि भारतीय स्पिनर्स को घर पर ही वैसी सफलता नहीं मिल रही जैसी विदेशी स्पिनर ले रहे हैं। भविष्य को देखते हुए टीम इंडिया में मानव सुथार, हर्ष दुबे को बतौर स्पिनर चुना गया है। ऐसे में इन्हें गाइड करने के लिए बहुतुले की नियुक्ति हुई है। उनके पास भारतीय पिचेज पर खेलने का अपार अनुभव है जो कारगर साबित हो सकता है।

महिला नेशंस कप के लिए भारतीय हॉकी टीम घोषित, सलीमा टेटे को मिली कप्तानी

नई दिल्ली, 2 जून । हॉकी इंडिया ने मंगलवार को 15 से 21 जून तक न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में आयोजित होने वाले एफआईएच महिला हॉकी नेशंस कप 2025-26 के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम की घोषणा कर दी है। टीम की कमान एक बार फिर सलीमा टेटे को सौंपी गई है। भारत को प्रतियोगिता के पूल-ए में जापान, अमेरिका और उरुग्वे के साथ रखा गया है। टीम इस टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया दौरे से मिली सकारात्मक सीख और आत्मविश्वास के साथ उतरेगी। हाल ही में पर्थ में खेले गए चार मैत्री मैचों की श्रृंखला में भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2-2 की बराबरी हासिल की थी। गोलकीपिंग की जिम्मेदारी अनुभवी सविता और बिचू देवी खारीबाम संभालेंगी। रक्षा पंक्ति में सुशीला चानू पुखरामबाम, ईशिका चौधरी, निक्की प्रधान और ज्योति जैसी अनुभवी खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। वहीं लालथांतलुआंगी और शिल्पी डाबस भी टीम का हिस्सा हैं, जिन्होंने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर सीनियर टीम में पदार्पण किया था। मध्यपंक्ति की अगुवाई कप्तान सलीमा टेटे करेंगी। उनके साथ नेहा, सुनेलिता टोप्पो, साक्षी राणा और दीपिका सोरेंग जैसी खिलाड़ी टीम को मजबूती देंगी।

प्रज्ञानानंद ने अलीरजा को हराया

ओस्लो (नॉर्वे), 2 जून । नॉर्वे शतरंज 2026 के सातवें दौर में रोमांच चरम पर रहा। इस दौर में एक मुकाबले का फैसला क्लासिकल शतरंज में हुआ, जबकि दो अन्य मुकाबलों का नतीजा आर्मागेडन टाईब्रेकर से निकला। सोमवार को खेले गए सातवें दौर में दिन का सबसे बड़ा उलटफेर भारत के युवा ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने किया। उन्होंने क्लासिकल मुकाबले में अलीरजा फिरोज़जा को पराजित कर खिताबी दौड़ को और रोमांचक बना दिया।

सेरेना की टेनिस कोर्ट पर महा-वापसी

44 साल की उम्र में क्वीन्स क्लब टूर्नामेंट से करेगी शुरुआत

नई दिल्ली, 2 जून।टेनिस जगत के प्रशंसकों के लिए एक बेहद चौंकाने वाली और ऐतिहासिक खबर सामने आई है। दुनिया की महानतम टेनिस खिलाड़ियों में शुमार अमेरिका की सेरेना विलियम्स लगभग चार साल तक खेल से दूर रहने के बाद एक बार फिर पेशेवर टेनिस कोर्ट पर वापसी करने जा रही हैं।

44 साल की उम्र में सेरेना आगामी क्वीन्स क्लब टूर्नामेंट से अपने रैकेट का दम दिखाएंगी। महिला टेनिस संघ ने सोमवार को आधिकारिक घोषणा की कि 23 बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन सेरेना विलियम्स ने इस प्रतिष्ठित ग्रास कोर्ट टूर्नामेंट में खेलने के लिए वाइल्ड कार्ड स्वीकार कर लिया है। क्वीन्स क्लब टूर्नामेंट अगले सोमवार से शुरू होगा। उनके युगल जोड़ीदार के नाम की हालांकि घोषणा अभी नहीं की गई है। सेरेना ने पिछली बार 2022 यूएस ओपन में प्रतिस्पर्धी मुकाबला खेला था। उस समय उन्होंने टेनिस को अलविदा कहने की बात तो की थी, लेकिन 'संन्यास' शब्द का इस्तेमाल करने से बचते हुए कहा था कि वह टेनिस से आगे बढ़ रही हैं। सेरेना 23 ग्रैंड स्लैम एकल खिताबों के अलावा 14 ग्रैंड स्लैम युगल खिताब भी जीत चुकी हैं।

उन्होंने फरवरी में प्रतिस्पर्धी टेनिस में वापसी के लिए पात्रता हासिल की थी। इसके लिए उन्होंने छह महीने पहले अनिवार्य डोपिंग रोधी कार्यक्रम में दोबारा पंजीकरण कराया था, जो वापसी की दिशा में पहला कदम माना जाता है। ग्रास कोर्ट पर वापसी के बाद यह अटकलें भी तेज हो गई हैं कि सेरेना विंबलडन में भी खेल सकती हैं, जिसकी शुरुआत 28 जून से होगी। वह विंबलडन में सात बार एकल खिताब जीत चुकी हैं।

जयपुर सिटी ने रियल जयपुर को 4-0 से हराया, मगन सिंह राजवी अकादमी ने रॉयल क्लब को 3-0 से मात दी

प्रथम राजस्थान सीनियर विमेंस फुटबॉल लीग

जयपुर, 2 जून। राजस्थान फुटबॉल संघ के तत्वावधान में राजस्थान यूनाइटेड फुटबॉल क्लब ग्राउंड, जयपुर पर आयोजित प्रथम राजस्थान सीनियर विमेंस फुटबॉल लीग के आठवें दिन दो मुकाबले खेले गए। फुटबॉल संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने जानकारी देते हुए बताया कि :-

पहला मैच: सुबह 7:00 बजे जयपुर सिटी फुटबॉल क्लब एवं रियल जयपुर क्लब के मध्य खेला गया। जयपुर सिटी ने शुरू से ही आक्रामक खेल दिखाते हुए 4-0 से एकतरफा जीत दर्ज की। गोल स्कोरर: मंजू (5, 90, हेमलता (18), सोनिका (52) गोल किए। प्लेयर ऑफ द मैच: मंजू (जयपुर सिटी क्लब)।

दूसरा मैच: शाम 4:00 बजे मगन सिंह राजवी अकादमी एवं रॉयल फुटबॉल क्लब, जयपुर के बीच खेला गया। मगन सिंह राजवी अकादमी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 3-0 से मुकाबला अपने नाम किया। **गोल स्कोरर:** लक्ष्मी (26), मंजू कंवर (67), नीतू (76), प्लेयर ऑफ द मैच: मंजू कंवर (एमआरएस अकादमी)।

मैच अधिकारी: मैच कमिश्नर की भूमिका अमर सिंह ने निभाई, जबकि निर्णायक की जिम्मेदारी अवकाश दायमा, जावेद, अंकित शर्मा और पवन कुमार ने संभाली।

एमबी क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 2 जून। अंडर-16 समर कप में अरावली क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 261 रन 3 विकेट के नुकसान पर बनाएं। जगनूर सिंह ने 97, आयुष चौधरी ने 50, अंशु ने 40 और चिराग यादव ने 36 रनों का योगदान दिया। एमबी क्रिकेट अकादमी की ओर से आर्यन सिंह और आदित्य ने 1-1 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी एमबी क्रिकेट अकादमी ने 39 ओवर में 262 रन 6 विकेट के नुकसान पर बना कर जीत हासिल कर ली। आदित्यराज बड़सरा ने सर्वाधिक 145 रनों का योगदान दिया। अरावली क्रिकेट अकादमी की ओर से प्रियंक पारीक और राकेश ने 2-2 विकेट लिए। आदित्यराज बड़सरा को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

राज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड प्रतियोगिता : उदयपुर में खेले गए मैचों में धौलपुर, श्रीगंगानगर व नागौर जीती

जयपुर 2 जून । राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वाधान में आज उदयपुर में खेले गए राज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड प्रतियोगिता में धौलपुर, श्रीगंगानगर व नागौर जीती। महिपाल लोमरोर, सुमित गोदारा के शतक , दर्शन जैन, कार्तिकेय चौधरी, निखिल सचदेव, अकरम, समर्पित जोशी, राहुल तोमर ने अर्धशतक लगाए। विनायक तिवारी, पूनम पुनिया, जयदीप सिंह, निखिल शुक्ला, सलाउद्दीन की शानदार गेंदबाजी रही।

उदयपुर में खेले गए मैचों का परिणाम :- (बारिश के कारण मैच ओवर की संख्या पुन: निर्धारित)

वंडर अकादमी ग्राउंड बांसवाड़ा - नागौर, 33 ओवर मैच, नागौर 9 विकेट से जीती। बांसवाड़ा पारी 189 /8, टीम के लिए दर्शन जैन 67 रन। नागौर के गेंदबाज जयदीप सिंह 41/3, महेंद्र मेहला 37/2 विकेट।नागौर पारी 190 /1, टीम के लिए महिपाल लोमरोर 102 , कार्तिकेय चौधरी नाबाद 53 व अरुण शर्मा नाबाद 28 रन।

वंडर ग्राउंड 2 श्रीगंगानगर -उदयपुर (0 ओवर) श्रीगंगानगर 65 रन से जीती। श्रीगंगानगर पारी 236 /5, टीम के लिए सुमित गोदारा 111 , अकरम 77 रन। उदयपुर के गेंदबाज निखिल शुक्ला 43 /3, उदयपुर पारी 171 /9, टीम के लिए निखिल सचदेव 66 व समर्पित जोशी 52 रन। श्रीगंगानगर के गेंदबाज पूनम पूनिया 28 /4 , सलाऊद्दीन 34 /3 व मनीष आचार्य 28 /2 विकेट।

क्लब क्रिकेटोलॉजी पाली -धौलपुर (20 ओवर) धौलपुर 5 विकेट से जीती। पाली पारी 148 आल आउट। टीम के लिए मितेश जांगिड़ 48 , मोहित व हर्ष 27 /27 रन। धौलपुर के गेंदबाज विनायक तिवारी 28 /5 , अनूप 18 /2 विकेट। धौलपुर पारी 154 /5, टीम के लिए राहुल तोमर 50 , अमित गौतम 36 , देवांश सिंह नाबाद 30 रन।

आकिब-प्रिंस समेत छह गेंदबाजों को बीसीसीआई से बुलावा आया

नई दिल्ली, 2 जून। आईपीएल 2026 खत्म हो चुका है और लीग खत्म छह गेंदबाजों को बीसीसीआई ने अफगानिस्तान के खलिफ टेस्ट के लिए बुलाया गया है। इन छह में से चार गेंदबाज आईपीएल का 19वां सीजन खेले थे। आकिब नबी और प्रिंस यादवउन छह नेट गेंदबाजों में शामिल हैं, जो 6 जून से न्यू चंडीगढ़ में अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच की तैयारी में भारत की मदद करेंगे। उनके अलावा सीमर गुरजपनीत सिंह और स्पिनर शिवांग कुमार, सारांश जैन और ज़ीशान अंसारी को भी बतौर नेट बॉलर बुलाया गया है। प्रिंस टेस्ट सीरीज के बाद होने वाली तीन मैचों की सीरीज के लिए टीम का हिस्सा हैं, जबकि नबी पिछले कुछ सीजन में जम्मू-कश्मीर के लिए अपने शानदार प्रदर्शन, रणजी ट्रॉफी जीत में, टेस्ट टीम में जगह बनाने के प्रबल दावेदार थे।

योग्या और दक्षिणा ने बनाए नए रिकॉर्ड

जयपुर, 2 जून। एसएमएस स्टेडियम तरणताल में आयोजित 75वीं सीनियर स्टेट एक्वेटिक चैंपियनशिप 2026 के दूसरे दिन भीलवाड़ा की योग्या सिंह और टोंक की दक्षिणा जोशी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नए रिकॉर्ड स्थापित किए।

योग्या सिंह ने महिला 50 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में 27।90 सेकंड का समय निकालकर नया रिकॉर्ड बनाया और स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वहीं दक्षिणा जोशी ने महिला 100 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा में 1:06।16 मिनट का समय दर्ज कर पुराना रिकॉर्ड तोड़ते हुए स्वर्ण पदक जीता। जयपुर जिला तैराकी संघ के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में मंगलवार को लगभग 15 स्पर्धाएं आयोजित की गईं।

महिला वर्ग की अन्य स्पर्धाओं में धौलपुर की रतिका खटा ने 400 मीटर फ्रीस्टाइल में 4:57।44 मिनट का समय लेकर स्वर्ण पदक जीता, जबकि धौलपुर की ही परी भोजवानी ने 800 मीटर फ्रीस्टाइल में 10:49।71 मिनट का समय निकालकर स्वर्ण पदक हासिल किया। योग्या सिंह ने 50 मीटर बैकस्ट्रोक में 32।16 सेकंड का समय लेकर दिन का अपना दूसरा स्वर्ण पदक जीता। इसके साथ ही उन्होंने दो दिनों में कुल तीन स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिए हैं। 200 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक का स्वर्ण पदक उदयपुर की विदी सनाढ्य ने 3:03।80 मिनट के समय के साथ जीता। वहीं 200 मीटर इंडिविजुअल मेडले में रतिका खटा ने 2:38।59 मिनट का समय निकालकर अपना दूसरा स्वर्ण पदक जीता।

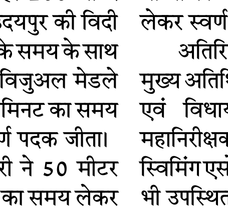

पुरुष वर्ग में यश तिवारी ने 50 मीटर फ्रीस्टाइल में 24।37 सेकंड का समय लेकर स्वर्ण पदक जीता, जबकि भीलवाड़ा के मोहम्मद अनस ने 400 मीटर फ्रीस्टाइल में 4:29।22 मिनट का समय लेकर खिताब अपने नाम किया। जोधपुर के हिमांशु सियाग ने 800 मीटर फ्रीस्टाइल में 9:30।33 मिनट का समय निकालकर स्वर्ण पदक जीता।

सीकर के गुरवीत कसवां ने 50 मीटर बैकस्ट्रोक में 29।40 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया। टोंक के सृजन सिंह देओल ने 200 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक में 2:29।35 मिनट का समय लेकर स्वर्ण पदक जीता। वहीं कोटा के कनिष्क नागर ने 100 मीटर बटरफ्लाई में 1:00।46 मिनट का समय निकालकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। कनिष्क ने 200 मीटर इंडिविजुअल मेडले में 2:23।66 मिनट का समय लेकर दूसरा स्वर्ण पदक भी जीता। 4100 मीटर मिक्स्ड मेडले रिले में जयपुर के कृष्णादित्य, गौरांग, हारिका और यान्या की टीम ने 4:27।34 मिनट का समय लेकर स्वर्ण पदक जीता।

अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता मुख्य अतिथि रहे। इस अवसर पर पूर्व महापौर एवं विधायक अशोक परनामी, पुलिस महानिरीक्षक हेमंत कुमार शर्मा तथा राजस्थान स्विमिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल व्यास भी उपस्थित थे।

कार्यालय नगरपालिका, रतननगर (चूरू)
फोन नं– 01562–281224 ईमेल– mun_rnagar@yahoo.in
Date : 27-05-2026
Notice Inviting Bid
Bids for of STREET LIGHT RATE CONTRACT (AMC) work invited from interested bidders upto 11:00 AM 05.06.2026 Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://sppp.raj.nic.in) of the state official website.
UBN is: DLB2627SLRC06000
Raj.Samwad/C/26/3904
Executive officer
Municipal Board, Ratannagar

कार्यालय नगरपालिका, रतननगर (चूरू)
फोन नं– 01562–281224 ईमेल– mun_rnagar@yahoo.in
Date : 28-05-2026
Notice Inviting Bid
Bids for of Trector trolly work invited from interested bidders upto 01:00 PM 09.06.2026 Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://sppp.raj.nic.in) of the state official website.
UBN is: DLB2627SLRC06001, DLB2627SLRC06002
Raj.Samwad/C/26/3905
Executive officer
Municipal Board, Ratannagar

Municipal Board Of Bagru (Jaipur)
क्रमांक:– न.पा.ब. / 2026–27 / 146 दिनांक :– 26.05.2026
:: E- Notice Inviting Bid ::
Bid for Municipal Board Of Bagru For Works (01) Date 26.05.2026 invited form interested bidders Date 04.06.2026 Upto 6:00 AM Other particulars of the bid may be invited on the procurement portal, http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in of the state.
UBN CODE :- DLB2627WSOB05747
Raj.Samwad/C/26/3931
Executive officer
Nagar palika Bagru

AJMER VIDYUT VITRAN NIGAM LIMITED
Corporate Identification Number (CIN) – U40109RJ2000SGC016482 (Regd. Office: Vidyut Bhawan, Panchsheel Nagar, Makarwali Road, Ajmer-305004) Office of The Superintending Engineer (MM) Vidyut Bhawan, Panchsheel Nagar, Makarwali Road, Ajmer-305004)
SHORT TERM "E" TENDRING INVITING TENDER NOTICE
"E"- Tendering are invited for Supply Rain Coats TN-2129, Screw Driver-4x150 mm., Screw Driver-6x200 mm., Screw Driver-8x300 mm., Spanner Set- Ring Spanner, Spanner Set- D Spanner, Insulated Plier, Phase Tester TN-2130, Safety Belt TN-2131, Rubber Hand Gloves TN-2132, Operating Rod TN-2133, Silicon Resuscitators TN-2134, 11 Fire Extinguishers TN-2135, Voltage Detector TN-2136, EMD and date of uploading/opening of tender and G.C.C. etc WILL be available at web site www.avvnl.com & http://eproc.rajasthan.gov.in.
UBN : AVV2627GLOB00017
Raj.Samwad/C/26/3958
Superintending Engineer (MM)
AVVNL, Ajmer

कार्यालय जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर
क्रमांक :- जोविप्रा/2026-27/432 दिनांक :- 27/05/2026
ई-निविदा सूचना संख्या- मुख्यालय/10/2026-27
जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर की ओर से प्राधिकरण एवं राजकीय विभाग में उपयुक्त श्रेणी मे पंजीकृत संवेदक जिनका पंजीयन नियमानुसार पुनरावलोकन (Review) किया हुआ हो, से निर्धारित प्रपत्र मे ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रक्रिया से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। जो निम्नलिखित दिनांक अनुसार डाउनलोड तथा खोली जायेगी। इन कार्य की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.jodhpurjda.org, www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.raj.nic.in पर देखी जा सकती है।
UBN No. :- JOD2627WSOB00099
राज.संवाद/सी/26/3966
अधिशाषी अभियंता

कार्यालय नगर परिषद सवाई माधोपुर-राज0
क्रमांक:न.प.स.मा. / स्टोर शाखा / 2025–26 / 2176 दिनांकः– 18.05.2026
–::निविदा सूचना वर्ष 2026–27 ::–
केन्द्र एवं राज्य सरकार में उपयुक्त श्रेणी के ठेकेदारों एवं नगर पालिका / परिषद / निगम / स्वायत्त शासन विभाग के निविदाताओं से आयुक्त / अधिशाषी अभियन्ता द्वारा सम्बन्धित निविदा आमंत्रित की जाती है कार्य की अनुमानित लागत 50.00 लाख है। टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारिख, टेण्डर शर्त आदि सम्पूर्ण विवरण राजस्थान सरकार के पोर्टल Website:- www.sppp.raj.nic.in, www.eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।
स्टेट पब्लिक प्रोक्योरमेंट का NIB Code-DLB2627A2363
UBN Code-DLB2627LOB05933
राज.संवाद / सी / 26 / 3998
आयुक्त
नगर परिषद, सवाई माधोपुर

राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर
क्रमांक: वि.सं. 04/Exam/SSO/Home(Gr.-I)/RPSC/EP-1/2026-27 दिनांक : 02.06.2026
आयोग द्वारा राज्य विधि विज्ञान प्रयोगशाला, जयपुर, राजस्थान के लिए राजस्थान फोरेंसिक विज्ञान सेवा नियम, 1979 के वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (विभिन्न 03 खण्ड) के कुल 03 पदों पर भर्ती हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। शैक्षणिक योग्यता, आवेदन प्रक्रिया व अन्य विस्तृत जानकारी के लिए अभ्यर्थी उक्त पदों हेतु आयोग की वेबसाईट पर उपलब्ध विस्तृत विज्ञापन का अवलोकन करें। उक्त पदों हेतु आयु सीमा, आवेदन अवधि व अन्य विवरण निम्नानुसार है :-

आयु सीमा	दिनांक 01.01.2027 को न्यूनतम 21 वर्ष एवं अधिकतम 40 वर्ष से कम होनी चाहिये।
आवेदन अवधि	दिनांक 11.06.2026 से दिनांक 10.07.2026 रात्रि 12-00 बजे तक।
परीक्षा का स्थान व माह	परीक्षा स्थान व तिथि के संबंध में यथासमय सूचित कर दिया जायेगा।

अन्य बिन्दु व सूचना:- परीक्षा से संबंधित अन्य बिन्दु व सूचना के लिए आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध विस्तृत विज्ञापन एवं संबंधित सेवा नियमों का अध्ययन आवश्यक रूप से कर लें। इसके अतिरिक्त उक्त परीक्षा के संबंध में समय-समय पर जारी सूचनाओं का अवलोकन आयोग की वेबसाईट https://rpsc.rajasthan.gov.in पर कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त किसी भी प्रकार के मार्ग निर्देशन / सूचना/ स्पष्टीकरण हेतु राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर के परिसर में स्थित स्वागत कक्ष पर व्यक्तिगत रूप से अथवा दूरभाष सं. 0145-2635212 एवं 2635200 पर सम्पर्क किया जा सकता है। समस्त पत्र व्यवहार सचिव, राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर को सम्बोधित किया जाए।
(रामनिवास मेहता)
सचिव
DIPR/C/............/2026

कार्यालय नगर पालिका मण्डल बाड़ी, जिला-धौलपुर (राज.)
क्रमांक :– न.प.बा. / 2026–27 / 3950–52 दिनांक :– 27.05.2026
निविदा आमंत्रण सूचना
नगर पालिका बाड़ी द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु उपर्युक्त श्रेणी के पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रकिया हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। वेबसाईट पर तकनिकी बिड दिनांक 05.06.2026 एवं वित्तीय बिड तकनीकी जॉच उपरान्त खोली जावेगी। यदि किसी कारणवश उस दिन को अवकाश रहता है तो उसके अगले कार्य दिवस को उसी समय पर निविदा खोली जावेगी। निविदा के संबंध में अधिक जानकारी हेतु http://sppp.rajasthan.gov.in & http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

Sr.No.	UBN no./NIB Code	eProc. Tender ID	Estimated Cost
1	DLB2627WSOB05820	2026_DLB_562752_1	12.35 लाख
2	DLB2627WSOB05822	2026_DLB_562770_1	12.21 लाख
3	DLB2627WSOB05823	2026_DLB_562783_1	08.77 लाख
4	DLB2627WSOB05825	2026_DLB_562839_1	11.29 लाख
5	DLB2627WSOB05826	2026_DLB_562847_1	12.55लाख
6	DLB2627WSOB05827	2026_DLB_562853_1	10.57 लाख
7	DLB2627WSOB05828	2026_DLB_562870_1	13.33 लाख

राज.संवाद / सी / 26 / 3930
अधिशाषी अधिकारी

कार्यालय नगरपालिका मण्डल बसेडी, धौलपुर (राज.)
Email id :- baseri.jaipur21@gmail.com
क्रमांक:– न.पा.ब. / निर्माण / 2026 / 678 दिनांक:– 27.05.2026
ई-निविदा सूचना संख्या 02/2026–27
आमंत्रण सूचना
नगरपालिका द्वारा निम्न कार्य हेतु केन्द्र सरकार व राज्य सरकार के विभागो में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया के अन्तर्गत ऑनलाइन आमन्त्रित की जाती है। निविदा डाउनलोड एवं अपलोड करने की तिथि 22.05.2026 समय दोपहर 02.00 बजे से प्रारम्भ की जाकर निविदा अपलोड करने की अन्तिम तिथि 04.06.2026 समय सांय 06.00 बजे तक होगी। एवं निविदा दिनांक 08.06.2026 को खोली जावेंगी। तकनीकी निविदा में सफल संवेदकों की ही वित्तीय बिड खोली जावेंगी।
निविदा फॉर्म ऑनलाईन बेवसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर अपलोड व डाउनलोड की जायेंगी। तथा ऑनलाईन बेवसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in पर भी निविदा शर्ते देखी जा सकती है।

Sr.No.	UBN no.	Tender Id	Estimated Cost
1	DLB2627WSRC05423	2026_DLB_561666_1	49.33 lacs

राज.संवाद / सी / 26 / 3918
अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका बसेडी

कार्यालय नगर परिषद टोंक
क्रमांक :–न.प.टोंक / निर्माण / 2026–27 / 3003 दिनांक :– 27.05.2026
NOTICE INVITING TENDERS THROUGH
NIT No 16 to 19/ 2026-27
Bids are invited from interested bidders from 29.05.2026 (10.00AM) to 09.06.2026 (6.00PM) as per following details. Other particulars of he bid may be visited on procurement portal (www.Sppp.Rajasthan.gov.in) of the state
NIB No. DLB2627A22742354,2356,2358,2360

NIT No.	Name of work	UBN No.
16/2026-27	नगर परिषद क्षैत्र मे वार्ड नं. 01 से 30 तक विभिन्न स्थानो पर झिकरा / मिटटी डालने एवं फैलाने का कार्य। (अनुमानित राशि 30.00 लाख)	DLB2627WSOB05921
17/2026-27	नगर परिषद क्षैत्र मे वार्ड नं. 31 से 60 तक विभिन्न स्थानो पर झिकरा / मिटटी डालने एवं फैलाने का कार्य। (अनुमानित राशि 30.00 लाख)	DLB2627WSOB05923
18/2026-27	नगर परिषद क्षैत्र मे वार्ड नं. 01 से 30 तक विभिन्न स्थानो पर हुमपाईप डालने एवं फिक्सिंग करने का कार्य। (अनुमानित राशि 10.00 लाख)	DLB2627WSOB05926
19/2026-27	नगर परिषद क्षैत्र मे वार्ड नं. 31 से 60 तक विभिन्न स्थानो पर हुमपाईप डालने एवं फिक्सिंग करने का कार्य।(अनुमानित राशि 10.00 लाख)	DLB2627WSOB05930

Date & time of opening of tender 10.06.2026 at 3.00PM
राज.संवाद / सी / 26 / 3997
आयुक्त, नगर परिषद, टोंक

कार्यालय नगरपालिका टोडारायसिंह जिला टोंक (राज.)
E-Mail – nptodaraisingh@gmail.com Ph. – 01433-294303
क्रमांक : न.पा.टो./ विकास / ई निविदा / 2026–27 / 1010 दिनांक :– 29.05.2026
अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्या (07/2026–27)
एतद्द्वारा यह है कि राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए राजकीय विभाग में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में मोहरबन्द निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा सम्बन्धित अधिक जानकारी वेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर भी उपलब्ध हैं एवं किसी भी कार्य दिवस को कार्यालय में आकर देखी जा सकती है।

NIB NO	DLB2627A2425
UBIN NO	DLB2627WSOB06045
निविदा के कुल कार्य	01 (एक)
निविदा की अनुमानित लागत	राशि रू. 13.06 (लाखों में)
निविदा जारी करने की दिनांक	29.05.2026
निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने की शुरूआती दिनांक व समय	29.05.2026 6:00 PM
निविदा दस्तावेजों को अपलोड करने हेतु अन्तिम दिनांक व समय	04.06.2026 06:00 PM
निविदा शुल्क के डी.डी. / दस्तावेज जमा करवाने हेतु दिनांक व समय	05.06.2026 11:00 AM
तकनिकी बिड खोलने की दिनांक व समय	05.06.2026 2:00 PM
वित्तीय बिड खोलने की दिनांक व समय	Will be Intimated Latter to the technically Qualified Bidders
बिड की वैधता समयावधि	180 दिन

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत राशि (लाखो में)	धरोहर राशि (2 प्रतिशत)	निविदा शुल्क	MD. RISL शुल्क	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	पालिका क्षेत्र में स्थित विभिन्न नालो की सफाई कार्य।	13.06	26129	500	500	1 माह

राज.संवाद / सी / 26 / 3947
अधिशाषी अधिकारी

Visit us : www.mpuat.ac.in; Mail ID : zdr_arsb@yahoo.com; Mo. No.: 8112207969 @ 9414389929
कृषि अनुसंधान केन्द्र, दाहोद रोड़, बोरवट फार्म, बाँसवाड़ा(राज.) 327 001
(महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर)
क्रमांक : एफ( ) / कृअके / 2026–27 / 72–77 दिनांक : 02 / 06 / 2026
निविदा सूचना (2026–27)
कृषि अनुसंधान केन्द्र, बांसवाडा, के लिये कृषि कार्य हेतु पंजीकृत संवेदक / ठेकेदार से अपेक्षित अनुभव क्षमताओं के साथ मासिक कार्य / कार्यानुसार हेतु खुली निविदाएं बंद लिफाफों में आमंत्रित की जाती है। पंजीकृत संवेदक / ठेकेदारों को तकनीकी एवं वित्तीय निविदा अलग-अलग सील बन्द लिफाफों में देनी होगी। निविदा प्रारूप, सम्पूर्ण नियम एवं शर्ते विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.mpuat.ac.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कर सकते है। निविदा प्रारूप प्राप्ति की अन्तिम तिथि 10.06.2026 प्रातः 11.00 बजे तक रहेगी। उक्त निविदाएं उसी दिन प्रातः 11.30 बजे तक जमा की जाकर मध्याहन 12.00 बजे कमेटी की उपस्थिति में खोली जावेगी। निविदा प्रारूप जमा करवाते समय कार्य के सामने वर्णित निविदा शुल्क एवं धरोहर राशि जमा करवानी होगी।

कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू.)	धरोहर राशि (रू.)	निविदा शुल्क (रू.)
कृषि अनुसंधान केन्द्र, पर कपास एवं बी.टी. कपास परियोजना में कृषि कार्य (3.0 हेक्टेयर)	7,20,000 / –	14,500 / –	500 / –

संभागीय निदेशक अनुसंधान

मुख्यमंत्री भजनलाल केन्द्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी व मनसुख मांडविया से मिले

उन्होंने केन्द्रीय मंत्रियों से खाद्य, सुरक्षा, ऊर्जा आत्मनिर्भरता, कौशल विकास व खेलों पर विस्तृत चर्चा की

नई दिल्ली/जयपुर, 2 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को नई दिल्ली में केन्द्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रहलाद जोशी एवं केन्द्रीय श्रम एवं रोजगार, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया से मुलाकात की।

मुख्यमंत्री की केन्द्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी से राजस्थान में खाद्य सुरक्षा को सुदृढ़ करने, सार्वजनिक वितरण प्रणाली को और अधिक सशक्त बनाने तथा प्रदेश को ऊर्जा आत्मनिर्भर बनाने हेतु नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में जारी विभिन्न केन्द्रीय योजनाओं व आगामी विकास परियोजनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने राजस्थान में हरित ऊर्जा के क्षेत्र में हो रही प्रगति और ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर-2 के क्रियान्वयन की सराहना की।

■ **केन्द्रीय नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रहलाद जोशी ने राजस्थान में हरित ऊर्जा के क्षेत्र में हो रही प्रगति और ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर-2 के क्रियान्वयन की सराहना की।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को नई दिल्ली में केन्द्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रहलाद जोशी एवं केन्द्रीय श्रम एवं रोजगार, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया से मुलाकात की।

मुख्यमंत्री की केन्द्रीय मंत्री डॉ. मांडविया से राजस्थान के युवाओं के कौशल विकास, रोजगार के नए अवसरों के सृजन और राज्य में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने व स्थानीय खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं व प्रोत्साहन देने को लेकर सकारात्मक चर्चा हुई। साथ ही, 'माय भारत' के माध्यम से युवाओं को प्रोत्साहन देने की रूपरेखा पर भी विचार-विमर्श किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारी डबल इंजन की सरकार राजस्थान के युवाओं की प्रतिभा को नई उड़ान देने और उनके उज्ज्वल व सुरक्षित भविष्य के लिए पूर्णतः संकल्पित और निरंतर प्रयासरत है।

द. सूडान में 550 भारतीय शांति सैनिकों को सम्मानित किया

नई दिल्ली, 02 जून। दक्षिण सूडान में यूएन मिशन (यूएनएमआइएसएस) के तहत कार्यरत 53 महिलाओं समेत 550 से अधिक भारतीय शांति सैनिकों को नागरिकों की सुरक्षा और संघर्ष प्रभावित देश में शांति निर्माण प्रयासों के प्रति उनकी निष्ठा और प्रतिबद्धता के लिए सम्मानित किया गया है। दक्षिण सूडान के मलाकाल शहर में एक समारोह में कुल 565 भारतीय शांति सैनिकों ब्लू हेलमेट और 464 रवांडा के शांति सैनिकों को यूएन मेडल आफ ऑनर प्रदान किया गया। यूएनएमआइएसएस के अनुसार, ब्लू हेलमेट का तात्पर्य उन सैन्य कर्मियों, पुलिस अधिकारियों और नागरिक विशेषज्ञों से है जो संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिक बलों के संचालनात्मक कमान के तहत कार्यरत हैं। दक्षिण सूडान में यूएन मिशन के बल कमांडर मेजर-जनरल जुनहुई वू ने कहा कि हर मेडल "हमारे बहादुर शांति सैनिकों के साहस और सहनशीलता का जश्न मनाता है, जो चुनौतीपूर्ण वातावरण में अनुशासन, संचालनात्मक प्रभावशीलता और टीमवर्क के उच्चतम मानकों को प्रदर्शित करते हैं।"

जैसलमेर में तूफान से चार सौ बिजली के पोल गिरे

जैसलमेर व सम पंचायत समिति के 150 गाँवों का जिला मुख्यालय से सम्पर्क कटा, ग्रामीण क्षेत्रों में अँधेरा छाया

जैसलमेर, 2 जून (निसं)। सीमावर्ती जिले जैसलमेर में सोमवार रात्रि को आए भीषण अंधड़, चक्रवाती तूफान और मूसलाधार बारिश ने भारी तबाही मचाई। तेज गति से चलीं विनाशकारी हवाओं के कारण जोधपुर डिस्कॉम का बुनियादी ढांचा पूरी तरह ध्वस्त हो गया, जिसके चलते जिले भर में चार सौ से अधिक बिजली के खंभे जमीन पर आ गिरे। तूफान का सबसे ज्यादा असर काठोडी जीएसएस सम और भारत-पाक सीमा से सटे ग्रामीण इलाकों में देखने को मिला।

तेज अंधड़ के कारण बिजली की लाइनें और तार टूटने से जैसलमेर तथा सम पंचायत समिति के करीब 150 से अधिक गांवों का संपर्क जिला मुख्यालय से कट गया है। इन ग्रामीण क्षेत्रों में पिछले 16 घंटों से पूरी तरह अंधेरा छाया हुआ है। और आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। वहीं नलकूप और वाटर पंप बंद होने से सीमावर्ती गांवों में पीने के पानी का गंभीर संकट भी खड़ा हो गया है। अंधड़ की विभीषिका के बाद जोधपुर डिस्कॉम की तकनीकी टीमें और अधिकारी फील्ड में उतरे। मुख्य फीडरों को दुरुस्त करने और गिरे हुए खंभों को हटाने का काम युद्धस्तर पर किया जा रहा है। डिस्कॉम सूत्रों के अनुसार, शुरुआती आंकलन में ही विभाग को भारी आर्थिक नुकसान सामने आया है और दूरदराज की ढाणियों व अंचलों से रिपोर्ट आने के बाद नुकसान का यह आंकड़ा अभी और बढ़ सकता है।

■ **तूफान की रफ्तार इतनी तेज थी कि बिजली के खंभों के साथ कई बड़े पेड़ उखड़ गए, रिसॉर्ट्स की दीवारें ढह गईं, घरों के टीन शैड व होर्डिंग्स हवा में उड़ गए।**

डिस्कॉम अधिकारियों का कहना है कि प्रमुख कस्बों और आवश्यक सेवाओं वाले क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति जल्द बहाल करने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन अंदरूनी ग्रामीण क्षेत्रों में व्यवस्था पूरी तरह सामान्य होने में 1 से 2 दिन का समय लग सकता है।

सिद्धारमैया 2028 ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

होगा, क्योंकि वे बेंगलुरु में यातायात संबंधी समस्याओं से बचना चाहते हैं।

उन्होंने कहा, हमने बेंगलुरु में अव्यवस्था से बचने के लिए लोक भवन में सादगीपूर्ण शपथ ग्रहण समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया है। हमें आम लोगों की सुविधा का भी ध्यान रखना है। उन्होंने आगे कहा, चूंकि यह कार्यदिवस है, इसलिए हम बेंगलुरु शहर में किसी तरह की अव्यवस्था नहीं चाहते। पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों को राजधानी लाने के लिए 17,000 से अधिक वाहनों की बुकिंग पहले ही की जा चुकी है। पुलिस अधिकारी यातायात बाधित होने और जनता की परेशानियों को लेकर चिंतित थे।

भाजपा में भी छाया ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सक्रिय हैं, जो उनके पिता का निर्वाचन क्षेत्र है। बरेली में, वरिष्ठ भाजपा नेता और झारखंड के पूर्व राज्यपाल संतोष गंगवार की पुत्री श्रुति अपनी किस्मत आजमाने की कोशिश में हैं। पूर्व भाजपा सांसद बृज भूषण शरण सिंह पहले ही एक पुत्र के लिए यूपी विधानसभा और एक अन्य के लिए लोकसभा में स्थान सुरक्षित कर चुके हैं। अब वे नोएडा से अपनी पुत्री शालिनी की राजनीतिक शुरुआत करना चाहते हैं। लेकिन यह आसान नहीं होगा, क्योंकि नोएडा का प्रतिनिधित्व राजनाथ सिंह के बड़े पुत्र पंकज करते हैं। सूची में अन्य लोग हैं- यूपी की पूर्व मंत्री रीता बहुगुणा जोशी के पुत्र मयंक जोशी, जो कथित तौर पर लखनऊ छावनी से भाजपा टिकट पाने के प्रयास में हैं। दिलचस्प बात यह है कि मयंक ने पिछले विधानसभा चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी जॉइन की थी और अभी तक उस पार्टी से इस्तीफा नहीं दिया है। सूत्रों के अनुसार, मयंक, जो पार्टी टिकट दे देगी, उसी से चुनाव लड़ेंगे। अमेठी में, पूर्व सांसद संजय सिंह की पुत्री आकांक्षा ने भी मैदान में टिकट के लिए अपनी दावेदारी पेश की है।

शादीशुदा पुत्रियों को अनुकंपा नियुक्ति से बाहर नहीं किया जा सकता

नई दिल्ली, 02 जून। उच्चतम न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि शादीशुदा बेटियों को अनुकंपा नियुक्ति से बाहर नहीं किया जा सकता है और परिवार की परिभाषा से उन्हें हटाना साफ तौर पर मनमाना और संवैधानिक रुप से गलत है। जस्टिस पीएस नरसिम्हा की अध्यक्षता वाली बेंच ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले को निरस्त करते हुए ये टिप्पणी की।

दरअसल, इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कहा था कि अनुकंपा नियुक्ति के लिए परिवार की परिभाषा में शादीशुदा बेटी शामिल नहीं है। इस आधार पर उच्च न्यायालय ने अनुकंपा के आधार पर उसे उचित मूल्य की दुकान का डीलर नियुक्त करने की उसकी मांग को खारिज कर दिया था। महिला ने यूपी सरकार के 2019 के एक आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें शादीशुदा बेटियों को परिवार की परिभाषा से बाहर रखा गया था। इस फैसले को एक महिला ने उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी थी। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि जिस नियम को चुनौती दी गई है, वह इस सोच पर आधारित है कि शादी के बाद बेटी अपने माता-पिता के परिवार की सदस्य नहीं रहती या उन पर निर्भर नहीं रहती। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि ऐसी सोच संवैधानिक रुप से गलत है।

ममता के धरने में केवल 7 विधायक, 2 सांसद पहुंचे

कोलकाता, 02 जून। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी द्वारा मंगलवार को कोलकाता के धर्मतल्ला स्थित वाई चैनल पर आयोजित धरना कार्यक्रम में पार्टी के सीमित जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी ने राजनीतिक हलकों में नई चर्चा छेड़ दी है। हालिया विधानसभा चुनाव में सत्ता गंवाने के बाद, भाजपा सरकार के खिलाफ आयोजित इस विरोध-प्रदर्शन में तृणमूल के केवल सात विधायक और दो सांसद ही शामिल हुए।

धरना कार्यक्रम में मौजूद विधायकों में चंद्रिमा भट्टाचार्य, सोवनदेब चट्टोपाध्याय, नायना बंद्योपाध्याय, मदन मित्रा, अशोक देब, असीमा पात्रा और बिमान बनर्जी शामिल थे। वहीं सांसदों में डोला सेन और कल्याण बनर्जी ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

तृणमूल कांग्रेस के पास हालिया चुनाव के बाद भी बड़ी संख्या में निर्वाचित जनप्रतिनिधि हैं।

सुप्रीम कोर्ट के 5 ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हैं। जस्टिस शील नागू पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट (मूल एचसी : मध्य प्रदेश) के मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्यरत थे, जस्टिस श्री चंद्रशेखर बॉम्बे हाई कोर्ट (मूल एचसीः झारखंड) के मुख्य न्यायाधीश के रूप में, जस्टिस संजीव सचदेवा मध्य प्रदेश हाई कोर्ट (मूल एचसीः दिल्ली) के मुख्य न्यायाधीश के रूप में, और जस्टिस अरुण पल्ली जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाई कोर्ट (मूल एचसीः पंजाब और हरियाणा) के मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्यरत थे।

पांचवीं नियुक्त जज, सीनियर एडवोकेट वी. मोहना, सुप्रीम कोर्ट में वकालत करती थीं और उन चुनिंदा वकीलों में से एक बन गई हैं, जिन्हें सीधे सुप्रीम कोर्ट की बेंच में पदोन्नत किया गया है।

बंदी की मौत पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कोर्ट ने आईओ से तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी थी। आईओ ने 25 मई की रिपोर्ट में कहा कि मौजूदा मामले में अनुसंधान जारी है। इस पर कोर्ट ने रिपोर्ट पर नाराजगी जताते हुए कहा कि जब एक बार पूर्व में अनुसंधान पूरा होकर जुर्म प्रमाणित मान लिया गया है तो फिर अब आरोपियों के खिलाफ अनुसंधान लंबित होना क्यों बताया जा रहा है। गौरतलब है कि इस मामले की न्यायिक जांच में बंदी की मौत का जिम्मेदार कांस्टेबल इकबाल खां, कांस्टेबल राजूराम और धर्मी मीणा को बताया है। वहीं परिवादी पक्ष के व्यक्ति शिवलाल, बाबूलाल और निजी वाहन चालक नदीम के साथ आपराधिक षड्यंत्र करने की बात कही है।

टीएमसी में नेतृत्व के खिलाफ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पार्टी कार्यालयों से बरामद वस्तुओं की सूची दिन-ब-दिन और भी अधिक चौंकाने वाली होती जा रही है। राज्य के कालना क्षेत्र में एक पूर्व विधायक ने एक आलीशान महल जैसा घर बना रखा था, जहां से एक एम्बुलेंस भी बरामद हुई है।

छात्र नेताओं के कब्जे वाले कॉलेज यूनियन के कुछ कमरों से भी बड़ी मात्रा में नकदी मिलने की खबरें सामने आ रही हैं। मध्य कोलकाता के सुरेन्द्रनाथ कॉलेज के छात्र संघ कक्ष से भारी मात्रा में नकदी बरामद हुई। कॉलेज छात्र नेता देबाशीष बनर्जी (जिसे "कान-काटा देबू" के नाम से जाना जाता था) पूरे कॉलेज के मामलों को नियंत्रित करता था, यहाँ तक कि स्थानीय विधायक तक का यूनियन के मामलों पर कोई प्रभाव नहीं था। बताया जाता है कि कॉलेज यूनियन हर साल दाखिला घोटालों से करोड़ों रुपये कमाती थी। कहा जाता है कि यह पैसा तृणमूल के शीर्ष नेताओं तक पहुंचता था। बताया जाता है कि कान-काटा देबू के सुदीप बंद्योपाध्याय और उनकी पत्नी से करीबी संबंध थे। यूनियन कक्ष में दो लगेज ट्रॉली मिलीं, जिनमें करैंसी नोटों के बड़े-बड़े बंडल भरे हुए थे। इनमें से काफी नोटों को दीमक खा चुकी थी। ट्रॉलियों से 500 रुपये के नोट और पुराने बड़ी कीमत वाले करैंसी नोट बरामद हुए। राज्य पुलिस ने पूरी बरामदगी को अपने कब्जे में ले लिया है। भारतीय रिजर्व बैंक के प्रतिनिधि कल इन करैंसी नोटों की जांच करेंगे और उनके बारे में निर्णय लेंगे। कई नोट इतने खराब हो चुके हैं कि उनका इस्तेमाल करना संभव नहीं है। इन कार्यालयों में ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी की तस्वीरें लगी हुई थीं। कॉलेज यूनियन के कमरे से सटे हुए दो बैडरूम भी थे। कमरा वातानुकूलित था और उसमें व्यवस्थित बिस्तर, तौलिये तथा अन्य सुविधाएं मौजूद थीं। यह कमरा होटल के कमरे की तरह भी इस्तेमाल किया जाता था, जिसे किराये पर दिया जा सकता था। इसके साथ एक संलग्न स्नानघर भी था। कमरे में फ्रिज भी रखा हुआ था। कमरे में पेय पदार्थों की बोतलें भी मिली हैं। चुनाव परिणाम घोषित होने के एक महीने के भीतर ही पूरे बंगाल की स्थिति बेहद असामान्य होती जा रही है। लोग गुस्से में सड़कों पर उतर रहे हैं और तृणमूल कांग्रेस के विभिन्न स्तरों के प्रतिनिधियों पर हमले कर रहे हैं। दूसरी ओर, कई प्रसिद्ध गायक और अभिनेता भी शिकायत कर रहे हैं कि तृणमूल कांग्रेस ने गायकों पर अपना शिकंजा कस रखा है, जिससे उन्हें काम पाने की आज़ादी नहीं मिल पा रही है।

पेपर लीक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यादव की ओर से पेश वकील अंबिका ने कहा कि उसे नीट परीक्षा की तैयारी करनी है। उसने 03 मई को नीट की परीक्षा दी थी जो निरस्त हो गई थी।

लोखंडे ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को सौंपा गया है। उन्हें एक महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट देनी होगी। इस बीच, केंद्र सरकार ने वरिष्ठ आईएएस लोखंडे प्रशांत सीताराम को सीबीएसई का नया चेयरमैन और इंडियन इंफोर्मेशन सर्विस के अधिकारी वरुण भारद्वाज को सचिव नियुक्त किया है।

'मैं नहीं होता तो तुम जेल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हमले नहीं रोकता है तो इज़रायल बेरुत में "आतंकवादी लक्ष्यों" को निशाना बनाएगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने हिज़बुल्लाह नेतृत्व के प्रतिनिधियों से भी बातचीत की, जिन्होंने इज़रायल पर हमले रोकने पर सहमति जताई।

ट्रंप ने कहा, "मैंने हिज़बुल्लाह के नेताओं के प्रतिनिधियों से भी बातचीत की, और उन्होंने इज़रायल और उसके सैनिकों पर गोलीबारी रोकने पर सहमति दी। इसी तरह, इज़रायल ने भी उनके खिलाफ गोलीबारी रोकने पर सहमति दी। देखते हैं यह कितने समय तक चलता है, उम्मीद है कि यह हमेशा चलेगा।"

इस बीच, एक्सियोस ने बताया कि ट्रंप और नेतन्याहू के बीच तीखी बातचीत हुई।

एक्सियोस ने एक अनाम अमेरिकी अधिकारी के हवाले से बताया कि ट्रंप ने कहा, "तुम एकदम पागल हो। अगर मैं नहीं होता तो तुम जेल में होते, मैं तुमको बचा रहा हूँ। अब हर कोई तुमसे नफ़रत करता है और इस कारण हर कोई इज़रायल से नफ़रत करता है।"

दूसरे स्रोत ने एक्सियोस को बताया कि ट्रंप बहुत गुस्से में थे और एक समय नेतन्याहू पर चिल्लाते हुए बोले, "तुम क्या कर रहे हो?" एक अन्य अधिकारी ने कहा कि इस कॉल के दौरान ट्रंप ने नेतन्याहू को पूरी तरह से नेस्तनाबूद कर दिया।

अज्ञात अधिकारी के अनुसार, नेतन्याहू ने कहा, "ठीक है, ठीक है, बस सुनिश्चित करो कि सब संभल जाए।"

ट्रंप का हस्तक्षेप ईरान के साथ कूटनीतिक प्रयासों पर अनिश्चितता के बीच आया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि तेहरान के साथ वार्ता जारी है, भले ही हालिया गोलाबारी ने लगभग दो महीने के युद्धिवराम को बार-बार परखा हो। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर कहा, "इस्लामिक गणराज्य ईरान के साथ वार्ता तेजी से जारी है।"

ईरान और अमेरिका के बीच युद्धिवराम लगातार हमलों और जवाबी हमलों से तनाव में है, जबकि दोनों पक्ष समझौते के माध्यम से संघर्ष समाप्त करने की कोशिश कर रहे हैं। यह स्पष्ट नहीं है कि दोनों देश समझौते के कितने निकट है और आगे की सैन्य कार्रवाई वार्ता को प्रभावित कर सकती है।

इससे पहले, ट्रंप ने एनबीसी न्यूज़ को बताया कि उन्हें ईरान के वार्ता स्थगन के फैसले की पूर्व सूचना नहीं दी गई, लेकिन उन्होंने इस बात को तूल नहीं दिया। उन्होंने कहा, "अगर वे बात करना बंद कर दें तो ठीक है। यह कहने के लिए उचित है, क्योंकि वे लड़ाके ज्यादा अच्छे नहीं है, पर बेहतर वार्ताकार हैं।"

ट्रंप ने कहा, "लेकिन उन्होंने हमें इसकी सूचना नहीं दी। इसका मतलब यह नहीं कि हम वहाँ जाकर बम गिराने लगेंगे।"

अमेरिकी सेना और ईरान ने सप्ताहांत और सोमवार को एक दूसरे पर हमले और जवाबी हमले किए, जिससे लगभग दो महीने पुराने युद्धिवराम को खतरा पैदा हुआ।

युद्धिवराम के बावजूद, इज़रायल ने लेबनान में अपनी सैन्य कार्रवाई जारी रखी, और अपने 26 साल के सबसे गहरे आक्रमण को अंजाम दिया।

सोमवार को नेतन्याहू ने हिज़बुल्लाह के नियंत्रण वाले बेरुत के दक्षिणी उपनगरों पर हमले का आदेश दिया, जिससे संघर्ष और बढ़ने का संकेत मिला। इसके तुरंत बाद ट्रंप ने इज़रायली नेता को फोन किया।

तेहरान और वॉशिंगटन के बीच जारी वार्ता से ईरान द्वारा हटने की घोषणा के बाद, ट्रंप कथित रूप से इज़रायल पर भड़क गए।

अब यह देखना बाकी है कि क्या ट्रंप का यह गुस्सा अमेरिकी जनता को दिखाने के लिए एक चालाक मीडिया कवायद थी कि सब कुछ ट्रंप के काबू में है, या वास्तव में नेतन्याहू को काबू में करने का प्रयास था।

भारत में ब्लू कॉलर वर्कर्स (नलवाला, बिजली वाला ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कई देशों में ऐतिहासिक रूप से कम बेरोजगारी दर होने के बावजूद, निर्माण श्रमिक, मैकेनिक, इलेक्ट्रिशियन, देखभाल कर्मचारी (केयर गिवर्स) और लॉजिस्टिक्स श्रमिकों को ढूंढना कठिन होता जा रहा है। उत्तरी अमेरिका, यूरोप और एशिया के कुछ हिस्सों में व्यापारिक सर्वेक्षणों और नीतिगत दस्तावेजों में अब स्पष्ट रूप से "कुशल तकनीकी व्यवसायों की कमी" का उल्लेख किया जा रहा है। प्लंबर, इलेक्ट्रिशियन, वेल्डर और एचवीएसी तकनीशियन उन पदों में शामिल हैं, जिन्हें भरना सबसे कठिन माना जा रहा है, क्योंकि पुराने कर्मचारी सेवानिवृत्त हो रहे हैं और पर्याप्त संख्या में युवा इन क्षेत्रों में नहीं आ रहे हैं।

यूरोपीय संघ में 2023 के दौरान लगभग तीन-चौथाई कंपनियों ने कहा कि उन्हें सही कौशल वाले कर्मचारी नहीं मिल रहे हैं। यह संख्या पांच वर्ष पहले की तुलना में लगभग दोगुनी है।

जर्मनी में श्रम बाजार के आंकड़ों से पता चलता है कि 2024 में 80 प्रतिशत से अधिक नियोक्ताओं ने भर्ती में कठिनाइयों की शिकायत की। इससे स्पष्ट है कि यूरोप की औद्योगिक अर्थव्यवस्था में श्रम बाजार कितना तंग हो चुका है।

इलेक्ट्रिशियन, मैकेनिक और अन्य कुशल तकनीकी कर्मचारी इस महाद्वीप में सबसे अधिक कमी वाले पेशों में गिने जाते हैं। यूरोपीय श्रम प्राधिकरण भी इलेक्ट्रिशियन, वेल्डर और मैकेनिक को सबसे अधिक कमी वाले व्यवसायों में गिनता है। अमेरिका में भी स्थिति कुछ ऐसी ही है। सरकारी और उद्योग संबंधी अनुमानों के अनुसार, अगले कुछ वर्षों में वहां लाखों नहीं, बल्कि सैकड़ों हजार प्लंबरों की कमी हो सकती है। साथ ही अगले दशक में इलेक्ट्रिशियन और रखरखाव कर्मचारियों की मांग पूरे रोजगार बाजार की औसत वृद्धि से अधिक रहने की संभावना है।

जैन का मानना है कि इस प्रवृत्ति को जनसांख्यिकीय बदलाव और तेज कर रहे हैं। उनका कहना है कि अब दुनिया की आधे से अधिक आबादी ऐसे समाजों में रहती है जहां आबादी बूढ़ी हो रही है और जन्म दर कम है। इससे उच्च आय वाले देशों को ब्लू-कॉलर कर्मचारियों के लिए विदेशों की ओर देखना पड़ रहा है।

जनसांख्यिकी विशेषज्ञ इस स्थिति को अधिक संतुलित शब्दों में बताते हैं। उनके अनुसार, विकसित देशों में कामकाजी उम्र की आबादी घट रही है और बुजुर्गों की संख्या बढ़ रही है, जिससे सामाजिक सुरक्षा और देखभाल व्यवस्था पर दबाव बढ़ेगा, जब तक कि उत्पादकता न बढ़े, सेवानिवृत्ति की आयु न बढ़ाई जाए या प्रवास में वृद्धि न हो।

जैन ने कहा, "उच्च आय वाले देश जनसांख्यिकीय पतन का सामना कर रहे हैं और भारतीय ब्लू-कॉलर श्रमिक इसका समाधान हैं।" हालांकि "पतन" शब्द का प्रयोग उन्होंने स्वयं किया है, लेकिन जिन अंतर्निहित दबावों की वे बात कर रहे हैं, वे आधिकारिक अनुमानों में भी दिखाई देते हैं।उनका यह भी कहना है कि आप्रवासन (इमिग्रेशन) को लेकर राजनीतिक सोच बदल रही है। अमीर देशों को अभी भी श्रमिकों की जरूरत है, लेकिन कई पश्चिमी देशों में व्यापक आप्रवासन के प्रति जनसमर्थन कम हुआ है। परिणामस्वरूप सरकारें वीज़ा नियमों को कड़ा कर रही हैं, जबकि उद्योग संगठन निर्माण, कृषि और बुजुर्गों की देखभाल जैसे क्षेत्रों के लिए अधिक विदेशी श्रमिकों की मांग कर रहे हैं।

हाल के वर्षों में आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) जैसे संस्थानों के आंकड़ों से पता चलता है कि कुछ विकसित देशों में काम से जुड़े प्रवास (माइग्रेशन) में कमी आई है, क्योंकि वीज़ा नियम सख्त हुए हैं और इनका राजनीतिक विरोध बढ़ा है, हालांकि कुल प्रवासी आबादी अभी भी ऐतिहासिक मानकों के हिसाब से ऊंची बनी हुई है। जैन ने लिखा, "बिना नियंत्रण वाले आप्रवासन के प्रति पश्चिम का आकर्षण समाप्त हो रहा है, क्योंकि कुछ प्रवासी स्थानीय समाज में घुल-मिल नहीं पाते और संस्कृति को ही बदलना चाहते हैं।" उनका मानना है कि सरकारें श्रम की कमी को पूरा करने पर केन्द्रित आर्थिक प्रवास कार्यक्रमों को प्राथमिकता दे सकती हैं, जिनका उद्देश्य केवल श्रमिकों की कमी वाले क्षेत्रों को भरना हो।

पश्चिमी यूरोप में प्रवासियों के एकीकरण पर हुए शोध भी इस चिंता के कुछ हिस्सों का समर्थन करते हैं। दीर्घकालिक अध्ययनों में पाया गया है कि कुछ प्रवासी समूहों को रोजगार, शिक्षा और सामाजिक अवसरों में स्थानीय लोगों की तुलना में लगातार कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है और कमजोर या अपर्याप्त नीतियों के कारण उनका समाज में समावेशन धीमा और राजनीतिक रूप से विवादास्पद बना रहता है।

इससे भारत कुशल तकनीकी कर्मचारियों के लिए वैश्विक प्रतिस्पर्धा का केन्द्र बन सकता है।

अपनी बड़ी और अपेक्षाकृत युवा आबादी तथा खाड़ी देशों, यूरोप और उत्तरी अमेरिका के साथ लंबे समय से बने प्रवासन संबंधों के कारण भारत पहले से ही नर्सों, देखभाल कर्मचारियों (केयर गिवर्स) और निर्माण श्रमिकों का एक प्रमुख स्रोत है। इन देशों के नीति-निर्माता श्रमिकों की कमी वाले क्षेत्रों के लिए विदेशी कर्मचारियों को आकर्षित करने की नई योजनाओं पर विचार कर रहे हैं। इनमें देखभाल कर्मचारियों के लिए त्वरित वीज़ा और इलेक्ट्रिशियन जैसे तकनीकी व्यवसायों के लिए विशेष कार्यक्रम शामिल हैं। लेकिन विडंबना यह है कि भारत शायद वही कार्यबल तैयार कर रहा है, जिसकी वैश्विक बाजार को सबसे कम आवश्यकता है।

जहां विदेशों में ब्लू-कॉलर श्रमिकों की मांग बढ़ रही है, वहीं भारत लाखों ऐसे डिग्रीधारी युवाओं को तैयार कर रहा है, जो पहले से ही भीड़भाड़ वाले वाइट-कॉलर रोजगार बाजार में प्रवेश कर रहे हैं। हाल के अध्ययनों और श्रम सर्वेक्षणों के अनुसार, युवा स्नातकों में बेरोजगारी दर लगभग 40 प्रतिशत के आसपास बनी हुई है, जो कम शिक्षित युवाओं की तुलना में काफी अधिक है। दूसरी ओर, एम्प्लॉयर, प्रैक्टिकल एवं स्किल बेस्ड भूमिकाओं के लिए लोगों की कमी की शिकायत कर रहे हैं।

शोधकर्ताओं का अनुमान है कि श्रम बाजार में प्रवेश करने वाले स्नातकों में से केवल लगभग हर चौदहवां व्यक्ति ही पहले वर्ष में स्थायी वेतन वाली नौकरी हासिल कर पाता है। यह बात शिक्षा से जुड़ी उम्मीदों और उपलब्ध काम के ढांचे के बीच के अंतर को उजागर करती है। साथ ही, विभिन्न परामर्श संस्थाओं और नीति संगठनों के अनुमान बताते हैं कि अगले दशक में भारत को जिन नई नौकरियों की आवश्यकता होगी, उनमें बड़ी संख्या लॉजिस्टिक्स, कंस्ट्रक्शन, मैन्युफैक्चरिंग और बुनियादी सेवाओं जैसे क्षेत्रों की ब्लू-कॉलर नौकरियाँ होंगी। इसके अलावा, देश में विशाल वर्कफोर्स होने के बावजूद, सही तकनीकी कौशल वाले कर्मचारियों की कमी पहले से ही बनी हुई है। भारत के श्रम बाजार पर हुए अध्ययनों में यह भी बताया गया है कि कई ब्लू-कॉलर नौकरियां अभी भी असंगठित, कम वेतन वाली और असुरक्षित हैं। यही कारण है कि नई पीढ़ी इन व्यवसायों की ओर आकर्षित नहीं होती और कुशल तकनीकी कर्मचारियों की कमी और बढ़ जाती है।

जैन के अनुसार, एक गंभीर असंतुलन पैदा हो रहा है।

उन्होंने लिखा, "मेरा मानना है कि अगले पांच वर्षों में भारत में प्लंबर, इलेक्ट्रिशियन, बढ़ई, ड्राइवर, नर्स और देखभाल कर्मचारियों की कमी हो जाएगी, क्योंकि वे उच्च आय वाले देशों में चले जाएंगे।"

पेपर लीक और नकल माफिया पर पुलिस का शिकंजा कसा

रीट, शिक्षक भर्ती और पटवारी भर्ती में पेपर लीक धांधली और फर्ज़ीवाड़े के फरार आरोपियों पर 10-10 हजार का इनाम घोषित

जयपुर, 2 जून। राजस्थान में भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक और नकल माफिया के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत, स्पेशल ऑपरेशन्स ग्रुप (एसओजी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 15 फरार आरोपियों पर दस-दस हजार रुपए का नकद इनाम घोषित किया है। ये सभी आरोपी रीट, शिक्षक भर्ती और पटवारी भर्ती जैसी महत्वपूर्ण प्रतियोगी परीक्षाओं में धांधली, पेपर लीक और फर्जीवाड़े के मामलों में वांछित हैं तथा लंबे समय से अपनी पहचान छिपाकर गिरफ्तारी से बच रहे हैं।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (एसओजी) विशाल बंसल ने बताया कि इन सभी आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धाराओं 419, 420, 467, 468, 471 एवं 120-बी के साथ ही राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम तथा सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) एक्ट की विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज हैं। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है, लेकिन फरार होने के कारण अब प्रत्येक पर 10-10 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया है।

■ **एसओजी की जाँच के अनुसार, रीट, शिक्षक भर्ती और पटवारी भर्ती में लिप्त 15 आरोपी अभी भी फरार हैं।**

एसओजी द्वारा जारी सूची में कई ऐसे आरोपी शामिल हैं, जो सरकारी सेवा या शिक्षा क्षेत्र से जुड़े रहे हैं। इनमें सीकर जिले की अजीतगढ़ पंचायत समिति में कार्यरत सहायक लेखाधिकारी नागेश कुमार यादव प्रमुख हैं। इसके अलावा, शाहपुरा क्षेत्र में संचालित एमएडी फाउंडेशन कोचिंग सेंटर के संचालक दिनेश किलका भी वांछित आरोपियों में शामिल हैं।

एसओजी ने जिन आरोपियों पर दस-दस हजार रुपए का इनाम घोषित किया है, उनमें श्रीमाधोपुर (सीकर) निवासी नागेश कुमार यादव, सांचौर निवासी संगीता विश्नोई, तारपुरा (सीकर) निवासी विकास खेदर, निवाड़ी (सवाई माधोपुर) निवासी रामावतार मीणा, दांतारामगढ़ (सीकर) निवासी एवं कोचिंग संचालक दिनेश किलका, नागौर निवासी मनीष दाधीच, कोटपूतली निवासी भवानी शर्मा, जयपुर निवासी देवेन्द्र कुमार सैनी, जालौर निवासी कमलेश कुमार खिलेरी, बीकानेर निवासी रेवती विश्नोई, सवाई माधोपुर निवासी राजमोहन मीणा, जयपुर निवासी रविन्द्र सैनी, चोमू (जयपुर) निवासी सुभाष मुवाल, जालौर निवासी दिनेश कुमार तथा सांकड (जालौर) निवासी श्रवण कुमार शामिल हैं।

एसओजी ने आमजन से अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति को इन फरार आरोपियों के संबंध में कोई सूचना प्राप्त हो तो वह नजदीकी पुलिस थाना या एसओजी से संपर्क कर जानकारी दे सकता है। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908